● वर्ष-3
● अंक-181
रायपुर, शुक्रवार
08 मार्च 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।
समाचार पचीसा
राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› शॉर्ट अनारकली से लेकर हेवी सूट ...

वित्त मंत्री चौधरी जुर्डा में आयोजित जिला स्तरीय पशु मेला में हुए शामिल

एकीकृत कृषि अपनाएं किसान-वित्तमंत्री

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी आज पशुधन विकास विभाग द्वारा विकासखंड रायगढ़ के ग्राम जुड़ा में नेशनल लाइवस्टॉक मिशन अन्तर्गत आयोजित जिला स्तरीय पशु मेला, उत्सव, प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता में शामिल हुए। कार्यक्रम में वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने किसानो एवं पशु पालकों को संबोधित करते हुए कहा कि कहा ग्रामीण जीवन की अर्थव्यवस्था को सुधारने, किसानों की आय में वृद्धि करने एवं उनके जीवन में बदलाव लाने के लिए हमें कृषि के साथ किए जाने वाले एकीकृत कृषि जैसे विधिक कार्य को बेहतर तरीके से करना होगा, जिससे ज्यादा कमाई हो सके। उन्होंने कहा कि धान के फसल से अधिक कमाई उद्यानिकी फसलों में है, किसानों को धान का पैसा मिल ही रहा है, तो हमें यह सोचना होगा कि धान से अधिक कमाई किस फसल या कार्य में है। उन्होंने बताया कि वे स्वयं केले की खेती कर अच्छी कमाई कर रहे है। उन्होंने किसानों को अन्य उद्यानिकी फसलों की ओर ध्यान देने की बात कही, जिससे कृषकों के जीवन में बदलाव आए और आगे बढ़े।

वित्त मंत्री चौधरी ने मत्स्य पालकों के जीवन में आए बदलाव को किसानों के साथ साझा करते हुए किसानों को मत्स्य पालन के लिए प्रोत्साहित किया। इसी प्रकार पशुपालन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पशुपालन से भी आज बहुत सारे लोगों की जिंदगी बदल चुकी हैं। अच्छी ब्रीड के गाय के पालन करने और तकनीक का उपयोग करने से ही हमें सफलता मिलेगी। इसलिए पशुपालन विभाग की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि देश दुनिया में जितने भी तकनीक है। वह तकनीक हमारे किसान भाइयों तक पहुंचाए। विभाग के साथ हमारी भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि हम नई तकनीकी एवं ब्रीड, कार्यों की जानकारी लेने विभाग तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम माह में दो से तीन बार जिले की विभिन्न क्षेत्रों में होने चाहिए, ताकि किसानों का उसका लाभ मिले। कृषि के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी काफी बढ़ चुकी है, जिससे अच्छी आय प्राप्त कर हमें अपने जीवन में बदलाव लाना चाहिए। वित्त मंत्री चौधरी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि केलो डैम का पानी किसानों के खेतो तक पहुंचाने के लिए कार्य किया जा रहा है, साथ ही सपनाई डैम का पानी भी जल्द किसानों के खेत तक पहुंचेगा। रायगढ़ में हॉर्टिकल्चर कॉलेज, इंडोर स्टेडियम जैसे कार्य बजट प्रावधान में रखे गए हैं। हमें सब मिलकर समर्पित भाव से कार्य करना होगा तभी विकास होगा। इस दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत जुड़ा में 10 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 2 शेड निर्माण का शिलान्यास किया। विभाग द्वारा विभिन्न पशु-पक्षी तथा गाय के प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अवलोकन किया, जहां विभाग द्वारा संकर बछिया, दुधारू गाय, स्वास्थ्य बछड़ा, बैल जोड़ी भैसा, भैंस, मुर्गा, बतख, जापानी बटेर, बकरा-बकरी, भेड़, सुकर प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता आयोजित किया गया था। आयोजित कार्यक्रम में पौष्टिक हरा चारा में हाइब्रीड नेपियर, अजोला तथा बरसीम का प्रर्दशन किया गया। इसी प्रकार एकीकृत कृषि प्रणाली के संबंध में बताया गया कि किस प्रकार पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन एवं कृषि कार्य को एकीकृत कृषि के रूप में एक साथ किया जा सकता है। जिसमें कम लागत में संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर परंपरागत खेती से अधिक लाभ प्राप्त कर सकते है। इसके साथ ही इसमें एक फार्मिंग सिस्टम का बायो बेस्ट एवं बाय प्रोडक्ट दूसरे फार्मिंग सिस्टम के लिए कैसे संसाधन का कार्य करता है।

ये रहे विजेता

आयोजित प्रतियोगिता के दौरान संकर बछिया में रामकुमार पटेल, केशव पटेल एवं समीर कंवर को पुरस्कृत किया गया। इसी तरह दुधारू गाय में टीकाराम पटेल, राजू पटेल, विजय नारायण, महेश राम पटेल, सावित्री पटेल, स्वस्थ बछड़ा में विजय नायक, सुखीराम साहु, कन्हैया चौहान, मुर्गी, बतख एवं टर्की में भुवन निषाद, श्रीमती तनवीर, हितेश पटेल, बकरा-बकरी में गोविन्द निषाद, रामप्रसाद पटेल, तनवीर जहां, त्रिपुरारी नायक, कृष्णा पटेल तथा भैस-भैंसा में गुलाब पटेल, गोवर्धन पटेल, हरीश चौहान को पुरस्कृत किया गया।

नागरिकों को सरकार के फैसले की आलोचना करने का अधिकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के फैसले के विरोध और पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुभकामना देने के मामले पर सुनवाई करते हुए बड़ी टिप्पणी की. अदालत ने कहा कि 5 अगस्त को, जिस दिन जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त किया गया था, इसे काला दिवस के रूप में बताना विरोध और पीड़ा की अभिव्यक्ति है. और यदि राज्य के कार्यों की हर आलोचना का विरोध किया जाना सही है नहीं है. सरकार की आलोचना को धारा 153-ए के तहत अपराध माने जाने पर लोकतंत्र, जो संविधान की एक अनिवार्य विशेषता है, जीवित नहीं रहेगा.

अदालत ने यह भी कहा है कि पाकिस्तान के लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देना एक सद्भावना संकेत है और इसे विभिन्न धार्मिक समूहों के बीच वैमनस्य या शत्रुता, घृणा या दुर्भावना की भावना पैदा करने वाला नहीं कहा जा सकता है. क्योंकि ऐसा करने वाला व्यक्ति विशेष धर्म का था.

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि ऐसे मामलों में लागू किया जाने वाला परीक्षण कमजोर दिमाग वाले कुछ व्यक्तियों पर शब्दों का प्रभाव नहीं है जो हर शत्रुतापूर्ण दृष्टिकोण में खतरा देखते हैं. परीक्षण उचित लोगों पर कथनों के सामान्य प्रभाव का है जो संख्या में महत्वपूर्ण हैं. पीठ ने असहमति के अधिकार को जोड़ते हुए कहा कि केवल इसलिए कि कुछ व्यक्तियों में नफरत या दुर्भावना विकसित हो सकती है. यह आईपीसी की धारा 153-ए की उप-धारा (1) के खंड (ए) को आकर्षित करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा. वैध तरीके को संविधान के अनुच्छेद 21 द्वारा गारंटीकृत सम्मानजनक और सार्थक जीवन जीने के अधिकार का एक हिस्सा माना जाना चाहिए.

अपीलकर्ता ने सभी सीमाओं को नहीं पार किया है- अदालत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विरोध या असहमति लोकतांत्रिक व्यवस्था में अनुमत तरीकों के चार कोनों के भीतर होनी चाहिए. यह अनुच्छेद 19 के खंड (2) के अनुसार लगाए गए उचित प्रतिबंधों के अधीन है. वर्तमान मामले में, अपीलकर्ता ने ऐसा नहीं किया है कि सभी सीमा पार कर ली. अदालत ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर कॉलेज में कार्यरत कश्मीरी मुस्लिम प्रोफेसर जावेद अहमद हाजम के खिलाफ एक रूप में व्हाट्सएप स्टेटस डालने के आरोप में 5 अगस्त को जम्मू-कश्मीर के लिए काला दिन कहने और 14 अगस्त को पाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस मनाने के आरोप में दर्ज आपराधिक मामला रद्द कर दिया. अपने फैसले में, पीठ ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी पुलिस मशीनरी को संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) द्वारा गारंटीकृत बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अवधारणा और उन पर उचित संयम की सीमा के बारे में बताएं.

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर अधिवक्ता संघ, दुर्ग द्वारा न्यायालय परिसर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा सम्मिलित हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि महिलाओं की आज हर क्षेत्र में भागीदारी है, चाहे वह न्यायपालिका हो, सामान्य प्रशासन विभाग हो, राजनीति में हो, चाहे वो अंतरिक्ष में हो, हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। महिलाओं को उनकी त्याग भावना के कारण पुरूषों से अधिक महत्व दिया गया है। महिलाएं जो अपने परिवार को देखती हैं साथ ही कार्यक्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य भी करती है।

क्या चिराग और कुशवाहा बढ़ा रहे भाजपा की टेंशन?

एनडीए में क्यों फंस रहा सीटों का बंटवारा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की तारीखें नजदीक आने के साथ ही बिहार में एनडीए सीट बंटवारे पर समझौते की ओर बढ़ रहा है। सूत्रों की मानें तो 2024 के लोकसभा चुनाव में सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली बीजेपी और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडीयू के बीच सीट बंटवारे का फॉर्मूला 2019 की तर्ज पर होने की संभावना है। 2019 में सीट-बंटवारे का यह फॉर्मूला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए बेहद सफल रहा, जिसमें ब्लॉक ने 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाबी पाई थी।

2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और जदयू के बीच सीट बंटवारे का फॉर्मूला समान बंटवारे पर आधारित था। भाजपा और नीतीश कुमार की जद (यू) दोनों ने 17-17 सीटों पर सहमति जताई, जबकि दिवंगत राम विलास पासवान के नेतृत्व वाली अविभाजित लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) ने छह उम्मीदवार उतारे। लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) ने सभी 6 सीटें जीतीं, भाजपा ने अपनी सभी 17 सीटें जीतीं, जबकि जेडी (यू) ने अपने हिस्से की 17 सीटों में से 16 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने बिहार में केवल 1 सीट किशनगंज जीती।

हालांकि, 2024 में एनडीए के लिए सीट बंटवारा बिहार में एक बड़ी चुनौती बन गया हुआ है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि एनडीए में इस बार जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी भी है। इसके अलावा रामविलास पासवान की पार्टी दो गुटों में बट गई है। एक ओर जहां चिराग पासवान हैं तो दूसरी और रामविलास पासवान के भाई पशुपति पारस है। जदयू फिलहाल 17 सीटों से कम पर मानने को तैयार नहीं है। वहीं भाजपा भी अधिक से अधिक सीटों पर लड़ना चाहती है। ऐसे में उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी को भी भाजपा को अपने साथ रखना है। वही चिराग पासवान की पार्टी 6 सीटों पर दावा कर रही है जबकि पशुपति पारस भी लगातार 5 से 6 सीटों की डिमांड कर रहे हैं।

प्रमुख समाचार

मीडिया सरकार और लोगों के बीच एक कड़ी के रूप में काम करता है

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर प्रेस की स्वतंत्रता के मौलिक महत्व पर जोर दिया। देश के इतिहास पर विचार करते हुए उन्होंने टिप्पणी की कि आपातकाल की खेदजनक अवधि को छोड़कर, प्रेस पर कोई महत्वपूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। रक्षा मंत्री ने एक टीवी चैनल के डिफेंस समिट में अपने संबोधन में कहा, मीडिया को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि यह सरकार और लोगों के बीच एक कड़ी के रूप में काम करता है। रक्षा मंत्री ने कहा ऐसे लोग ये बात भूल जाते हैं, कि भारत की संस्कृति के ध्वजवाहक प्रभु श्री राम हैं, जो नैतिकता और आध्यात्मिकता के प्रतीक तो हैं ही, लेकिन साथ ही साथ भगवान राम का साम्राज्य भी अ-योध्य है, उनका बाण भी रामबाण है, जो अमोघ है। भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम तो हैं ही, लेकिन इसके साथ ही वो इस धरती पर अधर्म के नाशक भी हैं। वो शस्त्र और शास्त्र ज्ञान, दोनों के धारक हैं। इसलिए, भगवान राम के विस्तार के रूप में, भारतीय संस्कृति को आप देखें, तो आपको भारत की सैन्य शक्ति और हमारी आध्यात्मिकता के बीच में कोई विरोधाभास नहीं, बल्कि पूर्ण तारतम्य दिखता है।

जज की राजनीति में एंट्री ममता के लिए क्यों है चुनौती?

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय पर कटाक्ष किया है। सीधे तौर पर गंगोपाध्याय का नाम लिए बिना ममता बनर्जी ने कहा कि न्यायाधीश की कुर्सी पर बैठकर वह कहते हैं कि वह बीजेपी में शामिल होंगे? क्या लोगों को न्याय मिलेगा? मैं जज पर नहीं बोल सकती, लेकिन फैसले पर बोल सकती हूं। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि मुखौटा उतर गया है। कल से आपका फैसला जनता सुनाएगी। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, गंगोपाध्याय ने पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले से संबंधित कई मामलों में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा कई जांच के आदेश दिए थे। उन्होंने एफआईआर दर्ज करने और मंत्रियों और शिक्षा बोर्ड अध्यक्षों सहित आरोपियों से आधी रात को पूछताछ करने के निर्देश जारी किए। उन्होंने अवैध रूप से की गई 4,000 से अधिक नियुक्तियों को भी रद्द कर दिया।

2020 में सीमा पर हिंसा के लिए चीन जिम्मेदार

नई दिल्ली. चीन पर कटाक्ष करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि बीजिंग ने भारत के साथ लंबे समय से चले आ रहे लिखित समझौतों का पालन नहीं किया है और 2020 में सीमाओं पर रक्तपात के लिए उसे दोषी ठहराया, जो चार दशकों से अधिक समय में पहली बार हुआ। यहां थिंक टैंक के एक कार्यक्रम, टोक्यो में उद्घाटन रायसीना गोलमेज सम्मेलन में बोलते हुए, जयशंकर ने यह भी कहा कि कैसे वह शेष विश्व के प्रति रूस की दिशा में बदलाव की उम्मीद करते हैं और वह संभवतः एशिया में कई विकल्प चाहता है। जापान की दो दिवसीय यात्रा पर जयशंकर ने बदलती विश्व व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि इंडो-पैसिफिक में एक बहुत बड़े शक्ति परिवर्तन की वास्तविकता है। जब क्षमताओं और प्रभाव और संभवतः महत्वाकांक्षाओं में बहुत बड़े बदलाव होते हैं, तो सभी महत्वाकांक्षाओं और रणनीतिक परिणाम भी जुड़े होते हैं। अब, यह कोई मुद्दा नहीं है कि आपको यह पसंद है या आपको यह पसंद नहीं है। वहां एक वास्तविकता है...

उद्धव गुट की याचिका पर अप्रैल में सुनवाई

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट अप्रैल के दूसरे सप्ताह में एकनाथ शिंदे समूह के विधायकों को अयोग्य ठहराने से महाराष्ट्र स्पीकर के इनकार को चुनौती देने वाली शिवसेना-उद्धव गुट की याचिका पर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिवादियों से 1 अप्रैल या उससे पहले जवाब दाखिल करने को भी कहा है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने शिंदे गुट द्वारा ठाकरे खेमे द्वारा रिकॉर्ड में जालसाजी का आरोप लगाने के बाद मूल दस्तावेज मंगवाए। शीर्ष अदालत, जिसने ठाकरे समूह की याचिका पर नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने शिंदे और उनके विधायकों को 1 अप्रैल या उससे पहले सकारात्मक प्रतिक्रिया दाखिल करने के लिए कहा था, और याचिका को 8 अप्रैल को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था। पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे को अपने पास रख रहा है। याचिका की पोषणीयता खुली है। शीर्ष अदालत ने 22 जनवरी को याचिका पर मुख्यमंत्री और उनके समूह के अन्य सांसदों से जवाब मांगा था। ठाकरे गुट ने विधायक सुनील प्रभु के माध्यम से दायर अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि शिंदे ने असंवैधानिक रूप से सत्ता हथिया ली और असंवैधानिक सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं।

वायनाड से फिर दम भरेंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली। पूर्व कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी दूसरी बार केरल के वायनाड से चुनाव लड़ेंगे। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की पहली बैठक के बाद आज गांधी के नाम की घोषणा होने की संभावना है। गांधी 2019 में अमेठी से वायनाड चले गए और रिकॉर्ड अंतर से सीट जीती। हालाँकि, वाम दलों ने वायनाड से उनकी उम्मीदवारी का विरोध करते हुए कहा है कि उन्हें उत्तर में कहीं भाजपा से मुकाबला करना चाहिए। केरल में भाजपा की मजबूत उपस्थिति नहीं है, जबकि वाम दल, जो इंडिया गठबंधन का हिस्सा है, दक्षिणी राज्य में प्रभावी है। वामपंथियों का मानना ??है कि राहुल गांधी का वायनाड से चुनाव लड़ना बेकार होगा क्योंकि यहां भगवा पार्टी कोई फैक्टर ही नहीं है। सीपीआई ने वायनाड से पार्टी की वरिष्ठ नेता एनी राजा को मैदान में उतारा है। 27 फरवरी को सीपीआई (एम) नेता बृंदा करात ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को वायनाड से चुनाव लड़ने के बारे में सोचने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वे कहते हैं कि उनकी लड़ाई बीजेपी के खिलाफ है।

उज्ज्वला योजना की सब्सिडी एक साल और मिलेगी, डीए भी बढ़ा

महिला, किसान-केंद्रीय कर्मियों को बड़ी सौगात

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने पीएम उज्ज्वला योजना के तहत दी जाने वाली सब्सिडी की समय सीमा को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इस संबंध में प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उज्ज्वला योजना के तहत दी जाने वाली 300 रुपये की सब्सिडी की समय सीमा को 31 मार्च 2025 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है।

पीयूष गोयल ने बताया कि आज कैबिनेट बैठक में छह फैसलों पर मुहर लगी है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि आज कैबिनेट ने निर्णय लिया है कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 300 रुपए प्रति सिलेंडर की सब्सिडी दी जाती है, जिसकी अवधि 31 मार्च 2024 तक तक थी उसे 1 वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। अब 300 रुपए प्रति सिलेंडर सब्सिडी का लाभ एक वर्ष में 12 सिलेंडर की सीमा तक 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को मिलेगा।

किसानों को तोहफा

इसके साथ ही कच्चे जूट का न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाया गया है। इसमें 285 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। चालू सीजन 2023-24 में सरकार ने 524.32 करोड़ रुपये की लागत से 6.24 लाख गांठ से अधिक कच्चे जूट की रिकॉर्ड मात्रा में खरीद की है, जिससे लगभग 1.65 लाख किसानों को लाभ हुआ है। 2024-25 के लिए एमएसपी अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर 64.8 प्रतिशत का रिटर्न सुनिश्चित करेगा।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए चार फीसदी डीए बढ़ा

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के डियरनेस एलोवेंस (डीए) को और पेंशनधारियों के डियरनेस रिलीफ(डीआर) में 1 जनवरी 2024 से चार फीसदी की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया गया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 49.18 लाख कर्मचारियों और 67.95 लाख पेंशनभोगियों को फायदा होगा। चार फीसदी डीए बढ़ने से सरकारी खजाने पर प्रति वर्ष 12,868.72 करोड़ रुपये का भार पड़ेगा।

पूर्वोत्तर राज्यों में होगा औद्योगिक विकास

मंत्रिमंडल ने पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 10037 करोड़ रुपये की नई औद्योगिक विकास योजना उन्नति पर भी मुहर लगा दी। कैबिनेट ने उत्तर पूर्व परिवर्तनकारी औद्योगीकरण योजना, 2024 को मंजूरी दी। इससे उत्तर पूर्वी क्षेत्र में उद्योग लगाने और रोजगार पैदा करने में मदद होगी। योजना का मुख्य उद्देश्य लाभकारी रोजगार उत्पन्न करना है, जिससे क्षेत्र का समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास होगा। यह योजना विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में उत्पादक आर्थिक गतिविधि तैयार करेगी। योजना के तहत निवेशकों को नई इकाइयां स्थापित करने या मौजूदा इकाइयों का महत्वपूर्ण विस्तार करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। यह योजना आठ साल की प्रतिबद्ध देनदारियों के साथ अधिसूचना की तारीख से 31 मार्च, 2034 तक प्रभावी रहेगी।

गोवा विस में एसटी कोटा देने वाले विधेयक को मंजूरी

मंत्रिमंडल ने गोवा विधानसभा में अनुसूचित जनजातियों को आरक्षण प्रदान करने वाले विधेयक को भी मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अभी एसटी समुदाय के लिए गोवा विधानसभा में कोई सीट आरक्षित नहीं है। समुदाय की मांगों के बीच, कैबिनेट ने अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनर्समायोजन विधेयक, 2024 को मंजूरी दे दी। यह जनगणना आयुक्त को गोवा में एसटी की आबादी को अधिसूचित करना का अधिकार देगा। इसके आधार पर, निर्वाचन आयोग 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा में एसटी आरक्षण के लिए संसदीय और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन आदेश, 2008 में संशोधन करेगा। यह बिल अब आगामी आम चुनाव के बाद बनने वाली अगली लोकसभा में लाया जा सकता है।

भारत एआई मिशन पर मुहर

वहीं, एआई मिशन के तहत 10,372 करोड़ रुपए के व्यय से इंडिया एआई मिशन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल की बैठक में स्वीकृत किया गया है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि इस पैसे का इस्तेमाल सार्वजनिक-निजी भागीदारी मोड में एक उच्च-स्तरीय स्केलेबल एआई पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए किया जाएगा। इस मिशन को डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन (डीआईसी) के तहत इंडियाएआई इंडिपेंडेंट बिजनेस डिवीजन (आईबीडी) के माध्यम से लागू किया जाएगा। इसमें विभिन्न हितधारकों को एआई इकोसिस्टम बनाने के लिए, 10,000 से अधिक जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) वाली सुपरकंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध कराई जाएगी।

जमीन के टुकड़े के लिए तीन समाज आमने सामने

सीमांकन के लिए पहुंचे प्रशासन को लौटना पड़ा वापस

कोरबा। शहर के राताखार स्थित मेनोनाइट चर्च के पीछे की खाली जमीन की पोजीशन को लेकर तीन समाज आमने-सामने आ गए हैं। मसीही समाज का कहना है कि अंग्रेजों के जमाने से यह भूमि हमारे पूर्वजों की है। जिसे गलत तरीके से 2 अन्य समाज को आवंटित किया गया है जबकि सिंधी और अग्रवाल समाज के लोग शासन की तरफ से नियमों के तहत आवंटित करने का दावा कर रहे हैं।

जमीन को लेकर हो रहे विवाद को खत्म करने प्रशासन और पुलिस और तीनों समाज के लोग मौके पर पहुंचे। इस दौरान तीनों समाज के लोगों में काफी बहस हुई। जमीन का सीमांकन तो नहीं हो सका, बल्कि प्रशासन ने वहां मौजदू समाज के लोगों के बीच हुए विवाद को शांत कराया और सीमांकन के लिए एक हफ्ते बाद 14 मार्च का दिन तय किया गया।

मेनोनाइट चर्च और मसीही समाज के अध्यक्ष अटल बाघ ने अग्रवाल और सिंधी समाज के लोगों पर कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से जमीन का आवंटन शासन से करवाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि समाज के हमारे प्रमुख पदाधिकारी फिलहाल बाहर हैं। जिनके पास दस्तावेज हैं। वह फिलहाल बाहर है। जिन्हें नोटिस की तमिली भी नहीं कराई गई है। इसलिए हम आज सीमांकन का विरोध करने यहां पहुंचे हैं।

मेनोनाईट संस्था व मसीही अध्यक्ष अटल बाघ ने कहा दो अलग अलग समाजों को इस जमीन का कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से आवंटन कर दिया गया। जिसके विरोध में यहां इकट्ठे हुए हैं।

इधर मसीही समाज के लोगों के आरोपों को दोनों समाज के लोगों ने निराधार बताया है। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्रीकांत बुधिया ने बताया कि कुल साढ़े 17 एकड़ जमीन है। जिसमें से साढ़े 3 एकड़ जमीन अग्रवाल समाज को और एक एकड़ 55 डिसमिल जमीन सिंधी समाज को शासन की तरफ से दी गई है। जमीन आवंटन के दौरान नियमों का पूरी तरह पालन किया गया है।

अग्रवाल समाज अध्यक्ष श्रीकांत बुधिया ने कहा सरकारी शुल्क जमाकर जमीन की रजिस्ट्री करवाई है। हमने शासन से अनुरोध किया कि जमीन का सीमांकन करके विकास कार्य के लिए हमें जमीन की पजेशन दी जाए। इसके लिए हम यहां सीमांकन करने पहुंचे हैं। हमारा अनुरोध है कि जांच पड़ताल कर सीमांकन करते हुए हमें आवंटित भूमि का पजेशन दिया जाए।

जमीन के आवंटन के विरोध के दौरान कोरबा तहसीलदार राहुल पांडे भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि यहां कुल लगभग 17 एकड़ भूमि है। जिसमें से 5 एकड़ जमीन सिंधी समाज और अग्रवाल समाज को शासन की तरफ से आवंटित की गई है। जमीन के सीमांकन के दौरान मसीही समाज के लोग विरोध कर रहे हैं।

तहसीलदार राहुल पांडे ने कहा भूमि मसीही समाज की है। लेकिन उन्होंने कोई दस्तावेज नहीं दिखाया है। विरोध के कारण हमने सीमांकन नहीं किया है। सीमांकन की अगली तारीख 14 मार्च तय की है। नियमों के अनुसार कार्रवाई करेंगे।

सिंधी और अग्रवाल समाज के लोग जमीन की रजिस्ट्री नियमों के तहत होने का हवाला दे रहे हैं। मसीही समाज के लोग साढ़े 17 एकड़ जमीन अंग्रेजों के समय जमीन उनके पूर्वजों को देने का दावा कर रहे हैं। 14 मार्च को अब देखना होगा कि मामले में क्या कार्रवाई होती है।

मैनपाट में गजराज का आतंक, छत्तीसगढ़ का शिमला झेल रहा हाथियों की दहशत

सरगुजा। मैनपाट को छत्तीसगढ़ का शिमला कहा जाता है। मैनपाट अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है।तिब्बती कल्चर इस जगह की खास पहचान हैं।हर साल गर्मियों में सैलानियों का जमावड़ा मैनपाट में लगता है।लेकिन मैनपाट के आसपास गांवों का हाल इतना खूबसूरत नहीं है। मैनपाट के कई गांवों में इन दिनों हाथियों का आतंक है।लंबे समय बाद इस क्षेत्र में हाथियों की आमद हुई है।हाथियों ने ग्रामीणों के घर और खेत तबाह कर दिए हैं।

मैनपाट के ग्रामीण क्षेत्र कोरवा बस्ती नर्मदापुर में हाथियों ने उत्पात मचाया है।बुधवार रात हाथियों का दल नर्मदापुर गांव पहुंचा।जहां हाथियों ने चिंघाड़ना शुरु किया।हाथियों की चिंघाड़ने के कारण नर्मदापुर गांव वासी अपने घरों से निकले।आधी रात उन्हें कुछ समझ ना आया क्या करें।इसलिए जान की सलामती के लिए ग्रामीण अपने घरों को छोड़कर बच्चों के साथ दूसरी जगह चले गए।लेकिन जब गुरुवार सुबह ग्रामीण वापस लौटे तो उनके पैरों तले जमीन खिसक चुकी थी।हाथियों के झुंड ने एक ग्रामीण का खेत के पास बने झोपड़ी को तहस नहस कर दिया था। गेहूं की तैयार हो चुकी फसल को भी हाथी रौंदकर जा चुके थे।

बताया जा रहा है कि बुधवार रात 8 बजे दो हाथी सबसे पहले ग्राम बरीमा,उरंगा में फसल को नुकसान पहुंचाया।इसके बाद नर्मदापुर गांव में घुसे।यहां जिस घर पर हाथियों ने धावा बोला,उसके आसपास आबादी कम है।इसलिए दूसरे लोगों को पता नहीं चला। वन विभाग ने हाथियों की आमद की सूचना पर गांवों में मुनादी करानी शुरु की है।हाथी दल पर निगरानी रखकर ग्रामीणों को जागरुक किया जा रहा है।नर्मदापुर गांव के ग्रामीण हाथियों को लेकर काफी परेशान हैं।जिन ग्रामीणों का नुकसान हुआ है वो प्रशासन से मदद की आंस में बैठे हैं।

घर से लड़कर नक्सलियों के कैंप में चला गया था टुगे

दोबारा वापस नहीं लौटा, पुलिस मुठभेड़ में हुआ ढेर

जगदलपुर। परतापुर एलजीएस कमांडर टुगे यानी नागेश लगभग 20 साल से अधिक समय तक नक्सलियों के साथ रहा। छोटी-छोटी बात को लेकर घर में विवाद से गुस्से में आकर भाभी व भाईयों से लड़कर नक्सलियों के कैंप चला गया था, जब उसे कोई समझ नहीं थी। यह बातें टुगे की सबसे बड़ी भाभी मिड़को ने बताई, जब शव लेने कांकेर पहुंची। उनको नहीं पता था कि उस पर 10 लाख का ईनाम भी घोषित था।

हिदूर के जंगल में हुई पुलिस नक्सली मुठभेड़ में तीन मार्च को पुलिस की गोली का शिकार हुआ, जिसमें टुगे यानी नागेश की मौत हो गई थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर मोर्चरी में रखा था और उसके शव को लेने के लिए उसके गांव नारायणपुर जिले के ग्राम पंचायत कोतुल के आश्रित ग्राम कुडेलियार से भाभी मिड़को, भतीजा मैनूराम उसेंडी, भतीजी बसंती, पड़ोसिन सोनाय, मामा सुनील और सुखराम पांच मार्च की देर शाम नारायणपुर थाना पहुंचे थे और सात मार्च की सुबह 10 बजे के आसपास कांकेर थाना पहुंचे। इसमें केवल मैनूराम उसेंडी ही हिंदी समझता था, क्योकि अभी कोहकामेटा में कक्षा नौंवी का छात्र है। वहीं, अन्य सभी सदस्य केवल गौंडी ही जानते थे। इनके साथ वाहन का चालक था, जो हिंदी और गौंडी दोनो भाषा जानता था।

मृतक नक्सली टिगू की भाभी एवं भतीजा मैनूराम ने बताया कि यह पांच भाई थे, जिसमें यह सबसे छोटा था। इनके माता व पिता की मृत्यु जब हो गई थी, तब टिगू बहुत छोटा था। भाभी के घर में ही रहकर खाता था, परंतु गुस्सा बहुत जल्द हो जाता था। छोटी-छोटी बातों को लेकर झगड़ता रहता था और एक दिन गुस्से में आकर झगड़कर पास के गांव में लगे नक्सलियों के कैंप में चला गया और तब से आज तक कभी गांव वापस नहीं आया। नक्सलियों के साथ जब गया, तब उसकी उम्र ज्यादा नहीं थी। यहां तक नौंवी में पढ़ने वाला भतीजा मैनूराम का जन्म भी नहीं हुआ था।

शक्ति वंदन कार्यक्रम में महिलाओं को कचरा गाड़ी में बैठाकर ले गए

बालोद। केंद्र और राज्य सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए नारी शक्ति वंदन, महतारी वंदन जैसी योजनाएं चला रही है। इस बीच बालोद से महिलाओं के अपमान का एक वीडियो सामने आया है।

बालोद जिले में प्रशासन की ओर से आयोजित महत्वपूर्ण शक्ति वंदन कार्यक्रम में महिलाओं को शामिल होना था। इसके लिए नगर पंचायत डोंडी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने महिलाओं को कचरा गाड़ी पर बैठा कर आयोजन स्थल तक ले गई। इसका वीडियो अब सामने आया है। इस वीडियो के सामने आने के बाद मामले में सियासत भी शुरू हो चुकी है।

वीडियो में साफ तौर पर देखा जा रहा है कि कड़ी धूप में महिलाएं कचरा गाड़ी पर बैठ कर जा रही हैं। कचरा गाड़ी पर बैठकर आयोजन में शामिल होने जाने वाली महिलाओं ने ही यह वीडियो बना कर पोस्ट कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद नगर पालिका अधिकारी की फजीहत हो रही है।

इस वीडियो के सामने आने के बाद पूरे मामले में सीएमओ संतोष देवांगन ने सफाई दी कि जल्दबाजी में ऐसा करना पड़ा। संतोष देवांगन ने कहा कि, प्रधानमंत्री का कार्यक्रम था। मैंने गाड़ी की व्यवस्था की थी। गाड़ी वाले ने धोका दे दिया, जिसके बाद आनन-फानन में ऐसा करना पड़ा। कार्यक्रम बालोद में था, लेकिन राजहरा नगर पालिका की ओर से बात करने के बाद वहां भेज दो बोले, फिर गाड़ी नहीं

मिली तो मुझे ये सब करना पड़ा। बाकी महिलाएं आराम से वहां तक पहुंची।

इस मामले को लेकर विधायक संगीता सिन्हा ने राज्य सरकार पर हमला बोला है। विधायक ने कहा-नारी सम्मान का झूठा ढोंग केवल भाजपा सरकार में ही संभव है। इस मामले की शिकायत की जाएगी।एक तरफ सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम करती है, तो दूसरी तरफ महिलाओं को कचरे के डब्बे तक सीमित करना चाहती है।

वो महिलाएं बहादुर है, जिन्होंने इस कृत्य का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। अधिकारी सरकार के प्रतिनिधि होते हैं। इस घटना के लिए अधिकारी से लेकर सरकार तक दोषी हैं। वोट बैंक के लिए महिलाओं के सम्मान की बात करते हैं पर असल सम्मान अब सब के सामने आ गया है।-संगीता सिन्हा, स्थानीय विधायक

जगह महिला दिवस का आयोजन किया जा रहा है। महिलाओं को सम्मानित किया जा रहा है। वहीं, दूसरी ओर इस तरह का वीडियो सामने आना नारी अस्मिता को ठेस पहुंचाने जैसा है।

बस्तर के 1120 तीर्थ यात्री आस्था ट्रेन से अयोध्या धाम रवाना

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने भगवा लहराकर किया विदा

जगदलपुर। पावन अयोध्या धाम के नवनिर्मित श्री राम मन्दिर में स्थापित प्रभु श्रीरामलला के दर्शन करने बस्तर अंचल के 1120 श्रद्धालु बुधवार को आस्था स्पेशल ट्रेन से रवाना हुए। स्थानीय रेल्वे स्टेशन पर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण देव ने भगवा ध्वज लहरा कर श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम ले जा रही विशेष ट्रेन को रवाना किया।

इस दौरान रेलवे स्टेशन पर उत्साह सहित भक्ति का वातावरण बना रहा, जय श्रीराम के जयकारे गूंजते रहे। अयोध्याधाम जाने वाले समस्त श्रद्धालुओं का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया, तिलक लगा कर उन्हें विशेष ट्रेन में बैठाया गया व लड्डुओं से मुंह मीठा कराया गया। अयोध्या धाम जाने वाली बुजुर्ग दंपती के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने पैर धुलाये व माला पहना कर उनका आशीर्वाद भी लिया। आस्था स्पेशल ट्रेन में बस्तर अंचल के जगदलपुर, कोण्डागांव, नारायणपुर, चित्रकोट, दंतेवाड़ा व सुकमा के रामभक्त अयोध्या धाम रवाना हुये। इस अवसर पर अपने संबोधन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

किरण देव ने अयोध्या धाम जा रहे तीर्थ यात्रियों को बधाई, शुभकामनाएं देते हुए सभी पर भगवान श्रीराम का आशीर्वाद सदैव बने रहने की कामना की। श्री देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां की जनता को शासकीय खर्च पर प्रभु श्री रामलला का दर्शन कराने की व्यवस्था की गयी है। इस मौके पर चित्रकोट विधायक विनायक गोयल, बस्तर सांसद प्रत्याशी महेश कश्यप ,पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, श्रीनिवास राव मद्दी, बैदूराम कश्यप ,लच्छुराम कश्यप , जिला अध्यक्ष रूपसिंह मंडावी, विद्याशरण तिवारी, वीरेंद्र श्रीवास्तव, नगर मंडल अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ,नेता प्रतिपक्ष संजय पांडे, रामाश्रय सिंह, योगेंद्र पांडे, राजपाल कसेर, आरेंद्र सिंह, मनोहर दत्त तिवारी,आलोक अवस्थी, श्रीनिवास मिश्रा, सहित काफी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

आवासीय गर्ल्स पोर्टाकेबिन में लगी आग, 305 का रेस्क्यू

बीजापुर। बीजापुर में देर रात सरकारी आवासीय गर्ल्स पोर्टा केबिन में भीषण आग लग गई। वहां मौजूद 305 बच्चियों को रेस्क्यू किया गया। इस दौरान आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही घंटों में पूरा पोर्टाकेबिन जलकर खाक हो गया। बताया जा रहा है कि इस घटना में एक बच्ची की मौत हो गई है। मामले की जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में आदिवासी बच्चियों को अच्छी शिक्षा देने के लिए पोर्टाकेबिन का निर्माण किया गया था। जिसमें पहली से लेकर आठवीं तक कि बच्चियों को पढ़ाया जाता है। बीती रात को बीजापुर जिले के आवापल्ली थाना क्षेत्र के चिंताकोन्टा केबिन में करीब 305 बच्चियां सो रही थीं। अचानक से वहां आग लग गई। आग लगने से वहां हड़कंप मच गई, ग्रामीणों के साथ ही वहां की स्थानीय टीम ने बच्चियों को बचाने का काम शुरू कर दिया। आग पर काबू पाने का काम शुरू किया गया और बच्चियों को बचाकर दूसरी जगह शिफ्ट किया गया। इसी कैंपस में एक चार साल की बच्ची लिप्सा भी वहां रुकी हुई थी, इस आगजनी में लिप्सा की मौत हो गई।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला नक्सलियों ने पर्चे फेंके

बीजापुर। बुधवार रात भोपालपटनम फॉरेस्ट नाके के पास भारी मात्रा में पर्चे फेंके मिले। इन पर्चों में महिला नक्सली संगठन का जिक्र है जिन्होंने 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की जगह मणिपुर में आदिवासी महिलाओं के खिलाफ हुए अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने को कहा। पर्चों में कुटरू टीआई को बर्खास्त करने की मांग भी की गई है। नेशनल हाइवे भोपालपटनम फॉरेस्ट नाके से 100 मीटर की दूरी पर ये पर्चे फेंके गए हैं। पर्चों में नक्सलियों ने लिखा है-3 मई को मणिपुर में जो हिंसा भड़की है, वह अभी तक पूरी तरह थमी नहीं है। इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाकर और मीडिया का नियंत्रण करके वहां जारी हिंसा पर डबल इंजन सरकार द्वारा पर्दा डाल दिया गया है। बीजापुर में नक्सली किसी ना किसी घटना को अंजाम देकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश कर रहे हैं। बुधवार शाम को बीजापुर के कोटमेटा इलाके से नक्सलियों ने बीजेपी नेता कैलाश नाग का अपहरण कर लिया। उसके बाद गोली मारकर उनकी हत्या कर दी।

विश्व प्रसिद्ध माता मावली मेला का समापन 10 मार्च को

नारायणपुर। नारायणपुर में बुधवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच माता मावली मेला का शुभारंभ हो चुका है। यहां ढाई कोसी दैवीय परिक्रमा के बाद देवी-देवताओं ने विश्व प्रसिद्ध मावली मेला शुभारंभ करने की अनुमति दे दी है। इस मेले का समापन रविवार 10 मार्च को होगा। सदियों से चली आ रही परंपरा के अनुसार हर साल की तरह इस साल भी महाशिवरात्रि से पहले माता मावली मेला का भव्य आगाज हो गया है। इस मौके पर 84 परगना के सैकड़ों देवी देवताओं का जमावड़ा लगा रहा। सबसे पहले माता मावली मंदिर प्रांगण में देवी-देवताओं का जमावड़ा लगा। यहां ढोल नगाड़ों की थाप पर भव्य देव खेलनी आयोजित हुई। बृजमोहन देवांगन ने कहा पिछले 300 सालों से यहां मेला लगता आ रहा है। माता मावली मां दंतेश्वरी की बड़ी बहन है। ये आदिवासी समाज ही नहीं बल्कि हर समाज के सहयोग से आयोजित होता है।

भिलाई में टेलीग्राम ग्रुप से सायबर ठगी

भिलाई। शेयर मार्केट में निवेश का लालच देकर लाखों की ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने ठगी के लिए फर्जी वाट्सअप ग्रुप बनाया। इसमें जुड़ने वाले लोगों को ठगों ने थोड़ा निवेश करने के बाद लाखों रुपए अर्जित करने का सपना दिखाया। ठगों के इस जाल में भिलाई निवासी एक युवक आ गया। युवक ने ठगों पर भरोसा करके 35 लाख 70 हजार रुपए गंवा दिए। पुलिस के मुताबिक भिलाई सेक्टर 5 निवासी श्याम कुमार को ब्लैकरॉक कैपिटल वीआईपी 8 नाम के ग्रुप में जोड़ा गया। इस ग्रुप में शेयर मार्केट में निवेश करने के टिप्स बताए जाते थे। इसी को देखकर श्याम कुमार ने एक लाख रुपए निवेश किए। ठग ने निवेश के बाद श्याम कुमार को एक लाख का रिटर्न दिया। रिटर्न पाने के बाद श्याम कुमार को भरोसा हो गया कि पैसे लगाने पर बढ़ेंगे। ठग ने इसके बाद एक हफ्ते का ले आउट प्रोग्राम का आयोजन भी किया। जिसमें श्याम कुमार ने अलग-अलग खातों में निवेश किया। इस दौरान श्याम कुमार को ठग ने भरोसा दिया कि उसे 30 फीसदी का अच्छा रिटर्न मिलेगा।

सीआईएसएफ के स्थापना दिवस की तैयारियां शुरू

भिलाई। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल 55वां स्थापना दिवस मनाने जा रहा है। 10 मार्च को स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इस बार मुख्य कार्यक्रम 12 मार्च को होने जा रहा है। अब तक गाजियाबाद में ही मुख्य कार्यक्रम होते रहे हैं। हालांकि पहली बार भिलाई को मेजबानी का मौका मिला है। सीआइएसएफ के उतई स्थित ट्रेनिंग सेंटर में मुख्य कार्यक्रम की तैयारी चल रही है। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गृह मंत्री अमित शाह थे। हालांकि किसी कारण से इस कार्यक्रम को 12 मार्च को आयोजित किया जाएगा। यही कारण है कि इस आयोजन में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इस दौरान यहां मार्च पास्ट, डेमो, डॉग सलामी और नक्सल डेमो किया जाएगा। सीआईएसएफ के जवान इसकी तैयारियों में जुटे हुए हैं। आईजी संजय प्रकाश के नेतृत्व में यहां युद्धस्तर पर तैयारियां चल रही है। जानकारी के मुताबिक 12 मार्च को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय सीआईएसएफ के ट्रेनिंग सेंटर उतई पहुंचेंगे।

कवर्धा का पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर, अद्भुत पंचमुखी शिवलिंग में पच्चीस शिव

कवर्धा। भगवान भोलेनाथ का अस्तित्व सृष्टि से जुड़ा हुआ है। महादेव के कृपा से ही सृष्टि का जन्म हुआ। भारत देश में भोलेनाथ के अनेक मंदिर हैं। इन मंदिरों में से कुछ अनोखे हैं। ऐसा ही एक अनोखा मंदिर छत्तीसगढ़ में भी है। कवर्धा के संकरी नदी के तट पर इस मंदिर का निर्माण कराया गया है। जहां विराजमान हैं,विश्व के इकलौते पंचमुखी शिव।इस शिवलिंग की खास बात ये है कि 5 अलग-अलग शिवलिंग में पांच-पांच मुख हैं।यानी एक शिवलिंग के पांच मुख। इसलिए पांच शिवलिगों के मुखों को जोड़ा जाए तो 25 मुख के साथ भोलेनाथ अपने भक्तों को दर्शन देते हैं।

पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर में सेवा करने वालों की माने तो ये स्वयंभू शिवलिंग है। 10वीं शताब्दी के आसपास शिवलिंग की स्थापना की गई थी।जब राजा महाराजा का दौर आया तो शिवलिंग की जगह बड़ा

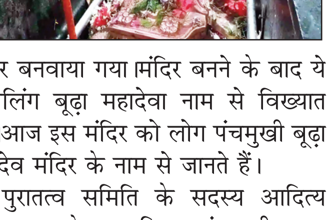

मंदिर बनवाया गया।मंदिर बनने के बाद ये शिवलिंग बूढ़ा महादेवा नाम से विख्यात हुए।आज इस मंदिर को लोग पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर के नाम से जानते हैं।

पुरातत्व समिति के सदस्य आदित्य श्रीवास्तव के मुताबिक पंचमुखी बूढ़ा महादेव स्वयंभू शिवलिंग है जो मंदिर निर्माण के काफी पहले से स्थापित है। मंदिर में जो शिवलिंग है उसके 05 मुख हैं। पांचों मुख में फिर 5-5 मुख हैं यानी कुल 25 लिंगों का अद्भुत शिवलिंग हैं। शिव के पंचमुखों का शिवमहापुराण में भी जिक्र मिलता है। शिवपुराण में कहा गया है,जब सृष्टि के आरंभ में कुछ नहीं था, तब शिव ने पंचमुख धारण किए थे।

1.पश्चिम मुख, सद्योजात - पृथ्वी तत्व 2.उत्तर मुख, वामदेव - जल तत्व 3.दक्षिण मुख, अघोर-तेजस तत्व 4. पूर्व मुख, तत्पुरुष -वायुतत्तव 5. ऊर्ध्व मुख, ईशान-आकाश तत्व।

पुरातत्व समिति के सदस्य आदित्य श्रीवास्तव ने कहा त्रिनेत्रधारी शिव के पंचमुखों से ही पृथ्वी,जल,अग्नि,आकाश और वायु की उत्पत्ति हुई।इसलिए शिव पंचानन और पंच्यवक्त्र कहलाएं। विश्व के अलग-अलग कल्पों में शिव के अनेक अवतार हुए। सद्योजात,वामदेव, तत्पुरुष, अघोर और ईशान शिव के अवतार माने गए हैं। ये शिवलिंग भोलेनाथ के पंच अवतारों को प्रदर्शित करता है।शिवलिंग के चार मुख चारों दिशाओं में और पांचवां मुख मध्य ऊर्ध्व में है।

इतिहासकारों की माने तो 25 मुख वाले स्वयंभू शिवलिंग सैंकड़ों वर्ष पुराना है।200 साल पहले कवर्धा रियासत के पहले राजा महाबली दीवान और दूसरे राजा उजियार सिंह पंचमुखी बूढ़ा महादेव को पूजते थे।उन्हीं के समय मंदिर का निर्माण हुआ। मंदिर से थोड़ी ही दूरी पर संकरी नदी बहती है, पहले मंदिर को बुढ़ा देव मंदिर के नाम से जाना जाता था अब मंदिर को उमापति पंचमुखी बूढ़ा महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है। पंचमुखी बूढ़ा महादेव के पुजारी की माने तो बचपन से शिव की सेवा कर रहे हैं।यहां ऐसी कोई भी मनोकामना नहीं है जो पूरी ना हुई हो।इसलिए दूर-दूर से भक्त मन में मनोकामना लिए आते हैं।इसके बाद इच्छा पूरी होने पर भोलेनाथ के दोबारा दर्शन करते हैं। सावन और महाशिवरात्रि में मंदिर की रौनक देखते ही बनती है।

अब तक नहीं मिला जाति प्रमाण पत्र

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ में आक्रोशित भीड़ ने नगर पालिका परिषद का घेराव कर दिया। जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने की समस्या को लेकर कई वार्डों के लोग नगर पालिका परिषद पहुंचे। वहां जमकर विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी करने लगे। डोंगरगढ़ शहर में लगातार पिछले लंबे समय से जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने की समस्या देखने को मिलती रही है। इस मामले में पहले भी कई बार प्रदर्शन हुए। लेकिन लंबे समय बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने से बुधवार को आक्रोशित भीड़ ने नगर पालिका परिषद का घेराव कर दिया।नगर पालिका का घेराव करने पहुंची आक्रोशित भीड़ को पुलिस ने गेट पर ही रोक दिया। महिलाओं ने बताया कि बीते लगभग 6 महीने से उनका आवेदन लगा हुआ है लेकिन अब तक जाति प्रमाण पत्र नहीं बन पाया है। जिससे उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय सारिका ने कहा इससे पहले जब आए तो सर्वे के लिए भेजने की बात कही। ना सर्वे हुआ ना ही आगे कुछ कार्रवाई हुई। हमारी मांग है कि जाति प्रमाण पत्र बना दिया जाए। लोगों की नाराजगी को देखते हुए पुलिस प्रशासन और मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने लोगों की बातें सुनी और जल्द से जल्द जाति प्रमाण पत्र बनवाने का आश्वासन दिया। जिसके बाद लोगों का प्रदर्शन शांत हुआ। मुख्य नगर पालिका अधिकारी कुलदीप झा ने बताया- जाति प्रमाण पत्र के प्रस्ताव पर 23 जुलाई 2023 को परिषद ने जांच समिति गठित की और अनुविभागीय अधिकारी को निर्देश देते हुए प्रस्ताव पास किया गया। इस मामले में एसडीएम ने एक जांच समिति गठित की। जिसकी जांच रिपोर्ट अब तक नहीं मिली। मुख्य नगर पालिका अधिकारी डोंगरगढ़ कुलदीप झा ने कहा आज परिषद की बैठक होनी है। अध्यक्ष महोदय से आग्रह कर इस विषय को जुड़वाता हूं। जल्द प्रकरण को सुलझाने की कोशिश की जाएगी।

एक बार आश्वासन मिलने के बाद वार्ड के लोग शांत हुए और वापस अपने घर चले गए। देखना होगा अधिकारी कब तक इनका जाति प्रमाण पत्र बनवाते हैं।

मितानिन दीदीयां पांच दिवसीय धरने पर बैठी

मांगे पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की दी चेतावनी

महासमुंद/बलौदाबाजार। स्वास्थ्य सेवा में ग्रामीण क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली प्रदेशभर की मितानिन दीदी दो सूत्रीय मांगों को लेकर गुरुवार से पांच दिवसीय जिलास्तरीय हड़ताल पर चले गए हैं। मितानिनों का कहना है कि 12 मार्च को प्रदेश स्तरीय हड़ताल पर रहेंगे और अगर इनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो ये अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे।

इसी कड़ी में महासमुंद में जिला स्वास्थ्य मितानिन संघ 7 से 12 मार्च तक हड़ताल पर चले गए हैं। इसमें मितानिन, मितानिन प्रशिक्षिका, ब्लॉक समन्वयक, स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक, शहरी मितानिन कार्यक्रम महासमुंद और हेल्प डेस्क जिला मितानिन संघ शामिल है। इनकी संख्या जिले में लगभग 23 सौ है।

इनकी मांग है कि मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, ब्लॉक समन्वयक, स्वस्थ्य पंचायत समन्वयक और हेल्प डेस्क को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (हस्रू) में जोड़ा जाए। प्रोत्साहन राशि और क्षतिपूर्ति राशि में 50 प्रतिशत की वृद्धि की जाए। जिला स्वास्थ्य मितानिन संघ का 7 से 11 मार्च तक जिला स्तरीय हड़ताल रहेगा और 12 मार्च को प्रदेश स्तरीय हड़ताल किया जाएगा। मितानिन संघ के प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि हमारी मांगे पूरी नहीं होंगी तो अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे।

वहीं बलौदाबाजार जिले में भी मितानिन दीदी पांच दिवसीय हड़ताल पर चले गए हैं। जिले के दशहरा मैदान में मितानिन दीदीयां धरने पर बैठी है। इनकी प्रमुख मांगों में लोकसभा चुनाव के पूर्व मोदी की गारंटी घोषणा पत्र में किए गए वादे को पूरा करने की मांग है, जिसमें इन्हें राष्ट्रीय परिवार सहायता कार्यक्रम में शामिल करना और प्रोत्साहन राशि में 50 प्रतिशत की वृद्धि करना प्रमुख है। वहीं मितानिनों का कहना है कि जब गांव में कोई डिलीवरी नहीं होती है तो इन्हें राशि नहीं मिलती। अतः इन्हें सम्मानजनक वेतन दिया जाए।

वहीं मितानिन संघ की जिलाध्यक्ष सती वर्मा ने कहा कि एक मितानिन 200 परिवार देखती है। ऐसे में आने वाले लोकसभा चुनाव के पूर्व मांग पूरी नहीं होती है तो भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी को भी सोचना पड़ सकता है। हमारी मांगे जायज है, इन्हें पूरा किया जाए।

मितानिनों का कहना है कि केन्द्र और राज्य सरकार सम्मान की बात करती है पर दिन-रात मेहनत करने वाली मितानिनों का सम्मान कहां है। हमारे घर में चूल्हा भी बमुश्किल से जलता है। बच्चों की पढ़ाई की फीस नहीं रहती है। ऐसे में पीएम मोदी सम्मान की बात करते हैं वो जायज नहीं लगती है। अभी हम पांच दिवसीय जिलास्तरीय प्रदर्शन कर रहे हैं। उसके बाद प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन राजधानी में किया जाएगा। भाजपा के लोग कहते हैं, भाजपा जो कहती है पूरा करती है, चुनाव पूर्व घोषणा पत्र में हम लोग के लिए किया गया वादा भी पूरा करें।

भाजपा नेताओं की हत्या पर डिप्टी सीएम शर्मा बोले-

नक्सलियों से वार्ता के लिए हैं तैयार कांग्रेस की गलती की सजा भुगत रहे

रायपुर। बस्तर में लगातार भाजपा नेताओं की हत्या और पीसीसी चीफ दीपक बैज के बयान पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा, बस्तर में हत्या की घटना काफी चिंताजनक है। कांग्रेस की गलती की सजा लोग भुगत रहे हैं। हम तो नक्सलियों से वार्ता के लिए भी तैयार हैं। आखिर नक्सली क्या चाहते हैं बताएं। हम तो कह रहे हैं वीडियो कान्फ्रेसिंग में बात करने के लिए तैयार हैं। सामान्य लोगों को इस तरह मौत के घाट उतारना कहां का न्याय है।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने विशेष पिछड़ी जनजाति की स्वसहायता समूह की महिलाओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा, सुदूर वनांचल क्षेत्र में रहने वाले महिलाओं का जो स्व सहायता समूह बना है वो दिल्ली में राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगी। महिलाएं अपने स्वसहायता समूह के उत्पादों को लेकर जा रहे हैं। दिल्ली में राष्ट्रपति को भेंट करेंगे। साथ ही दिल्ली के कई स्थानों पर भ्रमण भी करेंगे।

छत्तीसगढ़ में एसआईए गठन पर शर्मा ने कहा, कई मामलों में छानबीन की जरूरत पड़ती है। एसआईए में नए प्रबंधन से काम होगा। अत्याधुनिक टीम रहेगी। स्क्वॉड में पर्याप्त संख्या में स्टॉफ रहेगा। इससे राज्य पर कोई आर्थिक बोझ नहीं बढ़ेगा।

शर्मा ने कहा, अनवरत पाँच वर्षों तक जिन्होंने कुछ नहीं कहा, जिनके गलती की सजा आज लोग भुगत रहे हैं। उनको तो ये बात नहीं कहनी चाहिए। राजीव आवास योजना का नाम बदलने पर डिप्टी सीएम ने कहा, हम नए प्रावधानों के साथ काम कर रहे हैं इसलिए योजना का नाम भी बदला गया है। कोई योजना में पूरा परिवर्तन होगा तो नाम बदलेंगे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा मीडिया विभाग ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को सौंपा पत्र

रायपुर। भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग के डेलिगेशन ने आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें पत्रकारों की सुरक्षा और हित में ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा छत्तीसगढ़ में कांग्रेस शासन काल में पिछले 5 वर्ष अभिव्यक्ति की आजादी की दृष्टि से भयावह रहे हैं। पत्रकारों की प्रताड़ना, महज समाचार प्रसारित और प्रकाशित करने में कारण उन पर लगाये जाते झूठे मुकदमों आदि ने नागरिक के मौलिक अधिकार पर गंभीर कुठाराघात किया। कई ऐसे पत्रकार हैं जो नाहक मुकदमों आदि का सामना कर रहे हैं। कुछ के साथ अन्य तरह से उनके सम्मान को ठेस पहुंचाया गया है। कई ऐसे लोगों के साथ मारपीट हुई, बेवजह उन्हें जेल में ठूंसा गया। हर तरह से पत्रकारों की आवाज दबाने दमनकारी रवैया अपनाया गया। कथित पत्रकार सुरक्षा कानून की धज्जियां उड़ाई गई। ऐसे में अब इन्हें न्याय दिलाना अत्यावश्यक है। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से निवेदन की है की ऐसे सभी मामलों की निष्पक्ष जांच करा कर पत्रकारों को न्याय दिलाने की कृपा करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा, रसिक परमार भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, सह प्रभारी अनुराग अग्रवाल शामिल रहे। इस अवसर पर विशेष रूप से मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, आलोक सिंह माजूद रहे।

अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद शासन ने नियुक्त किया कार्यवाहक अध्यक्ष

रायपुर। राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने तीन नगरीय निकायों में अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया है। विभाग द्वारा मंत्रालय से जारी अलग-अलग आदेश के अनुसार बिलासपुर जिले के तखतपुर नगर पालिका के वार्ड क्रमांक-13 की पार्षद अमरीका कृष्ण कुमार साहू को तखतपुर नगर पालिका का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्य शासन द्वारा बेमेतरा जिले के मारो नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक-15 के पार्षद धनलाल देशलहरे को मारो नगर पंचायत का और मुंगेली जिले के सरगांव नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक-5 के पार्षद परमानंद साहू को सरगांव नगर पंचायत का कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्य शासन ने तीनों नगरीय निकायों में वर्तमान अध्यक्षों के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद अध्यक्ष के रिक्त पदों की जानकारी देते हुए नए अध्यक्षों के निर्वाचन के लिए आवश्यक कार्रवाई के लिए छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा है।

राजधानी के बकायादारों पर नगर निगम की सख्ती, मेंस सेलून को किया सील

रायपुर। रायपुर नगर निगम द्वारा राजस्व बकायादारों पर सीलबंद सहित अन्य नियमित कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज निगम ने मोवा में बकाया न पटाने वाले सेलून पर कार्रवाई की। जहां जांच के दौरान निगम की टीम ने पाया की सेलून का संचालन बिना गुमास्ता लाइसेंस के किया जा रहा है। जिसके बाद नियम का उल्लंघन और 2 लाख 40 हजार 434 रुपये बकाया अदा न करने की वजह से निगम ने सेलून को सील कर दिया। मोवा के बाद निगम की टीम द्वारा जोन क्रमांक 3 के अंतर्गत लाल बहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक 34 में स्थित एक 4 मंजिला हॉस्टल को सीलबंद करने की कार्रवाई की गई। जानकारी के मुताबिक इस हॉस्टल के स्वामी राजकुमार नज्यनी ने हॉस्टल का 5 लाख 5 हजार 644 रुपये बकाया टैक्स जमा नहीं किया था। गौरतलब है कि निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर सभी जोन कमिश्नर, राजस्व अधिकारी, जोन सहायक राजस्व अधिकारी लगातार बकायादारों के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। वहीं राजस्व बकायादारों से अपनी इच्छानुसार निगम की बकायाराशि भुगतान करने की अपील भी की जा रही है। ताकि उनके खिलाफ जबरदस्ती वैधानिक कार्रवाई के तहत राजस्व वसूली की स्थिति न बने।

राजिम कुंभ कल्प में वैष्णव नागाओं ने की निशान पूजा

रायपुर। राजिम कुंभ कल्प-2024 के 12वें दिन संत समागम स्थल में वैष्णव नागाओं ने अपनी पंथ परंपरा के अनुसार महंत नरेंद्र दास जी महाराज महासचिव श्री अखिल भारतीय मंच रामानंदी अखाड़ा के नेतृत्व में निशान पूजा कर अपनी परम्परा का निर्वहन किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत देश में कुल तेरह अखाड़े है जिसमें तीन अखाड़े वैष्णव संप्रदाय के है, ये तीनो अखाड़ो ने राजिम कुंभ में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इनमें श्रीपंच निर्मोही अखाड़ा, श्रीपंच दिगंबर अनी अखाड़ा, श्रीपंच निर्वाणी अनी अखाड़ा के महंत नागा शामिल है।

गौरतलब है कि कालांतर में जब देश में सनातन धर्म पर हमला हुआ, तब संतो की एक लड़ाकू फौज का गठन किया गया जिन्हें अस्त्र-शस्त्र की विद्या से रण कौशल की दीक्षा देकर इन्हें धर्म की रक्षा का दायित्व सौंपा गया। इन दलों के पास एक विशाल छड़ी में ध्वज होता था, जिसे निशान कहते है। यह निशान अखाड़ो की मान्यता के अनुसार यह हनुमान जी का प्रतिनिधित्व करते हैं और इस निशान को हनुमान जी का आशीर्वाद मानकर उनके दिशा-निर्देश अनुसार सनातन धर्म की रक्षा के लिए युद्ध करते थे। इन अखाड़ों की सदियों पुरानी यह परंपरा आज भी बादस्तुर जारी है और इस परंपरा का निर्वहन कुंभ में पूजा अर्चना कर तथा संतो द्वारा शौर्य प्रदर्शन कर किया जाता है।

खाद्य मंत्री ने मरीजों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

बेमेतरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

रायपुर। खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने बेमेतरा जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ का औचक निरीक्षण किया और स्वास्थ्य व्यवस्था की जानकारी ली। डॉक्टरों को समय पर अस्पताल में उपस्थित रहकर मरीजों का बेहतर ईलाज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रात में भी गंभीर मरीज आते है तो तत्काल उनका ईलाज करें। मरीजो को ईलाज में किसी भी प्रकार की समस्या नही आनी चाहिए। उनके लिए पर्याप्त मात्रा में दवाई की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

खाद्य मंत्री ने निरीक्षण के दौरान इलाज कराने आए मरीज़ों से बातचीत करके स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। इसके साथ ही मरीजों के लिए ज़रूरी सुविधाएं एवं संसाधनों की जानकारी ली। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की साफ़-सफ़ाई पर विशेष ध्यान रखने के लिए कहा। खाद्य मंत्री ने मरीजों के वार्ड, दवाई वितरण कक्ष, इंजेक्शन कक्ष आदि का निरीक्षण किया। मरीजों के लिए दी जाने वाली भोजन एवं नाश्ता आदि के गुणवत्ता की संबंध में जानकारी ली और मरीजों को पौष्टिक भोजन प्रदान करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री बघेल ने चिकित्सकों को गर्मी के मौसम को देखते हुए मरीजों के लिए पेयजल और कूलर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए है।'इस दौरान अध्यक्ष नगर पंचायत श्रीमती मंजू लता रात्रे, एस. डी. एम. श्री मुकेश गोड़, सीएमओ नगर पंचायत श्री टी.आर. चौहान साथ थे।

सीएसआर मद से सोलर पैनल लगाए जाने में गड़बड़ी

भाजपा विधायक ने कलेक्टर को लिखा पत्र

जशपुर। भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने रायगढ़ जिले के आदिवासी छात्रावासों में सीएसआर मद से लगाये जा रहे सोलर पैनल में अनियमितता की आशंका व्यक्त की है। उन्होंने रायगढ कलेक्टर को पत्र लिखकर शिकायतों की बिंदुवार जांच कराने कहा है।

कलेक्टर को लिखे पत्र में विधायक मिश्रा ने बताया कि जिले के 16 आदिवासी छात्रावासों में सीएसआर मद से सोलर पैनल लगाने का काम आईडीबीआई बैंक के माध्यम से कराया जा रहा है, लेकिन इस कार्य में लापरवाही तथा भ्रष्टाचार की शिकायतें भी मिल रही है।

विधायक के मुताबिक सोलर पैनल लगाने के लिए बैंक द्वारा निर्धारित शासकीय मापदंडों का पालन, एजेंसी तथा वेंडर की जानकारी एवं प्राक्कलन रिपोर्ट पर संदेह व्यक्त किया गया है, जिस पर बिंदुवार जांच कर स्वयं को अवगत कराने पत्र लिखा है।

दरअसल, जिले में निजी बैंक सरकार की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं से अपना पल्ला झाड़ते हुऐ केवल सरकार की भारी भरकम राशि को जमा कराने में ही रूचि दिखा रहे हैं। इसी की खातिर कुछ बैंकों के अधिकारी सीएसआर की आड़ में अपने मूल कर्तव्यों से दूर भाग रहे हैं।

कंपाउंडर को बनाया फार्मेसी काउंसिल का रजिस्ट्रार! प्रदेश के फार्मासिस्टों का फूटा गुस्सा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने अपने एक आदेश में अंबेडकर अस्पताल में पदस्थ कंपाउंडर को छत्तीसगढ़ राज्य फार्मेसी काउंसिल का रजिस्ट्रार नियुक्त किया है। देश में अपनी तरह के इस अनूठे आदेश पर इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने विभागीय सचिव को पत्र लिखकर आपत्ति जताई है।

इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने इसके साथ अपर मुख्य सचिव रेणु जी पिल्ले से मुलाकात कर किसी फार्मासिस्ट को रजिस्ट्रार बनाने व पूर्व में कम्पाउण्ड को फार्मासिस्ट पदनाम देने संबंधी आदेश को निरस्त करने की मांग की है। इसके साथ आईपीए ने स्वास्थ्य मंत्री से भी जल्द विषय का निराकरण करने चिट्ठी लिखी है।

आईपीए ने बताया कि कम्पाउण्ड को छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल का रजिस्ट्रार बनाए जाने से छत्तीसगढ़ के 28 हज़ार पंजीकृत फार्मासिस्ट आक्रोशित हैं। फार्मेसी कानून एजुकेशन रेगुलेशन एक्ट 1991 के अनुसार फार्मासिस्ट पंजीयन के लिए कम से कम डी फार्मा होना अनिवार्य है। यही नहीं इस पद के लिए बी फार्मा अहर्ताधारी को प्राथमिकता दी जाएगी।

ज्ञात हो कि पूर्व सरकार ने फ़ार्मेसी कौंसिल में रजिस्ट्रार चयन के लिए एक समिति का गठन किया था, समिति में तीन सदस्य हैं, और तीनों ही चिकित्सक हैं। आईपीए ने समिति में फार्मासिस्ट को शामिल करने की मांग की है, जिससे गलती की संभावना नहीं रहेगी।

स्व-सहायता समूह की दीदियों ने पहली बार की हवाई यात्रा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से करेंगी मुलाकात, डिप्टी सीएम शर्मा ने किया रवाना

रायपुर। प्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, बिरहोर, पहाड़ी कोरबा, कमार के स्व सहायता समूह के सदस्यों की 64 महिलाएं आज शाम हवाई जहाज से दिल्ली रवाना होंगी। सभी महिलाएं राष्ट्रपति भवन पहुंचकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगी। वहां इन्हें अपने समूह के बनाए गए उपहार भेंट करेंगी। वहीं राष्ट्रपति भवन में स्थित अमृत उद्यान का भ्रमण करेंगी।

ये महिलाएं प्रदेश के अलग-अलग जिले कबीरधाम, बलरामपुर, रायगढ़, धमतरी, कोरबा, गरियाबंद और जशपुर के स्वयं सहायता समूह के अंतर्गत हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत अपने समूह का संचालन कर अपनी आमदनी को बढ़ावा देकर स्वावलंबी बनने वाली इन महिलाओं को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की पहल पर हवाई जहाज से दिल्ली ले जाया जा रहा है। आज उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने निवास कार्यालय से महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं का स्वागत कर दिल्ली रवाना किया। उपमुख्यमंत्री ने उन्हें उपहार स्वरूप बैग, जैकेट और छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का डिब्बा भेंट किया।

उप मुख्यमंत्री से विजय शर्मा ने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजाति की 64 दीदियां राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने हवाई जहाज से जा रही है। ये महिलाएं राष्ट्रपति से मिलकर अपने समूहों के उत्पाद राष्ट्रपति को देंगी। दीदियां अमृत उद्यान, स्व सहायता समूह की महिलाओं के उत्पाद बिक्री के लिए बनाए गए बाजार और दिल्ली का भ्रमण करेंगी।

छत्तीसगढ़ शासन ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और उनको स्वावलंबी बनाने की दिशा में महिलाओं को अलग-अलग जगह पर मंच देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही उन्हें वर्तमान की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार भी किया जा रहा है।

क्लाइमेट चेंज कॉन्क्लेव में महिलाओं ने लगाया जड़ी-बूटी और अनोखे फूलों का स्टॉल

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्लाइमेट चेंज कॉन्क्लेव 2024 का आयोजन रायपुर में बुधवार को किया गया। इस दौरान एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें कुछ महिलाएं जशपुर से पहुंची थी। इन महिलाओं के स्टॉल में जड़ी-बूटी और अनोखे फूलों के पौधे थे, जिसे खाने से लोग स्वास्थ्य रहते हैं। इतना ही नहीं डिलीवरी के बाद जिन महिलाओं को दूध नहीं बनता, उन्हें अगर ये जड़ी-बूटी दी जाए तो उनकी समस्या भी दूर हो जाती है। कुछ ऐसी जड़ी बूटियां इन महिलाओं के स्टॉल में थी, जो जच्चा-बच्चा दोनों के लिए फायदेमंद होता है।

छत्तीसगढ़ क्लाइमेट चेंज कॉन्क्लेव 2024 की प्रदर्शनी में लगाए गए स्टॉल में सतावर का पौधा शामिल था। इसके अलावा एक पत्ती का बना मटका भी इन महिलाओं ने दिखाया, जिसमें कई सालों तक सामान रखने के बाद चीजें खराब नहीं होती है। ऐसा इन महिलाओं का दावा है। जशपुर से आई इन महिलाओं ने बताया कि, जंगल में कई तरह के फल-फूल होते हैं, जिसका इस्तेमाल रोजमर्रा की जिंदगी में किया जाता है। साथ ही उसके खाने से स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

इस दौरान कुछ महिलाओं ने फल-फूल की जानकारी दी। इन महिलाओं ने महुआ के इस्तेमाल के बारे में बताया। महुआ कुकीज, बिस्किट सहित कई चीजों को बनाने में यूज किया जाता है। ये काफी हेल्दी होता है। गुरहल का फूल भी कई लोग खाते हैं। ये भी काफी पौष्टिक होता है। भेलवा के ऊपर का भाग खाया जाता है। चोट लगने पर इसके बीज से लेप से आराम मिलता है। इसके साथ ही हिरमिचा भाजी ग्रामीण क्षेत्रों में खूब पाया जाता है। यह महिलाओं के लिए काफी लाभदायक होता है। इससे खून बढ़ता है। प्रदर्शनी के दौरान महिलाओं ने बताया कि, चरोटा भाजी खाई जाती है। यह काफी कम देखने को मिलता है। ये सारी चीजें विलुप्त न हो जाएं इसलिए हम इसकी प्रदर्शनी कर रहे हैं, इसे हम बेचने नहीं बल्कि इसकी जानकारी और उपयोगिता लोगों तक पहुंचाने आए हैं। इस दौरान इन महिलाओं ने कोदो, कुटकी की भी जानकारी दी।

पोटाकेबिन आगजनी घटना की हो उच्च स्तरीय जांचः विक्रम मंडावी

बीजापुर। आवापल्ली थाना क्षेत्र अंतर्गत चिंताकोंट आवासीय गर्ल्स पोटा केबिन में बीते रात आग लगने से एक बच्ची की मौत होने की घटना पर दुःख प्रकट करते हुए बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि इस पूरे घटना की उच्चस्तरीय जांच हो और दोषियों पर कार्यवाही हो। उन्होने कहा कि बीते दिनों चेरामंगी छात्रावास में अध्ययनरत छात्र का आत्महत्या करना उसके बाद चिंताकोंटा का आवासीय कन्या पोटाकेबिन स्कूल जहां 300 से अधिक छात्राएं रह कर अध्ययन कर रही थी, उस पोटाकेबिन में आग लगना और आग से एक मासूम बच्ची की मौत हो जाना बेहद ही दुखद और चिंतनीय घटना है, ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। विधायक मंडावी ने जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि मृतक बच्ची के परिजनों को प्रशासन मुआवजा दे और ऐसी घटनाओं से बचने के लिए जिला प्रशासन जिले के सभी छात्रावासों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम तत्काल करे। अन्यथा आने वाले समय में कांग्रेस ऐसी घटनाओं को लेकर उग्र आंदोलन करेगी।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग महासमुन्द

मैन्युअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक- 33

क्रमांक / 33 / एस.ए.सी./ग्रा.यां.से. /2023-24 — महासमुंद, दिनांक 01/03/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु मैन्युअल निविदा आमन्त्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख रूपये) में
1	2	3
1	शासकीय रेशम केन्द्र बेलसोण्डा में चैनलिंग फेसिंग कार्य वि.ख. व जिला महासमुन्द	15..00 लाख
2	शासकीय उ.मा.वि. बिछिया भवन जीर्णोद्वार कार्य वि.ख. बसना जिला महासमुन्द (युडाईस कोड 22122829303 विद्युतीकरण सहित)	13.36 लाख

(टीपः- उपरोक्त कार्यों के निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 15/03/2024)

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारियां विभागीय वेबसाईड https://res.cg.gov.in में दिनांक 01/03/2024 से डाउनलोड की जा सकती है।

जी-08294/5 — **कार्यपालन अभियंता**

1984 और 2024 के लोस चुनाव में समानताएं

हरीश गुप्ता

अप्रैल-मई 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव राजनीतिक पर्यवेक्षकों को 40 साल पहले हुए चुनाव की याद दिलाते हैं। 31 अक्तूबर को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके 1 सफदरजंग रोड स्थित आवास पर हत्या के तुरंत बाद दिसंबर 1984 में हुए संसदीय चुनावों पर बारीकी से नजर डालने पर इनमें कुछ समानताएं सामने आएंगी। तब उनके बेटे राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने और 514 लोकसभा सीटों में से 404 सीटें जीतीं। उग्रवाद के कारण पंजाब और असम में लोकसभा चुनाव नहीं हुए थे। संयोगवश, 1984 का चुनाव देश का ऐसा आखिरी चुनाव था जिसमें किसी एक पार्टी को 404 सीटें मिलीं। अगले 30 वर्षों तक कोई भी राजनीतिक दल बहुमत की सीटें भी हासिल नहीं कर सका। 1984 में भाजपा केवल दो सीटें जीत पाई थी और वह भी आंध्र प्रदेश और गुजरात में। एनटी रामाराव की क्षेत्रीय पार्टी टीडीपी 23 सीटों के साथ प्रमुख विपक्षी दल के रूप में उभरी थी। उसी भाजपा ने 2014 में 282 सीटें जीतीं और 2019 में 300 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया। 1984 के चुनावों में राजीव गांधी ने भले ही 404 लोकसभा सीटें जीती थीं, लेकिन वह काफी हद तक इंदिरा गांधी की हत्या के बाद उभरी जबरदस्त सहानुभूति लहर के कारण था। राजीव गांधी एक अपरीक्षित और युवा, सौम्य और सुंदर नेता थे और उन्होंने जनता में नई आशा जगाई। वह लोगों के साथ घुलमिल गए लेकिन 1989 में अपनी उपलब्धि दोहराने में असफल रहे। विभिन्न विचारधाराओं वाले विपक्षी दलों ने हाथ मिलाया और वे सत्ता में वापस नहीं आ सके। कांग्रेस ने बाद में सत्ता तो हासिल कर ली लेकिन कभी बहुमत हासिल नहीं कर पाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 40 साल बाद 2024 में 400 सीटों की उपलब्धि हासिल करने की उम्मीद कर रहे हैं और किसी सहानुभूति लहर पर सवार नहीं हैं। वह देशवासियों के बीच यह विश्वास पैदा करने में सक्षम हैं कि वह एक 'प्रधान सेवक' हैं और जो भी कहेंगे उसे पूरा करेंगे और अपने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए अपने शस्त्रागार के किसी भी हथियार का उपयोग करने में संकोच नहीं करते हैं। जब देने की बात आती है, तो वह अपनी कई कल्याणकारी योजनाओं के 80 करोड़ लाभार्थियों की सूची प्रस्तुत करते हैं। मोदी के अपार संचार कौशल और लोगों के साथ तालमेल स्थापित करने का अपने आप में एक अध्ययन होना चाहिए। राजीव गांधी भी दूरदर्शी थे और उन्होंने भारत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सात प्रौद्योगिकी मिशन स्थापित किए। वे कम्प्यूटर लेकर आए लेकिन राजनीतिक प्रबंधन में असफल रहे और इसकी कीमत चुकानी पड़ी। 1984 और 2024 के बीच समानताएं यहीं खत्म नहीं होतीं। यदि राजीव गांधी की वॉर टीम ने 1984 के लोकसभा चुनावों में विपक्षी दलों के लगभग सभी प्रमुख नेताओं की हार सुनिश्चित करने के लिए उन्हें निशाना बनाया, तो मोदी सरकार भी इससे अलग नहीं है। कांग्रेस अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही जब अटल बिहारी वाजपेयी, चंद्रशेखर, एसएन मिश्रा, राजनारायण जैसे कई बड़े विपक्षी नेता हार गए। राजीव गांधी ने बड़े विपक्षी नेताओं की हार सुनिश्चित करने के लिए उनके खिलाफ अमिताभ बच्चन जैसे फिल्मी सितारों और माधवराव सिंधिया जैसे युवा चेहरों को खड़ा किया। भाजपा भी अलग नहीं है क्योंकि उद्देश्य हासिल करने के लिए हर लोकसभा सीट की बारीकी से जांच की जा रही है। विपक्षी दल अपनी इज्जत बचाने के लिए सावधानी बरत रहे हैं। 2019 में अमेठी में राहुल गांधी की अपमानजनक हार के बाद सोनिया गांधी ने 2024 में राज्यसभा सीट का विकल्प चुना और रायबरेली में चुनाव लड़ने से परहेज किया है. यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली या अमेठी में अपनी किस्मत आजमाएंगी या हाईकमान पर इस दुविधा को छोड़ देंगी कि वह इन दोनों निर्वाचन क्षेत्रों से किसे खड़ा करे। इसी तरह शत्रुघ्न सिन्हा की पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट भी निशाने पर है, उनके बेटे की शादी में शामिल होने के लिए मोदी विशेष रूप से मुंबई पहुंचे थे। फिर भी उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने के लिए भाजपा छोड़ने का विकल्प चुना और बाद में तृणमूल कांग्रेस में चले गए।

'मोदी का परिवार' अभियान भारी है

ललित गर्ग

बिहार की राजधानी पटना में आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव के बयान कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास परिवार ही नहीं है। वो हिंदू नहीं हैं। हिंदू अपनी मां के श्राद्ध में दाढ़ी-बाल बनवाता है। मोदी की माताजी का जब देहांत हुआ तो उन्होंने बाल-दाढ़ी क्यों नहीं बनवाया? इस तरह के बेतुके, आधारहीन एवं अमर्यादित बयान के विरोध में पूरी भारतीय जनता पार्टी उतर आई है। अब भाजपा और विपक्षी दलों के बीच परिवारवाद के मुद्दे पर वार-पलटवार जारी है। मोदी के परिवार एवं विपक्षी दलों के परिवारवाद को लेकर बड़ी बहस चल रही है लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा को विपक्ष के एक आरोप 'चौकीदार चोर है' का भारी लाभ मिला था, तब भाजपा ने 'मैं भी चौकीदार' अभियान चलाया था। उसी तरह वर्ष 2024 के आम चुनाव से पूर्व 'मोदी का परिवार' अभियान शुरू कर दिया है, जिसका भाजपा को भरपूर लाभ मिल सकता है, विपक्षी दलों की इस भूल के कारण भाजपा न केवल 370 सीटों के लक्ष्य को हासिल करेगी, बल्कि उनका गठबंधन 400 से पार जायेगा। निश्चित ही चुनाव का समय बहुत संवेदनशील होता है, जिसमें विवादित एवं व्यक्तिगत बयानों से बचना जरूरी होता है। विशेषत: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और उनकी चुनावी रणनीति से भड़के कांग्रेस के नेता राहुल गांधी, आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव एवं विपक्षी दलों के नेता अपनी जुबान संभाल नहीं पा रहे। जैसे-जैसे मोदी एवं भाजपा का चुनावी अभियान तीक्ष्ण, उग्र एवं नियोजित होता जा रहा है, वैसे-वैसे उनके प्रति विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने परिवार ना होने को लेकर विपक्ष के हमले पर पलटवार करते हुए पूरे भारत को अपना परिवार करार दिया और अपने जीवन को एक खुली किताब बताते हुए कहा कि लोगों की सेवा करने के सपने के साथ उन्होंने कम उम्र में ही घर छोड़ दिया था। लगता है मोदी के परिवारवादी राजनीति के बयानों का विपक्ष के पास कोई प्रभावी जवाब नहीं है, तभी ऐसे बचकाने बयानों से दूषित राजनीति करने से विपक्षी दल स्वयं को बचा नहीं पा रहे हैं, दूसरी ओर मोदी ने ऐसे राजनेताओं एवं राजनीतिक दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्षी नेताओं एवं दलों के अलग-अलग चेहरे हो सकते हैं, लेकिन झूठ और लूट का उनका चरित्र समान है। प्रधानमंत्री मोदी ने लालू के आरोप पर पलटवार करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण में आकंठ डूबे इंडी गठबंधन के नेता बौखलाते जा रहे हैं। मोदी निश्चित रूप से एक बड़े 140 करोड़ लोगों के परिवार से जुड़े हुए हैं। देश की जनता के सामने मोदी का जीवन खुली किताब जैसा है। देशवासी मोदी को भली-भांति जानते हैं, समझते हैं। उनकी पल-पल की खबर रखते हैं। देर रात तक अगर मोदी काम करते है तो देश से लाखों लोग उन्हें इतना काम नहीं करने एवं कुछ आराम करने की सलाह देते हैं, यह प्यार है मोदी परिवार का उनके प्रति। निश्चित ही मोदी ने एक सपना लेकर बचपन में घर छोड़ा था। वे देशवासियों के लिये जीने का एक सपना लेकर चले थे। मोदी का कोई निजी सपना नहीं है, देश एवं देशवासियों के सपने ही उनके संकल्प हैं। इसलिए देश के 140 करोड़ लोग ही उनका परिवार हैं, जिसमें युवा, बेटियां, बुजुर्ग सभी हैं। जिनका कोई नहीं है, उनके मोदी हैं। मेरा भारत मेरा परिवार, इसी भावना का विस्तार लेकर वे सपनों को सच के साथ सिद्ध करने के लिए जी रहे हैं। पूरा देश मोदी का परिवार है।

भाजपा के बड़े नेताओं ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने नाम के आगे 'मोदी का परिवार' लिखने का एक महा-अभियान शुरु कर दिया है, जो विपक्षी दलों के लिये भारी पड़ने वाला है। चुनाव के माहौल में विपक्षियों के बयान को भाजपा ऐसा मुद्दा बना लेती है, जिससे खुद विपक्षी नेता घिरते नजर आते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में रफाल की डील को लेकर जब राहुल गांधी ने 'चौकीदार चोर है' कहा तो भाजपा ने 'मैं भी चौकीदार' की ऐसी मुहिम चलाई कि वह विपक्ष पर ही भारी पड़ी। लालू के बयान के बाद अब 'मोदी का परिवार' मुहिम को भाजपा उसी तरह फोकस कर रही है। भाजपा नेताओं के मुताबिक, यह पूरी मुहिम चुनाव प्रचार के दौरान भी दिखाई देगी। यह अभियान चुनाव तक जारी रहेगा। भाजपा कांग्रेस सहित विपक्षी गठबंधन पर परिवारवाद को लेकर निशाना साधती रही है। हाल ही में हुए भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में भी गृहमंत्री अमित शाह ने परिवारवाद को लेकर विपक्ष पर खूब तंज कसा था। लोकसभा के आखिरी सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने परिवारवाद क्या है, इसकी पूरी परिभाषा ही दे डाली थी। अब जब लालू यादव का मोदी को लेकर बयान आया तो भाजपा परिवारवाद पर और उग्र हुई है।

नरेन्द्र मोदी के दर्शन, उनकी व्यापक सोच, उनके विकासमूलक कार्यक्रमों, उनके व्यक्तित्व, उनकी बढ़ती ख्याति व उनकी कार्य-पद्धतियां पर विपक्षी दल एवं उनके नेताओं द्वारा कीचड़ उछालने की हदें पार हो रही हैं, उनके खिलाफ अमर्यादित भाषा का उपयोग हो रहा हैं, चुनावी सभाओं एवं चर्चाओं में भाषा की मर्यादा बिखर रही है, लेकिन मोदी अपने उद्बोधन में भाषा की मर्यादा को कायम रखते हुए कड़वे सच एवं यथार्थ को भी शालीनता एवं सहजता से परोस रहे हैं। विपक्ष के बेतुके बयानों एवं आरोपों से चुनावी परिदृश्य पल-पल बदलते हुए भाजपा की जीत को सहज बना रहे हैं। देखा जाये तो प्रधानमंत्री ने समूचे देश को अपना परिवार कहकर विपक्ष के बुने जाल में फंसने की बजाय उसके इरादों पर पानी फेर दिया कि ऐसे अशालीन एवं बचकाने बयानों से उन्हें हराया नहीं जा सकता। उनके इस कथन का कोई मतलब है तो यही कि विपक्ष जो कुछ कहने और सिद्ध करने की कोशिश कर रहा है, उसमें कोई दम नहीं। क्या अब भी विपक्ष मोदी को निशाना बनाने से परहेज करेगा, राहुल गांधी, लालू एवं विपक्ष अपनी ऐसी ही बेवकूफी से अपनी ही जड़ें खोद रहा है। क्योंकि मोदी को निशाना बनाने की राजनीति विपक्ष के लिये हमेशा नुकसानदायी रही है, मोदी अधिक चमके हैं, अधिक सशक्त बने हैं। इसका जवाब भी मोदी ने ही दिया कि भारतीय समाज नकारात्मकता को सहन कर लेता है, स्वीकार नहीं करता है।' आज जैसे बुद्धिमानी एक %%वैल्यू%% है, वैसे ही बेवकूफी भी एक %%वैल्यू%% है और मूल्यहीनता के दौर में यह मूल्य काफी प्रचलित है। लेकिन आज के माहौल में इस %%वैल्यू%% को फायदेमंद मानना राजनीति की एक अपरिपक्वता एवं नासमझी ही कही जायेगी। कांग्रेसी नेताओं एवं अन्य दलों के नेताओं की फिसली जुबान से भाजपा को संजीवनी ही मिल रही है।

मोदी का जहां तक संबंध है, विपक्ष के आरोपों को उन्होंने हमेशा बहुत गंभीरता से लिया है, उनके आहत मन को उनकी चुटकियों और उक्तियों में समझा जा सकता है। अपशब्दों और आरोपों से वह आहत हैं और उन्होंने यह भी छिपाया नहीं। उन्होंने अपनी ओर से भी शालीनता से सुनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। विपक्ष परिवार एवं परिवारवादी राजनीति के शोर के साथ विरोध में जुट रहा है, मोदी देश की असंख्य जनता के दिलों में जगह बनाने में कामयाब हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा कि 'ये लोग तो अपने और अपने लोगों के लिए जी रहे हैं, लेकिन मोदी देश के 25 करोड़ परिवारों का सदस्य है। मेरे लिए 25 करोड़ परिवार ही सुरक्षा कवच हैं, जिसे आप इन शस्त्रों से कभी भेद नहीं सकते।' यह एक तरह से विपक्ष की ओर इशारा भी है कि हमले की उसकी तैयारी मुकम्मल नहीं है, निस्तेज एवं आधारहीन आरोपों की विपक्षी संस्कृति उसके लिये ही नुकसान का कारण बनती रही है। प्रधानमंत्री के जवाब ने बता दिया कि मजबूत सत्ता पक्ष के सामने बिखरे हुए विपक्ष की मंजिल अभी दूर है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-25)

गतांक से आगे...

चन्द्रमा के मण्डल की भाँति जिसका मन सदा स्वच्छ रहता है एवं मरण-काल, मांगलिक उत्सव तथा युद्ध में जिसका मन व्यग्र नहीं होता, वही मनुष्य शान्त कहलाता है। वह (शम प्रधान) पुरुष तपस्वी जनों में, बहुश्रुतों में, याज्ञिकों में, राजाओं में, वन में वास करने वालों में एवं गुणज्ञों में भी शोभायमान होता है।

जो सन्तोषरूपी अमृत को पीकर शान्त एवं सन्तुष्ट हो जाते हैं, वे ही ज्ञानीजन आत्मा में रमण करते हुए महापद (परमात्मपद) को प्राप्त करते हैं। जो प्राप्त न होने वाली वस्तु के प्रति चिन्तित नहीं होता और प्राप्त होने वाली वस्तु के प्रति समान (हर्ष रहित) रहता है, जिसने सुख एवं दु:ख का अवलोकन नहीं किया, वास्तव में वही सन्तुष्ट कहा जाता है। जो अप्राप्त वस्तु की कभी आकांक्षा नहीं करता तथा उपलब्ध वस्तु का आवश्यकतानुसार ही उपभोग करता है, वही सौम्य एवं समभाव से श्रेष्ठ आचरण करने वाला व्यक्ति सन्तुष्ट कहा जाता है। अन्त: पुर के प्राङ्गण में जिस तरह साध्वी पत्नी प्रसन्न रहती है, वैसे ही सहज क्रम में प्राप्त वस्तु में जब बुद्धि रमण करने लगती है, तभी वह स्वरूपानंद प्रदायी जीवन्मुक्त स्थिति कहलाती है।

समय एवं देश के अनुसार शास्त्रानुकूल आनन्दपूर्वक यथाशक्ति सत्संग में ही विचरण करते हुए इस मोक्षपथ के क्रम का तब तक ज्ञानीजन चिन्तन करते रहें, जब तक कि उन्हें आत्मिक विश्रान्ति न मिल जाये। सद्गृहस्थ हो अथवा संन्यासी, जो भी व्यक्ति तुरीयावस्था की विश्रान्ति से सम्पन्न है एवं इस संसार सागर से निवृत्त हो गया है, वह चाहे सांसारिक जीवन में व्यस्त रहे अथवा न रहे, उसे कोई भी कार्य करने या न करने से कोई मतलब नहीं है। उसे श्रुति-स्मृति के भ्रमजाल में पड़ने की कोई आवश्यकता नहीं रहती। वह तो मन्दराचल से विहीन (शान्त) सागर की भाँति आत्म-स्थित रहते हुए सभी कुछ प्राप्त कर लेता है।

क्रमश: ...

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

चन्द्र शेखर गंगराड़े

प्रत्येक वर्ष पूरी दुनिया में 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर विश्व की समस्त नारी शक्ति को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएँ। आधिकारिक रूप से इसकी शुरूआत वर्ष 1921 में हुई लेकिन इसकी अनौपचारिक शुरूआत वर्ष 1909 में ही 28 फरवरी को न्यूयॉर्क में हो गई थी। वर्ष 1910 में इंटरनेशनल सोशलिस्ट कांग्रेस द्वारा महिला दिवस को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का निर्णय किया गया। 19 मार्च, 1911 को पहला अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित किया गया बाद में 1921 में 19 मार्च के स्थान पर 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया जाने लगा। इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र की आम सभा द्वारा भी वर्ष 1975 से 8 मार्च को

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की गई।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के आयोजन एवं इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य, महिलाओं के अधिकारों का संरक्षण,समाज में उनको समानता का अवसर देना तथा उनके प्रति सम्मान प्रकट करना है। एक पुरूष होने के नाते भी मुझे यहां यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि न केवल विश्व में, अपितु भारत में भी महिलाओं की जनसंख्या लगभग आधी है लेकिन पूर्व में उन्हें पुरूषों के समक्ष, अधिकारों,समानता एवं सम्मान से वंचित रखा गया और यही कारण है कि महिलाओं को अपना अधिकार पाने के लिए आंदोलन करना पड़ा, तब जाकर उन्हें अनेक क्षेत्रों में उनके अधिकार प्राप्त हुए और समानता का अवसर भी मिला। हालांकि अभी-भी इस क्षेत्र में काफी कुछ किया जाना है।

भारतीय प्राचीन संस्कृति में महिलाओं के महत्व का काफी उल्लेख मिलता है और हमारे वेदों में यहां तक उल्लेख किया गया है कि- यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: अर्थात् जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवताओं का वास होता है। सनातन धर्म में भी बुद्धि, लक्ष्मी और शक्ति की प्रतीक देवियां ही हैं। जिनकी हम आराधना कर उनसे बल, बुद्धि एवं ऐश्वर्य प्राप्ति की प्रार्थना करते हैं। समाज ने जैसे-जैसे महिलाओं की भागीदारी एवं उनकी महत्ता का अनुभव किया, राज्य सरकारों एवं केंद्र सरकार ने भी महिलाओं पर केंद्रित विभिन्न योजनाओं को लागू करना प्रारंभ किया जिससे महिलायें आर्थिक रूप से सुरक्षित रहें और जब महिलायें आर्थिक रूप से सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर रहेंगी, तब उनका समाज में आदर एवं सम्मान भी रहेगा। महिलाओं की शक्ति को समझते हुए देर से ही सही भारत सरकार ने भी संसद एवं विधान सभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने का विधेयक पास कर दिया है, जिसके वर्ष 2029 में प्रभावशील होने की संभावना है। समाज के सर्वांगीण विकास में महिलाओं के योगदान को देखते हुए ही वर्ष 2024 में मनाये जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम-

इन्वेस्ट इन वुमन: एक्सीलेरेट प्रोग्रेस

अर्थात् महिलाओं में निवेश करें: प्रगति में तेजी लायें। इस ध्येय वाक्य से ही महिलाओं की महत्ता स्थापित हो जाती है जिसका आशय है की यदि किसी राष्ट्र को तरक्की करना है तो महिलाओं की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

पाकिस्तान के नक्शे कदम पर नेपाल

महेंद्र वेद

नेपाल की ताजा घटनाएं कुछ महत्वपूर्ण संकेत देती हैं, जिनमें कुछ नई हैं, तो कुछ पुरानी। पहली बात तो यह है कि यह कुछ पाकिस्तान के घटनाक्रम जैसा है, जहां पिछले महीने चुनावी नतीजे के बाद त्रिशंकु सदन की स्थिति पैदा होने पर दूसरे और तीसरे नंबर की पार्टियों ने मिलकर नई सरकार बनाई और सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाले इमरान खान की पार्टी समर्थित उम्मीदवारों को विपक्ष में बैठने के लिए मजबूर कर दिया। ठीक उसी तरह नेपाली कांग्रेस, जिसने पिछले वर्ष चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीती थीं, को सत्ता से बाहर कर दिया गया।

दूसरी बात, संख्याबल के खेल ने खुद को दोहराया है, जिसमें सिद्धांतों के लिए कोई जगह नहीं है। नेपाल के लोग राजशाही से लेकर म्यूजिकल चेयर का खेल खेलने वाले राजनेताओं के बीच फंसकर रह गए हैं। नेपाली कांग्रेस के प्रमुख देउबा पांच बार और ओली दो बार प्रधानमंत्री बने हैं, जबकि प्रचंड का यह तीसरा कार्यकाल चल रहा है।

तीसरी बात, जैसा कि एक समय दुनिया भर के समाजवादियों के लिए कहा गया था, वह नेपाली कम्युनिस्टों पर भी सटीक बैठता है कि वे कुछ समय के बाद साथ नहीं रह सकते और ज्यादा दिनों तक अलग भी नहीं रह सकते। विरोधी खेमे के प्रतिद्वंद्वी माओवादी, कम्युनिस्ट एवं समाजवादी अब नए सहयोगी बन गए हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या नेपाली कांग्रेस सिर्फ नेपाल ही नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभुत्व और सीपीएन-यूएमएल के प्रमुख केपी शर्मा ओली के कदमों से बेखबर थी? इसके अलावा, नेपाली कांग्रेस कुछ मंत्री पदों को लेकर प्रचंड के साथ अपने बढ़ते मतभेदों को दूर करने में क्यों असमर्थ रही?

चौथी बात, जो महत्वपूर्ण है, वह यह कि जिस तरह पाकिस्तान में पर्दे के पीछे सरकार गठन में सेना प्रेरक की भूमिका में थी, क्या नेपाल को वह प्रेरणा चीन से मिली थी? सत्ता से बेदखल हुई नेपाली कांग्रेस ने तो नेपाल के वामपंथियों के बीच सुलह

कराने के पीछे चीन के हाथ होने का संकेत दिया ही है। नेपाल में चीन के बेल्ट ऐंड रोड पहल की गति को भी एक कारक के रूप में देखा जाता है। नेपाल में इस तरह के कई बदलाव हुए हैं और नेपाल का नवीनतम सियासी घटनाक्रम इन सभी कारकों का संयोजन प्रतीत होता है। पुष्प कमल दहल प्रचंड ने, जो दिसंबर, 2022 में ओली के सीपीएन-यूएमएल के समर्थन से प्रधानमंत्री बने थे, कुछ ही महीनों के बाद ओली के साथ गठबंधन तोड़कर नेपाली कांग्रेस से हाथ मिला लिया था। इस बार, कुछ परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन के मुद्दे पर माओवादी सेंटर और नेपाली कांग्रेस के नेता और वित्त मंत्री महत और प्रचंड के बीच मतभेद बढ़ गए।

इसके अलावा, नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष देउबा चाहते थे कि उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता और नवनिर्वाचित विधायक कृष्णा सितौला को नेशनल एसेंबली का अध्यक्ष बनाया जाए, जबकि प्रचंड अपनी पार्टी के सदस्य को इस पर रखना चाहते थे। लगता है कि ओली ने इसी मतभेद का फायदा उठाया। अपने नए स्वरूप में यह सरकार भी ज्यादा दिन नहीं चलने वाली है। मौजूदा संसद का कार्यकाल अब मात्र तीन वर्ष बचा है। पिछले चुनाव में त्रिशंकु सदन की स्थिति में सांसदों की खरीद-फरोख्त हुई और लगातार राजनीतिक अस्थिरता बनी रही। जहां तक चीन का सवाल है, उसने उसी दिन तुरंत अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, बीजिंग नई सरकार के साथ काम करने को इच्छुक है...हमें उम्मीद है कि नेपाल में सभी दल एकजुट होंगे और नई सरकार के गठन, राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक विकास और लोगों की आजीविका में सुधार से संबंधित कार्यों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए सहयोग करेंगे।

नेपाल के दूसरे बड़े पड़ोसी भारत ने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। नेपाल का घटनाक्रम तब सामने आया है, जब भारत हिंद महासागर में मालदीव के सख्त रवैये से जूझ रहा है। नेपाल में हुआ बदलाव बिल्कुल आश्चर्यजनक या अचानक नहीं है। नेपाली कांग्रेस और प्रचंड की पार्टी माओवादी सेंटर के बीच लंबे समय से मंत्रिमंडल में फेरबदल और नेशनल एसेंबली के अध्यक्ष पद को लेकर मतभेद गहरा रहे थे। प्रधानमंत्री प्रचंड ने नेपाली कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं के प्रति नाराजगी जताते हुए कहा था कि नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष देउबा अच्छा प्रदर्शन न करने वाले मंत्रियों को बदलने की उनकी योजना में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

जहां तक नेपाल के साथ भारत के संबंधों की बात है, दोनों देशों द्वारा दीर्घकालिक बिजली साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर करने के एक महीने बाद भी दोनों पक्ष ऐतिहासिक पंचेश्वर बहुद्देशीय परियोजना (पीएमपी) पर रुकी हुई बातचीत को आगे बढ़ाने में विफल रहे हैं। पिछले महीने भारतीय विदेश सचिव विनय मोह क्वात्रा अपने नेपाली समकक्ष सेवा लम्सल से काठमांडू में मुलाकात के बाद एक प्रेस नोट जारी करते हुए बताया था कि दोनों पक्षों ने बहुआयामी सहयोग पर चर्चा की। हालांकि उसमें पीएमपी का कोई संदर्भ नहीं था, जो दोनों पक्षों के बीच अब तक की सबसे बड़ी द्विपक्षीय बिजली परियोजना है।

आगे की द्विपक्षीय वार्ता से भी कोई मदद नहीं मिली। नेपाल के विदेश मंत्री एनपी सऊद ने रायसीना डायलॉग में हिस्सा लिया और वह अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन में भी पहुंचे थे। इस तरह की भागदारी के साथ सदियों पुरानी सांस्कृतिक निकटता भी कूटनीति में मददगार साबित नहीं हुई। भारत भी नेपाल से और अधिक बिजली खरीदने के लिए तैयार नहीं है। रिपोर्टों से पता चलता है कि दोनों पक्ष लाभ के बंटवारे पर सहमत नहीं हो पा रहे हैं, इसलिए परियोजना रुकी हुई है।

हालांकि बिजली समान रूप से बांटी जाती है, लेकिन भारत को सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण में बड़ा लाभ मिलता है। दूसरी तरफ नेपाल पानी को %सफेद सोना% समझता है और चाहता है कि इसके लिए भारत उसे भुगतान करे। भारत इस दावे को स्वीकार नहीं कर सकता, क्योंकि यह अन्य जल संधियों की भारतीय अवधारणा को चुनौती देता है। नेपाल पर नजर रखने वाले पर्यवेक्षकों का कहना है कि भारत को नेपालियों को संतोषजनक मुआवजा देने का कोई रास्ता खोजना चाहिए। दो बड़े पड़ोसियों से सुरक्षित दूरी बनाकर रखने के लिए प्रतिबद्ध नेपाल के पास घरेलू सियासी उथल-पुथल को नियंत्रित रखने के अलावा कोई चारा नहीं है।

आज का इतिहास

1942 जापान में रंगून सेना ने प्रवेश किया।

1963 Ba'ath पार्टी सीरिया में एक तख्तापलट में अर्ध-वामपंथी सीरियाई सेना के अधिकारियों द्वारा खुद को क्रांतिकारी कमान के राष्ट्रीय परिषद के सदस्य बताकर सत्ता में आई थी।

1972 अमेरिका के लास वेगास हवाई अड्डे पर एक हवाईजहाज में बम धमाका हुआ।

1974 चार्ल्स डी गॉल हवाई अड्डा फ्रांस के पेरिस में खुला है।

1975 संयुक्त राज्य अमेरिका ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की घोषणा की।

1977 ऑस्ट्रेलियाई संसद को एलिजाबेथ द्वितीय, ऑस्ट्रेलिया की रानी द्वारा खोला गया।

1979 फिलिप्स ने पहली बार कॉम्पैक्ट डिस्क को सार्वजनिक किया गया।

1983 शीत युद्ध के दौरान, ऑरलैंडो, फ्लोरिडा में नेशनल एसोसिएशन ऑफ इवेंजेलिकल के एक भाषण के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने सोवियत संघ को एक दुष्ट साम्राज्य के रूप में वर्णित किया।

1985 बैरुत में हुए एक कार बम धमाके में 80 लोगों की मौत हुई और 175 से ज्यादा लोग घायल हुए।

1991 संयुक्त राज्य अमेरिका ने नेवादा टेस्ट साइट पर परमाणु परीक्षण किया है

1993 नाइजीरिया के फेला कुटी नामक एक प्रसिद्ध प्रसिद्ध गायक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया क्योंकि उन्हें हत्या का संदेह था।

1994 B737 और Ilyushin-86 नाम की दो उड़ानें एक-दूसरे के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गईं जिससे 8 लोगों की मौत हो गई और नई दिल्ली में बड़ी संख्या में घायल हुए।

1995 ग्रीस के नए राष्ट्रपति कोस्टिस स्टेफानोपोलोस हैं।

2003 माल्टा ने एक जनमत संग्रह में यूरोपीय संघ में शामिल होने के लिए मंजूरी दी।

2010 फ्रांसीसी नौसेना ने सोमालिया के तट पर 35 संदिग्ध समुद्री डाकू पकड़े। यह यूरोपीय संघ का सबसे सफल मिशन था।

2011 कैलिफ़ोर्निया के अधिकारियों ने संयुक्त राज्य अमेरिका के रेडोंड बीच के किंग हार्बर मारिनो में बड़ी संख्या में मछली मारने की जांच की।

2013 वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज का निधन। उपराष्ट्रपति निकोलस मादुरो अंतरिम राष्ट्रपति बने।

2014 यू.एस.ए के पेरोल में जनवरी में 1,29,000 नौकरियों को जोड़ा गया है और मुश्किल सर्दियों के मौसम में फरवरी में 1,75,000 नौकरियां जोड़ी गई हैं।

महाशिवरात्रि : शिव-उमा निवास : कैलाश पर्वत

विजय मिश्रा 'अमित'

महाशिवरात्रि के महापर्व में दुनिया के सबसे बड़े शिवधाम कैलाश पर्वत- कैलाश मानसरोवर की यात्रा का स्मरण रोमांचित करता है।हिमालय के उत्तर दिशा में तिब्बत चीन देश के अधीन यह स्थित है। विदेश मंत्रालय से अनुमति उपरांत ही यात्रा की जाती है।

कैलाश पर्वत समुद्र सतह से 22028 फीट ऊँचा है, जिसके शीर्षचोटी की आकृति विराट शिवलिंग की तरह है। इसके चारों दिशाओं से एशिया की चार बड़ी नदियॉ ब्रम्हपुत्र, सिन्धु, सतलज और करनाली का उद्गम हुआ है।

ऐसे धार्मिक स्थल को देखने हेतु हमारी यात्रा दुर्ग-नवतनवा एक्सप्रेस से शुरू हुई। नवतनवा (यूपी-नेपाल बार्डर) तक ट्रेन से एवं वहॉ से काठमांडू (नेपाल) तक की यात्रा हमने बस में पूरी की। काठमांडू (धूलिखेल) में भगवान पशुपतिनाथ, मनोकामना देवी, बूढ़ा नीलकंठ दर्शन का लाभ मिला।रात्रि विश्राम कर काठमांडू से चीन सीमा यात्रा बस से हमने पूरी की। रास्ते भर नदियां, पहाड़,खाई,जंगल के जोखिम को पार करके नेपाल से चीन की धरा में जा पहुंचे। चीन बार्डर पर हमारे सामान,पासपोर्ट की जॉच की गई। आगे की यात्रा ''लेण्डक्रुर्जर'' से आरंभ हुई।

हमारा पहला पड़ाव ''नायलम'' (12792 फीट ऊँचाई) रहा। बर्फीली हवाओं से जूझते हमें वहां दो दिन रूकवाया गया, ताकि नये वातावरण के अनुकूल हम शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार हो सकें। साथ ही ऊँचे पहाड़ पर चढ़ने (ट्रेकिंग) की ट्रेनिंग दी गई, जिससे श्वांस लेने एवं छोड़ने में हमें आ रही कठिनाईयों का ज्ञान हो सके। अगली सुबह हम अपने दूसरे पड़ाव ''न्यू डोंगबा'' के लिये रवाना हुये, जो कि ''नायलम'' से 450 किलोमीटर दूर था। समुद्र तल से 14890 फीट ऊँचाई पर स्थित ''न्यू डोंगबा'' का वातवरण सर्द हवाओं की मार और प्राणवायु आक्सीजन की हल्की कमी का एहसास कराने लगा था।रात्रि को खाने में खिचड़ी के साथ यह भी सलाह दी गई कि खाना कम और पानी का सेवन अधिक करें ताकि पानी में घुली आक्सीजन शरीर को प्राप्त हो सके।

तीसरे दिन अगले पड़ाव के रास्ते में ब्रम्हपुत्र नदी मिली। उस निर्जन मरूभूमि (हरियाली विहिन) की यात्रा को पूरी करके हम कैलाश मानसरोवर झील के करीब जा पहुंचे। यह झील समुद्र सतह से 17000 फीट ऊँचाई पर स्थित है। ऐसी झील दुनिया में और कहीं नहीं है। हिन्दू वेदग्रन्थों के मुताबिक मानसरोवर झील की उत्पत्ति भगवान ब्रम्हा के मन से हुई।

मानसरोवर झील के तट से कैलाश पर्वत के भी दर्शन होने लगे। यह सब देखकर मनमयूर नांच उठा। पूरी थकान और सिर का भारीपन कपूर की भॉति हवा में विलीन हो गया। ठण्ड को भूलकर हम बम बम भोले कहते कैलाश मानसरोवर में डूबकी लगाने उतर गये। झील के बर्फीले पानी में ज्यादा देर तक रहना असहनीय

था, अत: जल्दी से डुबकी लगाकर अपने मोटे गर्म कपड़ों को हमने शरीर पर लाद लिया।

मानसरोवर से हमने आगे की यात्रा शुरू की। रास्ते मे हमें एक ताल 'राक्षस ताल'मिला।ऐसी मान्यता है कि रावण यहॉ पर शिव जी की तपस्या करता था। इस ताल का पानी खारा है और इसमें कोई स्नान नहीं करता। यहॉ से आगे जाने के बाद हमें 'च्यूगोम्पा' नामक जगह में रात्रि रूकवाया गया।

''च्यूगोम्पा'' की ठिठुरा देने वाली ठण्ड के माहौल में गर्म जल धारा का स्त्रोत मिला।उसमें नहाने का आनंद मिला।यहां के बाद अगला पड़ाव 'डारचेन' पहुंचें। यहॉ से कैलाश पर्वत के 42 किलोमीटर क्षेत्र की परिक्रमा तीन दिनों में पूरी करनी थी। हमारे अनेक बुजुर्ग और आंशिक बीमार साथी परिक्रमा करने में असमर्थ थे।वे डारचेन में ही कच्चे मकानों में ठहर गये।

परिक्रमा का आरंभ 'यम द्वार' नामक स्थान से हुआ।यहां पर नये पुराने कपड़े छोड़ने का रिवाज का पालन कर हमने कुशलतापूर्वक कैलाश पर्वत की परिक्रमा पूरी करने की प्रार्थना की। इसके बाद उबड़ खाबड़ बियाबान पहाड़ों पर बनी पगडंडियों से हम आगे बढ़े। हाथ में छड़ी और छोटे से बैग में रखे पानी की बोतल,दवाई और कुछ ड्राई फ्रूट्स ही हमारे पास थे जो हमारा हौसला बढ़ा रहे थे। यहॉ पहाड़ों पर नाम मात्र को छोटे छोटे घास ही थे, दूर दूर तक पशु-पक्षी पेड़-पौधे ही यदा-कदा ही दिखथे।

स्थानीय जानवर 'याक' चरते दिखाई देते थे। याक के ही बूते ही सामानों की ढुलाई की जाती है। यह सब देखते-देखते परिक्रमा के पहिले दिन के दस किलोमीटर का सफर तय कर हम अपने पड़ाव 'डेरा पुक' नामक जगह में पहुंचे। यह स्थल कैलाश पर्वत के निकट था। वहॉ पर कच्चे मकानों में हमें रात्रि में ठहराया गया। चांदनी रात थी। चंद्रमा के प्रकाश से कैलाशपति पर जमे श्वेत धवल बर्फ अलौकिक किरणे बिखेर रहे थे।

हमारे खाने पीने की व्यवस्था टूर आपरेटर के कर्मचारी 'सेरपा'(नेपाली युवा) कर रहे थे। अगले दिन सुबह पांच बजे हमारे परिक्रमा के दूसरे चरण की शुरूआत हुई।दिन भर 22 किलोमीटर के खतरनाक बर्फीले रास्ते 'डोलमाला पास' (परिक्रमा मार्ग की सबसे ऊंची चोटी)को पूरा करना था।इसी रास्ते में 'गौरी कुंड'के भी दर्शन हुये। जहां कि भगवान शिव को प्राप्त करने के लिये माता पार्वती ने घोर तपस्या की थी। इसी कुण्ड में स्नान करते-करते अपने शरीर के उबटन से गणपति की मूर्ति बनाई और यहीं पर गणपति जी का जन्म हुआ।इस स्थल को नमन करके हम लोग अपने पड़ाव 'झुटुलपुक' पहुंच गये। रास्ता दुर्गम था। हमारे हाथ पॉव फूल रहे थे। सरसों तेल से मालिश कर स्वयं को हमने अगले दिन की परिक्रमा के लिये तैयार किया।

दूसरे दिन हम लोग अल सुबह ही परिक्रमा के लिये रवाना हो गये। 10 किलोमीटर के आखिरी दिन की परिक्रमा को पूरा करके हम वापिस ''डारचिन'' पहुंच गये। जहॉ हमारे साथ के ऐसे बुजुर्ग साथी जो लोग हमारे साथ परिक्रमा के लिये नहीं गये थे, उन्होंने जोश खरोश के साथ ओम नम: शिवाय का उद्घोष करके हमारा स्वागत किया। परिक्रमा पूरी करने के उपरांत हमने फिर कैलाश मानसरोवर में स्नान किया, तथा तट पर हवन और भजन आरती करके भोलेनाथ से विदा ली। विदाई के बेला में हमारी आंखे नम थी। कैलाश पर्वत को निहारते-निहारते धीरे-धीरे वापिस अपने देश, अपने शहर अपने घर सुरक्षित पहुंच गये। इस यात्रा को पूरी करने में हमें कुल 16 (18 जुलाई से 03 अगस्त) दिन लगे थे। कैलाश पर्वत-मानसरोवर की यात्रा कठिन जरूर है, पर असंभव नहीं। बम बम भोले।

आस्था और विश्वास का महापर्व महाशिवरात्रि

चन्द्र शेखर गंगराड़े

ब्रम्हा, विष्णु और महेश भारतीय हिन्दू संस्कृति के मूल स्त्रोत हैं और ये तीनों देवता हिन्दू धर्म में सभी देवताओं में श्रेष्ठ और पूजनीय हैं। जहां ब्रम्हा जी को सृष्टि का रचयिता और विष्णु जी की सृष्टि का पालन पोषण करने वाले देवता के रूप में हम आराधना करते हैं वहीं महेश यानी शिव को सृष्टि का संहारक अथवा विनाशक माना जाता है। भारतीय हिन्दू पंचाग की गणना अनुसार प्रत्येक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिवरात्रि होती है लेकिन फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को महाशिवरात्रि के रूप में संपूर्ण भारतवर्ष में श्रद्धा, विश्वास, उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाता है। महाशिवरात्रि के पर्व के आयोजन का एक प्रमुख कारण यह है कि माता पार्वती ने वर के रूप में भगवान शिव को प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी और जब भगवान शिव ने माता पार्वती की तपस्या से प्रसन्न होकर, माता पार्वती के साथ विवाह करने के लिए सहमति दे दी थी, तब उनका विवाह फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को ही हुआ था इसलिए इस दिन पड़ने वाली शिवरात्रि को महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। लेकिन इसी तिथि को महाशिवरात्रि मनाये जाने के कुछ और कारण भी हैं। किवदंती है कि जब सतयुग का आरंभ हुआ और अमृत को प्राप्त करने के लिए समुद्र-मंथन किया गया तो उस समुद्र-मंथन से अमृत तो सबसे अंत में निकला लेकिन सबसे पहले विष निकला जिसे कालकूट या हलाहल भी कहा जाता है। कहते हैं कि उस विष की ज्वाला से देवताओं, राक्षसों, मनुष्यों समेत समस्त प्राणियों में और जगत में हाहाकार मच गया था। ऐसी स्थिति में उस विष को ग्रहण करने के लिए सभी देवताओं ने भगवान शिव से अनुरोध किया और भगवान शिव ने सृष्टि के कल्याण के लिए उस विष को अपने कंठ में धारण किया और उनका कंठ नीले रंग का हो गया इसलिए उन्हें नीलकंठ नाम से भी पुकारा जाता है और वह दिन, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि ही थी और भगवान शिव को जागृत अवस्था में बनाये रखने के लिये रात भर भजन कीर्तन किया गया इसलिए महा शिव रात्रि का महत्व और भी बढ़ जाता है। फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को उत्सव के रूप में मनाये जाने का एक कारण यह भी है की इस तिथि को पृथ्वी का उत्तरी गोलार्ध इस प्रकार स्थित होता है कि मनुष्य के अंदर की ऊर्जा स्वाभाविक तौर पर ऊपर की ओर जाती है, जो मनुष्य को उसके आध्यात्मिक शिखर तक ले जाने में सहायता करती है और इस ऊर्जा एवं समय का उपयोग करने के लिए भी यह उत्सव मनाया जाता है, जो पूरी रात चलता है, जिससे ऊर्जा के प्राकृतिक प्रवाह को, प्रवाहित होने का पर्याप्त अवसर मिलता है। महाशिवरात्रि के उत्सव के पीछे एक और कारण यह भी है कि इसी तिथि की रात्रि को भगवान शिव धरती पर ज्योतिर्लिंग स्वरूप में प्रकट हुए थे। आज हम देखते हैं कि पूरे भारतवर्ष में भगवान शिव के बहुत मंदिर हैं और करोड़ो लोग उनकी आस्था, विश्वास और श्रद्धा से पूजा करते हैं। इसके पीछे कारण यह है कि जहां उन्हें सृष्टि के विनाशक के रूप में जाना जाता है, वहीं वे अपने भक्तों के बीच भोलेनाथ के रूप में भी पूजे जाते हैं। उनकी आराधना से वे भक्तों की मनोकामना शीघ्र पूर्ण करते हैं। जहां एक ओर वे माता पार्वती की तपस्या से प्रसन्न हुए, वहीं उन्होंने रावण की तपस्या से प्रसन्न होकर उसे भी वरदान दिया। यहां तक कि वे इतने उदार और भोले हैं कि यदि अज्ञानतावश भी सच्चे भाव से, उनकी पूजा अर्चना की जाये तो भी वे प्रसन्न हो जाते हैं। चित्रभानु शिकारी की कथा से यह स्पष्ट भी हो जाता है कि जब अज्ञानतावश ही उसके द्वारा शिवरात्रि की रात को भगवान शिव की पूजा होती है तो अनजाने में ही की गई उस पूजा का भी उसे तत्काल फल मिला और उसका ह्दय परिवर्तित हो गया और उसे मोक्ष की प्राप्ति हुई और त्रेतायुग में निषादराज के रूप में भगवान राम की मित्रता का सुअवसर प्राप्त हुआ।

मध्य प्रदेश के टिकट बंटवारे में शिवराज का राज

सिद्धार्थ शंकर गौतम

भाजपा ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर 195 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करते हुए मध्य प्रदेश में भी 29 में से 24 प्रत्याशी उतार दिए हैं। 13 सांसदों को रिपीट करते हुए 6 सांसदों का टिकट काटा गया है, वहीं 5 सीटों पर दिग्गज चेहरे अब नहीं दिखेंगे। फिलहाल 5 एसटी, 3 एससी, 4 ब्राह्मण, 2 क्षत्रिय, 1 वैश्य और 11 ओबीसी प्रत्याशी उतारकर भाजपा ने सभी वर्गों को साधने का प्रयास किया है। इन प्रत्याशियों में 4 महिला चेहरे हैं। देवास के महेंद्र सिंह सोलंकी, मंदसौर से सुधीर गुप्ता और बैतूल से दुर्गादास उइके को संघ की नजदीकी का लाभ मिला है, वहीं टीकमगढ़ से सात बार के सांसद वीरेंद्र खटीक पर फिर से भरोसा जताया गया है। भाजपा ने आचार संहिता लागू होने के पूर्व ही 24 प्रत्याशियों की घोषणा करके सियासी शंखनाद कर दिया है जबकि कांग्रेस में अभी तक यात्राओं का दौर जारी है।

मध्य प्रदेश की 24 लोकसभा सीटों के घोषित प्रत्याशियों में से 9 प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान के करीबी हैं। सागर से लता वानखेड़े, रीवा से जनार्दन मिश्रा, खंडवा से ज्ञानेश्वर पाटिल, रतलाम-झाबुआ से अनीता नागर सिंह चौहान, खरगोन से गजेंद्र पटेल, राजगढ़ से रोडमल नागर, भोपाल से अलोक शर्मा, होशंगाबाद से दर्शन सिंह चौधरी, शहडोल से हिमाद्री सिंह को शिवराज सिंह का करीबी माना जाता है। स्वयं शिवराज सिंह को 19 वर्षों बाद उनकी पारंपरिक लोकसभा सीट विदिशा से उतारा गया है। शिवराज सिंह को छिंदवाड़ा से नकुलनाथ के सामने उतारने के भी कयास थे, जिससे प्रदेश में यह संकेत जा रहा था कि केंद्रीय नेतृत्व शिवराज सिंह को मुख्यमंत्री न बनने देने के बाद कमलनाथ के प्रभाव क्षेत्र वाली लोकसभा सीट से उतारकर राजनीतिक रूप से उन्हें वनवास भेजने का मन बना चुका है किंतु विदिशा से उनकी उम्मीदवारी ने सभी कयासों को विराम दे दिया है।

फिर जिस अनुपात में शिवराज सिंह के करीबियों को टिकट दिया गया है, इससे साबित होता है कि प्रदेश में शिवराज सिंह की लोकप्रियता को नकारने का साहस केंद्रीय नेतृत्व के पास भी नहीं है। हालांकि 10 वर्ष वित्तमंत्री रहे राघवजी ने हाल ही में मीडिया को दिए एक साक्षात्कार में शिवराज सिंह को लेकर पदलोलुप सहित लॉबिंग करने वाले नेता सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं, किंतु इनका असर विदिशा में उनके विरुद्ध दिखेगा, ऐसा लगता नहीं है। कभी अटल बिहारी वाजपेयी और सुषमा स्वराज की सीट

रही विदिशा को शिवराज सिंह की स्वाभाविक सीट माना जाता है। शिवराज सिंह समर्थकों के अलावा विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के तीन समर्थकों मुरैना से शिवमंगल सिंह तोमर, भिंड से संध्या राय और ग्वालियर से भारत सिंह कुशवाहा को टिकट देकर ग्वालियर-चंबल संभाग में उनकी पकड़ को केंद्रीय नेतृत्व ने स्वीकार किया है।

वहीं जबलपुर से आशीष दुबे, सीधी से डॉ. राजेश मिश्रा सहित स्वयं प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा को खजुराहो से टिकट देकर भाजपा में उनके कद का भी मान रखा गया है। सबसे चौंकाने वाला निर्णय मंडला से फग्गन सिंह कुलस्ते, सतना से गणेश सिंह और दमोह से राहुल लोधी को प्रत्याशी बनाना रहा। सांसद होते हुए फग्गन सिंह कुलस्ते निवास से और गणेश सिंह सतना से विधानसभा चुनाव हार चुके थे और ऐसा माना जा रहा था कि यदि दोनों सांसद होने के बाद भी अपने क्षेत्र में विधानसभा चुनाव नहीं जीत सकते तो इनके सांसद होने से क्या लाभ? किंतु ऐसा लगता है कि आदिवासी चेहरे फग्गन सिंह और ओबीसी कुर्मी गणेश सिंह का विकल्प पार्टी खोज नहीं पाई है। वहीं 2021 में कांग्रेस से भाजपा में आए और उपचुनाव हार चुके राहुल लोधी को दमोह से टिकट देकर लोकसभा क्षेत्र की समस्त आठ विधानसभा सीटों पर ओबीसी बहुल वोट बैंक को भुनाने का प्रयास किया गया है।

2023 के विधानसभा चुनाव में फग्गन सिंह कुलस्ते, गणेश सिंह, अलोक शर्मा और भारत सिंह कुशवाह भाजपा की प्रचंड जीत के बाद भी हार गए थे। तब ऐसा कहा था कि इनकी क्षेत्र में निष्क्रियता और एंटी-इन्कंबेंसी इनकी हार की वजह बनी थी किंतु इन्हें हारने के बाद भी इनाम के तौर पर लोकसभा चुनाव में उतार दिया गया है। राहुल लोधी 2020 के उपचुनाव में और शिवमंगल सिंह तोमर 2018 विधानसभा चुनाव में हार चुके हैं किंतु इन्हें भी लोकसभा चुनाव का टिकट देकर भाजपा आखिर क्या साबित करना चाहती है? राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो इस बार का लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे और राम मंदिर की लहर के भरोसे ही लड़ा जाना है और ऐसे में प्रत्याशी कौन का प्रश्न गौण हो जाता है। प्रधानमंत्री स्वयं कह चुके हैं कि इस बार चुनाव %कमल% लड़ेगा अत: इन हारे हुए नेताओं से संभवत: पार्टी की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा।

हारे हुए नेताओं में सबसे बड़ा नाम ज्योतिरादित्य सिंधिया का है, जो 2019 लोकसभा चुनाव में गुना से भाजपाई केपी यादव से हार गए थे। इस बार पार्टी ने केपी यादव को घर बिठाते हुए सिंधिया को गुना से उतार दिया है। हालांकि गुना लोकसभा यादव बहुल है और केपी यादव को घर बिठाने का कमल को क्या नुकसान होगा, यह चुनाव परिणाम तय करेगा। केपी यादव के रुख पर भी बहुत कुछ निर्भर करता है क्योंकि सिंधिया के कारण कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए केपी यादव अब भाजपाई सिंधिया के चलते असहज महसूस कर रहे हैं। उन पर कांग्रेस ने भी डोरे डालना शुरू कर दिया है। भाजपा नेतृत्व ने मध्य प्रदेश में 6 सांसदों के टिकट काटने के साथ ही 5 दिग्गजों के स्थान पर दूसरों को चुनाव लड़ने का अवसर दिया है। टिकट कटने वाले में सबसे बड़ा चेहरा भोपाल से साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर का रहा जिनकी विवादित टिप्पणियां उन पर ही भारी पड़ीं। प्रधानमंत्री का दिल से माफ नहीं कर पाऊंगा का भाव भी उनकी टिकट कटने की वजह बना।

इसके अलावा भोपाल की जनता भी साध्वी को सांसद के रूप में पसंद नहीं कर रही थी। साध्वी अब राजनीति में उमा गति की ओर अग्रसर हो रही हैं। विदिशा से रमाकांत भार्गव को शिवराज का करीबी माना जाता है अत: उनके राजनीतिक जीवन का निर्णय शिवराज ही करेंगे। ग्वालियर से विवेक शेजवलकर को संघ का वरदहस्त प्राप्त था किंतु बढ़ती उम्र और क्षेत्र में निष्क्रियता उनके आड़े आ गई। अब आगे इनका भी राजनीतिक भविष्य अधर में है। सागर से राजबहादुर सिंह उम्र के चलते और रतलाम से जेपी डामोर निष्क्रियता के चलते टिकट पाने से वंचित हुए हैं। इनके पास भी अब पाने को कुछ नहीं बचा है। गुना से सिंधिया को हराने वाले केपी यादव का टिकट भी कट गया है। इसके अलावा मुरैना से नरेंद्र सिंह तोमर, सीधी से रीति पाठक, होशंगाबाद से राव उदय प्रताप सिंह, दमोह से प्रह्लाद पटेल और जबलपुर से राकेश सिंह अब विधानसभा के सदस्य हैं जिनके स्थान पर नए चेहरों को लोकसभा चुनाव लड़ने का अवसर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा के 20 सांसदों की टिकट पर पेंच

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से बीजेपी ने 51 सीटों पर अपने प्रत्याशी तय कर दिये हैं। इस घोषणा में सबसे बड़ी बात यह रही कि कहीं भी विरोध या बगावत के स्वर नहीं सुनाये दिये, एक मात्र बाराबंकी लोकसभा सीट के उम्मीदवार उपेंद्र सिंह रावत ने जरूर चुनाव नहीं लड़ने की इच्छा जताई है। इसके पीछे उनकी पार्टी से किसी तरह की नाराजगी नहीं, बल्कि उनका सोशल मीडिया पर कथित रूप से एक विवादित वीडियो का सामने आना है, जिसे रावत ने पूरी तरह से खारिज करके एफआईआर दर्ज करा दी है। लेकिन इसके साथ ही वीडियो की सच्चाई आने से पूर्व भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ने की भी घोषणा की है।

बाराबंकी से यदि उपेद्र चुनाव नहीं लड़े तो बीजेपी को वहां भी नया प्रत्याशी तलाशना होगा, इस तरह से 24 सीटों पर उसे और प्रत्याशी तय करना है, बाकी कि छह सीटें बीजेपी ने सहयोगी दलों के लिये छोड़ रखी हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने यूपी में 80 में से 64 सीटें जीती थीं। पहली लिस्ट में बीजेपी ने अपने 44 सांसदों को पुन: टिकट दे दिया है। इस तरह से अभी बीजेपी के 20 और सांसदों के भाग्य का फैसला होना बाकी है। यह वह 20 सांसद हैं जिनको लेकर बीजेपी आलाकमान के मन में कई किन्तु-परंतु हैं। किसी की उम्र 75 वर्ष से अधिक है तो कोई विवादों में घिरा है। इसी तरह से कुछ सांसदों का कामकाज सही नहीं होने के कारण उनके जीत की संभावनाएं काफी कम हो गई हैं तो कुछ मौजूदा सामाजिक समीकरण के ढांचे में फिट नहीं बैठ रहे हैं। एक सांसद ऐसे भी हैं जो पांच सालों तक अपनी ही सरकार की आलोचना करते रहे। इसके अलावा कुछ वीआईपी सीटों पर भी प्रत्याशी नहीं तय हो पाये हैं जिसमें रायबरेली, मैनपुरी, सुलतानपुर, पीलीभीत जैसी सीटें शामिल हैं। उक्त में से दो सीटें क्रमश: सुलतानपुर और पीलीभीत से मेनका और वरूण गांधी सांसद हैं।

बहरहाल, जिन 20 सांसदों को टिकट नहीं मिला है,

उसके अलावा चार और सीटों को शामिल करके बीजेपी को अभी 24 सीटों पर अपने प्रत्याशी तय करने हैं। जिन मौजूदा सांसदों के टिकट घोषित नहीं हुए हैं, वह अपने समर्थकों के साथ लखनऊ से दिल्ली तक प्रयास कर रहे हैं। जानकार बताते हैं कि कुश्ती संघ से विवादों में आए कैसरगंज से भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह की जगह पार्टी उनकी पत्नी केतकी सिंह या विधायक बेटे प्रतीक भूषण सिंह को चुनाव लड़ाना चाहती है, लेकिन ब्रजभूषण ने टिकट पाने के लिए लखनऊ से दिल्ली तक पूरी ताकत लगा दी है। बरेली से लगातार सांसद रहे संतोष गंगवार को 2019 में मंत्री पद से हटाने के बाद अब चुनावी राजनीति से बाहर रखने की चर्चाएं चल रही हैं। उनके समर्थकों का तर्क है कि 75 वर्ष से अधिक आयु होने पर हेमा मालिनी को टिकट दिया गया है, ऐसे में संतोष गंगवार की दावेदारी भी बनती है। उधर, देवरिया से संसद और पूर्व प्रदेश अध्य रमापति राम त्रिपाठी ने भी दिल्ली में भाजपा के बड़े पदाधिकारियों से संपर्क बनाकर एक और मौका मांगा है तो सुल्तानपुर से सांसद मेनका गांधी और पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी के टिकट पर भी पेंच फंसा है। मोदी की हरी झंडी के बाद पार्टी दोनों में से किसी एक को टिकट दे सकती है। वैसे वरूण गांधी के प्रियंका गांधी के करीब होने की भी बात कही जा रही है। रिश्तों में जमी बर्फ हटाने के लिये वरूण को रायबरेली या अमेठी से मैदान में उतारा जा सकता है।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रत्याशियों की पहली सूची में वंचित रहने के बाद पार्टी के दिग्गज सांसदों ने अपने टिकट के लिए पूरा दम लगा दिया है। राम लहर और मोदी की गारंटी के माहौल में भी दिग्गज चेहरों को चुनाव मैदान से बाहर करने में पार्टी को मशक्कत करनी पड़ेगी। भाजपा ने पहले चरण में यूपी की 80 में से 51 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। शेष 29 सीटों में से बागपत और बिजनौर पर एनडीए के सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल ने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। आगामी दिनों में 27 सीटों पर प्रत्याशी घोषित होने हैं इनमें से दो सीटें अपना दल (एस) और सुभासपा को एक सीट मिलेगी। माना जा रहा है कि अपना दल को उसकी दो मौजूदा सीटों राबर्ट्सगंज और मिर्जापुर से ही लड़ाया जायेगा। पूर्वांचल की एक-एक सीट सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और निषाद पार्टी के हिस्से में जायेगी। गाजीपुर और घोसी की सीट इन दलों को दी जा सकती है। कुछ सीटों पर सपा-बसपा छोड़कर बीजेपी में आने वाले नेताओं को भी उतारा जा सकता है।

बहरहाल, अभी तक जिन बीजेपी सांसदों के भाग्य का फैसला नहीं हो पाया है उसमें गाजियाबाद से विजय कुमार सिंह, मेरठ से राजेन्द्र अग्रवाल, बागपत से सत्यपाल सिहं, हाथरस से राजबीर दिलेर, कानपुर से सत्यदेव पचौरी, पीलीभीत से वरूण गांधी, बदायूं से संघमित्रा मौर्या, फिरोजाबाद से डॉ. चन्द्र जादौन सेन, प्रयागराज से रीता बहुगुणा जोशी, फूलपुर से केसरी देवी पटेल, देवरिया से रमापति राम त्रिपाठी, बलिया से वीरेन्द्र सिंह, मछली शहर से भोलानाथ, भदोही से रमेश चन्द्र, अलीगढ़ से सतीश कुमार गौतम और बरेली से संतोष गंगवार शामिल हैं। कानपुर के सांसद सत्यदेव पचौरी को फिर से प्रत्याशी बनाने के लिए आरएसएस के कुछ पदाधिकारी पैरवी कर रहे हैं। उधर, भाजपा ने बागपत और बिजनौर सीट रालोद को दी है। बागपत से लगातार दो बार सांसद रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह का टिकट कट गया है। पार्टी की ओर से पहले ही तीन जाट उम्मीदवार उतारने के चलते अब सत्यपाल सिंह के राजनीतिक भविष्य पर तलवार लटक गई है। बिजनौर से 2019 में भाजपा प्रत्याशी रहे कुंवर भारतेंद्र का टिकट भी कट गया है।

राजनीतिक परिवारवाद : सत्ताकांक्षा में लिपटा नया 'परिवार नियोजन'!

अजय बोकिल

'महा उपनिषद' में हमारे ऋषियों ने जिस उदात्त और वैश्विक भाव से 'वसुधैव कुटुम्बकम' की उक्ति कही होगी, तब उन्होंने शायद ही सोचा होगा कि हजारों साल बाद भारत में इस कौटुंबिक भाव का रूपातंरण राजनीतिक परिवारवाद में हो जाएगा। परिवार सत्ता पर काबिज होने और उसे कायम रखने तथा ऐसा करने वाले राजनीतिक निशाने पर होंगे। जाहिर है एक समय ऐसा भी आएगा कि सत्ता का संघर्ष परिवारवाद और गैरपरिवारवाद के बीच केन्द्रित होने लगेगा। राजनेता इसे ही अपनी तलवार और ढाल दोनो बनाने में कामयाब होंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो यह सत्ता के खोल में लिपटा नया परिवार नियोजन है, जिसमें परिवार की हदें और स्वार्थ राजनेता अपने अपने हिसाब और सुविधा से तय कर रहे हैं। हाल में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इंडिया गठबंधन की महारैली ने लालूप्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के परिवार पर सवाल उठाए तो जवाब में मोदी ने कहा कि सारा देश ही उनका परिवार है। या यूं कहें कि मोदी ही देश हैं और देश ही उनका परिवार है। इसी तर्ज पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्होंने राजनीतिक पलटीमारी में नए मानदंड कायम किए हैं, ने कहा कि सारा बिहार ही मेरा परिवार है। अब इसी सिलसिले को सांसद, विधायक, पार्षद और पंच तक ले जाएं तो हर कोई अपने क्षेत्राधिकार मंर एक 'परिवार के पोषण' का बोझ लिए चल रहा है, क्योंकि इसी परिवार में वोट के बीजाणु छिपे हुए हैं। अर्थात् यह नया परिवारवाद असल में वोटवाद का परिवारीकरण है। गुजरे समय में राजपरिवारों में सत्ता संघर्ष हुआ करता था। राजा का बेटा ही राजा बनता था। मुगलों के जमाने में तख्त के लिए एक बेटा अपने ही सगे भाइयों को मौत के घाट उतारने में नहीं हिचकता था। बाद में अंग्रेज आए तो सत्ता संचालन का नया कंसेप्ट लेकर आए, जो मूलत: वशंवादी होते हुए भी उपनिवेशों में पेशेवर लोगों के भरोसे ज्यादा था। आजादी के बाद भारत में लोकतंत्र कायम हुआ तो सामंती परिवारवाद ने भी नया चोला पहन लिया। कुछ राजपरिवारों ने लोकतांत्रिक परिवारवाद अपनाकर अपनी भौतिक सत्ता कायम रखी तो इसी के साथ जमीनी संघर्ष से कई ऐसे नए चेहरे उभरे कि जिन्होंने अपने लंबी जद्दोजहद के बाद मिली सत्ता की पूंजी अपनी भावी पीढ़ी के नाम इन्वेस्ट कर दी। 90 के दशक में उभरा यह परिवारवाद राजपरिवारों के दैवी परिवारवाद से अलग सत्ता प्रसूत और सत्ता केन्द्रित नया परिवारवाद था, जो राजनीतिक दलों की शक्ल में अब अलग अलग राज्यों में अलग अलग तरह से प्रस्थापित हो चुका है। काफी हद तक लोकमान्य यह परिवारवाद कहीं अपनी सत्ता को बचाने के लिए है तो कहीं सत्ता को पाने के लिए है। फिर चाहे वह लालू प्रसाद की पार्टी राजद में तेजस्वी यादव हों, समाजवादी पार्टी में अखिलेश यादव एंड परिवार हो, रालोद में जयंत चौधरी हों, भारत राष्ट्र समिति के के. चंद्रशेखर राव हो, डीएमके के एम.के.स्टालिन अथवा उदयनिधि हों, शिवसेना के उद्धव एवं आदित्य ठाकरे हों, अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल हों, नेशनल कांफ्रेंस के फारूख अब्दल्ला और उमर अब्दुल्ला हों, पीडीपी की महबूबा मुफ्तीम हों या फिर तृणमूल कांग्रेस में ममता के बाद उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी हों, सभी इसी परिवारवादी आकाशगंगा के जुगनू हैं। इसी आकाशगंगा में कांग्रेस के राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की हैसियत उस सितारे जैसी है, जिसकी चमक अभी बाकी है। इन परिवारजन्य नेताओं के राजनीतिक आग्रहों में विचारधारा के साथ-साथ यह भाव भी शिद्दत से शामिल हैं कि लीडर बनने का अधिकार उन्हें आनुवांशिक रूप से मिला है। या यूं कहें कि उनका अवतरण ही इसलिए हुआ है कि वो जनता के वोटों के सहारे सत्ता हासिल करें और उसका उपभोग करते हुए अपनी अगली पीढ़ी को इस दैवी दायित्व को वहन करने के लिए अभी से तैयार करें।

बुढ़ापे को दूर भगाते हैं ये 8 एंटी–एजिंग फूड, चेहरे पर नहीं आने देते झुर्रियां

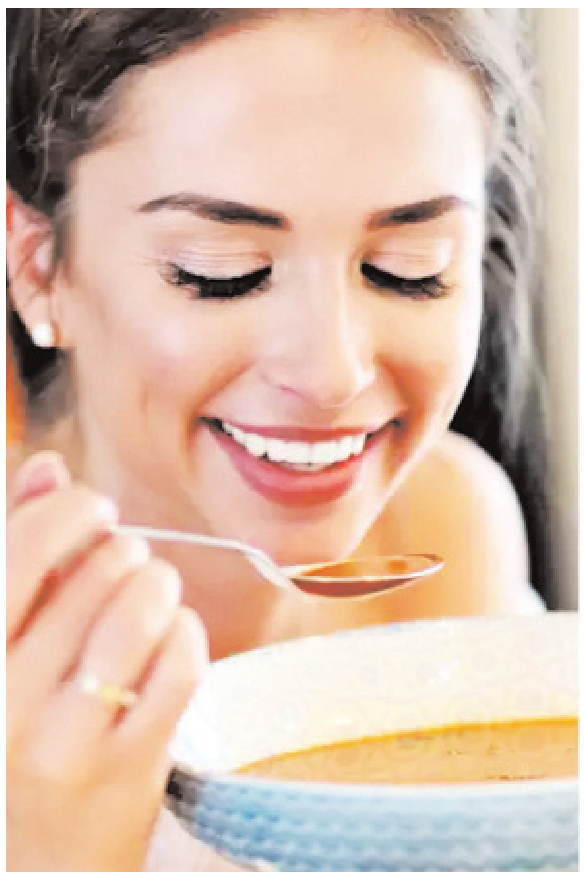

यौवन और सुंदरता को हर कोई लंबे समय तक बनाए रखना चाहता है। लेकिन यूवी किरणें, स्किन केयर की गलत आदतें, प्रदूषण और अन्य कारक आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं और उम्र तेजी से बढ़ने का कारण बनते हैं। खासतौर से महिलाओं के चेहरे पर समय से पहले फाइन लाइन्स और रिंकल्स नजर आने लगे हैं। इसके लिए हम पर्यावरण को जिम्मेदार मानते हैं, लेकिन आपकी आहार संबंधी आदतें भी त्वचा की बनावट पर उतना ही प्रभाव डालती है।

हम बढ़ती उम्र को रोक नहीं सकते, लेकिन पौष्टिक आहार के साथ हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाकर इसके प्रभाव को कम कर सकते हैं। अगर आप भी साफ, चमकदार और जवां दिखने वाली त्वचा चाहती हैं, तो यह जरूरी है कि आप अपने आहार में एंटी–एजिंग खाद्य पदार्थों को भी शामिल करें। यहां ऐसे एंटी–एजिंग खाद्य पदार्थों के बारे में बताया गया है, जो त्वचा को स्वस्थ और युवा बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी हैं। तो आइए जानते हैं इन एंटी एजिंग फूड्स के बारे में। अनार एजिंग के लक्षणों को कम करने के लिए बहुत अच्छा है। दरअसल, इनमें एलैजिक एसिड और प्यूनिकैलागिन यौगिक होते हैं, जो फ्री रेडिकल से लड़ते हैं और त्वचा की लोच बनाए रखते हुए कोलेजन प्रोटेक्शन को बढ़ावा देते हैं।

शॉर्ट अनारकली से लेकर हेवी सूट तक

महाशिवरात्रि पर पहनने के लिए परफेक्ट हैं ये 6 कपड़े

त्यौहार चाहे कोई सा भी हो, महिलाओं का सजना-संवरना तो तय ही होता है। और हर औरत चाहती है कि वो जो भी पहने उसमें सुंदर दिखाई दे। इसलिए आज हम आपको साड़ी और सूट के कुछ ऐसे डिजाइन्स दिखाने वाले हैं, जिन्हें आप महाशिवरात्रि के दिन पहन सकती हैं।महाशिवरात्रि एक ऐसा त्यौहार है, जिसमें सभी लोग शिवजी की पूजा आराधना करते हैं और अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए व्रत भी रखते हैं। माना जाता है कि इसी दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था, इसलिए महाशिवरात्रि के दिन शिव-गौरी को पूजा जाता है। इस दिन महिलाएं भी व्रत रखती हैं। वो सुबह जल्दी उठकर, नहाकर साफ कपड़े पहनती हैं और फिर पूजा करती हैं।

आप भी इस महाशिवरात्रि व्रत रखने वाली हैं लेकिन इस उलझन में हैं कि इस दिन क्या पहनें तो आपका काम हम आसान कर देते हैं। नीचे दिए गए 6 आउटफिट्स में से आप अपने लिए पसंद के ऑप्शन को पिक करके फेस्टिवल का लुक प्लान कर सकती हैं।

पीला रंग किसी भी काम के लिए शुभ माना जाता है। आप इस तस्वीर में दिखाई गई मस्टर्ड येलो साड़ी से इंस्परेशन ले सकती हैं। इसे स्टाइल कैसे करना है, ये पूरी तरह से आपकी चॉइस रहेगी। उदाहरण के लिए जिस तरह तस्वीर में श्रद्धा ने पल्लू को ओपन रखा है आप भी ऐसे ही कैरी कर सकती हैं। लेकिन दिनभर के काम में पल्ला उलझ सकता है, तो बेहतर होगा कि आप पल्लू को कंधे पर टक कर लें। आप चाहें तो सीधे पल्ले की साड़ी भी पहन सकती हैं।

आईलैशेज कर्लर का इस्तेमाल करते समय इन बेसिक बातों का रखें ध्यान

कर्ल की हुई आइलैशेज किसे पसंद नहीं है? हर लड़की चाहती है कि उसकी आंखें पहले से ज्यादा खूबसूरत नजर आए। इसके लिए आईलाइनर अप्लाई करने के अलावा आईलैशेज को हाइलाइट करने के लिए गर्ल्स आई कर्लिंग का भी इस्तेमाल करती हैं। ट्विस्टेड लैशेज आपकी आंखों की खूबसूरती को ही हाईलाइट नहीं करती बल्कि इससे आपकी ओवरऑल खूबसूरती भी ज्यादा निखरकर सामने आती है। आइए, जानते हैं आपको आईलैश कर्लर का यूज करते हुए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आंखों के हिसाब से कर्लर चुनकर शुरू करें– हर किसी की पलकें अलग होती हैं, एक व्यक्ति के लिए काम करने वाला कर्लर आपके लिए काम नहीं कर सकता है। यह समझना जरूरी है कि आपकी पलकों को क्या चाहिए, इसलिए कर्लर चुनते समय अपनी आंखों के आकार और लैश की लंबाई को ध्यान में रखें।

हर बार साफ करें– अपने आईलैश कर्लर को अपनी मेकअप किट में रखने से पहले इसे धोकर साफ कर लें। मेकअप रिमूवर वाइप्स भी आपके आईलैश कर्लर से मस्कारा हटाने का एक बेहतरीन तरीका है। पूरी तरह से सफाई करके इसे सुखाकर ही रखें।

मस्कारा लगाने से पहले अपनी पलकों को कर्ल करें– हमेशा अपनी पलकों को पहले कर्ल करें, फिर मस्कारा लगाएं। इससे उल्टा दोहराने से लैश कर्लर गंदा हो सकता है, जिससे आपकी पलकें टूट सकती हैं क्योंकि मस्कारा उन्हें सख्त कर देता है।

ऊपर की ओर कर्ल करना याद रखें– लोग अक्सर अपने आईलैश कर्लर को अपनी पलकों पर दबाना और धीरे–धीरे कर्लर को ऊपर उठाना भूल जाते हैं, लेकिन यह एक जरूरी स्टेप कदम है जिसे आपको छोड़ना नहीं चाहिए। यह आपकी लैशेज को कुछ कर्ल और एक इंस्टेंट लैश लिफ्ट देगा, साथ ही उनके कर्ल को लंबे समय तक बनाए रखेगा।

आपके बाल पतले होते जा रहे हैं तो अपनाएँ घरेलू नुस्खे

सुन्दर और घने बाल महिलाओं का ताज माने जाते हैं / लम्बे और घने बालों की हसरत सभी को होती है लेकिन हर किसी के बाल मोटे और घने नहीं होते / कई बार देखा गया है की जिनके बाल पहले घने होते थे लेकिन उम्र बढ़ने के साथ ही बाल भी पतले और कमजोर होने शुरू हो जाते हैं /ऐसे में सबाल यह उठता है की बाल आखिर पतले और बेजान क्यों होते जा रहे / बालों की सही देखभाल ना करना , तनाब , गलत खानपान ,शरीर में पौषक तत्वों की कमी और हार्मोनल असंतुलन बालों के झड़ने और पतले होने का मुख्य कारण माना जाता है लेकिन अगर आप इस समय कुछ उपाय अपनाते हैं तो आपकी समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

पतले और बेजान बालों के लिए आंबला जूस और निम्बू का रश काफी सहायक होता है / रोजाना नहाने से आधा घण्टा पहले अपने बालों में आंबला और नीम्बू का रश लगाएं / इससे आपके बाल मोटे और घने होंगे / हफ्ते में तीन बार प्याज का रस लगाने से भी बालों में चमक आएगी और बाल कोमल और मुलायम होंगे

सेब के सिरके का प्रयोग करें

क्षतिग्रस्त बालों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए आपको इस उपाय को जरूर आजमाना चाहिए। इससे बालों के झड़ने की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए 2 चम्मच एप्पल साइडर विनेगर , 1 चम्मच शुद्ध बादाम का तेल लें / सबसे पहले एक छोटी कटोरी में सिरका और तेल मिलाएं।फिर बालों में लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। बालों को शॉवर कैप लगाएं और इसे कम से कम एक घण्टे के लिए छोड़ दें। निर्धारित समय के बाद अपने बालों को हलके शैम्पू से धो लें। इस नुस्खे से आपको कुछ ही दिनों में अपने बालों में फर्क दिखने लगेगा।

नारियल के दूध की मदद लें

नारियल के दूध में मौजूद फैटी एसिड आपके बालों को मॉइस्चराइज़ करता है। यह आपके बालों के झड़ने की समस्या को कम करने में भी मदद करता है और उनके स्वास्थ्य पर काम करता है।1 कप नारियल का दूध और 1/ 4 कप करी पत्ते का पाउडर लें / सबसे पहले करी पत्ते का पाउडर बना लें या फिर आप बाहर से पाउडर खरीद सकते हैं। एक कटोरे में दूध और पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें और बालों में लगा लें। इसे बालों पर लगाएं और कम से कम 1 घंटे के लिए छोड़ दें और फिर अपने बालों को हमेशा की तरह धो लें।

तिल के तेल का प्रयोग करें

सफेदए, रूखे , रूसी, बालों का झड़ना और पतले बालों के लिए तिल के तेल से बेहतर और क्या हो सकता है। यह बालों को मजबूत और चमकदार बनाने में भी मदद करता है। 1/ 2 कप तिल का तेल को गर्म कर लें /इसमें एक कॉटन बॉल डूबा कर इसे अपनी खोपड़ी पर लगाएं तथा खोपड़ी की हलके हाथों से मसाज करें इसे लगाकर रात भर छोड़ दें और सुबह नींबू के टुकड़ों को स्कैल्प पर मलें। 30 मिनट के बाद अपने बालों को हलके शैम्पू से धो लें। आप देखेंगे कि कुछ ही दिनों में आपकी परेशानी कम हो जाएगी।

नारियल तेल और करी पत्ते का प्रयोग कर

करी पत्ते में ऐसे तत्व होते हैं जो जड़ों पर अच्छे से काम करते हैं और बालों के विकास में मदद करते हैं। यह प्रोटीन, बीटा ---कैरोटीन और ऐसे कई एंटीऑक्सिडेंट का स्रोत है जो बालों के विकास को बढ़ावा देने के लिए बालों के तंतुओं पर कार्य करते हैं। एक पैन में 1/ 2 कप नारियल का तेल और 6---7 करी पत्ता डालकर गरम करें। इसे तब तक उबालें जब तक आपको पैन में काला पदार्थ दिखाई न दे। ठंडा करके मिला लें। फिर सिर पर अच्छी तरह लगाकर 1 घंटे के लिए छोड़ दें तथा बाद में बालों को साफ ताजे पानी से धो डालें / अगर आप इस नुस्खे को हफ्ते में 2 से 3 बार आजमाएंगे तो आपको जल्द ही फर्क नजर आने लगेगा।

द्य शहनाज़ हुसैन

कर्ली बालों में खूबसूरत दिखने के लिए बनाएं घी का हेयर मास्क, जानें इसके लाभ और बनाने का तरीका

त्वचा के साथ ही बालों का भी खास ख्याल रखना काफी जरुरी होता है। जिन लोगों के कर्ली यानी घुंघराले बाल होते है उनकों बालों से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना होता है। कर्ली बाल दिखने में खूबसूरत तो लगते है लेकिन इन्हें संभलना काफी मुश्किल होता है। आमतौर पर कर्ली बालों में सबसे ज्यादा ड्राईनेस का समस्या उत्पन्न होती है। जिसस वजह से दोमुंहे बाल हो जाते हैं और हेयर की ग्रोथ भी कम हो जाती है। हमारे घरों में देसी घी का प्रयोग खाने में जरुर होता है, जो सेहत के लिए हेल्दी होता है। इसके साथ ही बालों के लिए घी काफी फायदेमंद होता है। कर्ली बालों को हेल्दी बनाने के लिए घी का हेयर मास्क बनाने के तरीके और फायदे बताने जा रहे हैं। इन हेयर मास्क से कर्ली बालों को मैनेज करना काफी आसान हो जाता है।

घी और एवोकाडो हेयर मास्क

इसे बनाने के लिए आपको 2 चम्मच एवोकाडो का पल्प 1 चम्मच घी, 2 चम्मच दही और 1 चम्मच शहद चाहिए होगा। एक कटोरी में सभी चीजों को मिक्स करके हेयर मास्क का पेस्ट तैयार करें और इसे पूरे बालों और स्कैल्प पर लगाएं। मास्क को 30 मिनट के लिए लगा रहने दे और शैंपू की मदद से बालों का साफ करें। इस हेयर मास्क के इस्तेमाल से कर्ली बालों के उलझने की समस्या कम होगी और हेयर्स सॉफ्टा–शाइनी नजर आएंगे।

घी और मेथी हेयर मास्क

हेयर मास्क बनाने के लिए 3 चम्मच मेथी दाना को रातभर के लिए पानी में भिगोकर रखना होगा। मॉर्निंग में मेथी दाना पीसकर पेस्ट तैयार करें और इसमें 2 चम्मच एलोवेरा जेल और 2 चम्मच घी मिलाएं। इन सभी चीजों को मिक्स कर लें। फिर इसको बालों में लगा लें 30 मिनट के लिए, इसके बाद शैंपू से बाल धो लें। घी और मेथी के हेयर मास्क से कर्ली बालों का रुखापन दूर होगा और बालों की जड़ों को पोषण मिलेगा। इसे हफ्ते में एक बार जरुर लगाएं।

घी और नींबू हेयर मास्क

कर्ली हेयर्स वालों को सिर में डैंड्रफ की समस्या रहती है उनके लिए घी और नींबू से बना हेयर मास्क फायदा कर सकता है। इस हेयर मास्क को बनाने के लिए 1 चम्मच घी में 2 चम्मच दही और 1 चम्मच नींबू का रस मिक्स करके हेयर मास्क का पेस्ट तैयार करें। इस पेस्ट से आप अपने स्कैल्प की अच्छे से मसाज करें और फिर 30 मिनट के लिए लगाकर रखें। इसके बाद आप शैंपू की मदद से बालों को साफ कर लें। इस हेयर मास्क से डैंड्रफ की समस्या दूर होगी साथ ही कर्ली हेयर्स हेल्दी नजर आएंगे।

इन घी के हेयर मास्क का उपयोग करके आप अपने कर्ली बालों को नेचुरली हेल्दी और शाइनी बना सकते हैं।

आलू से निखारें चेहरे का ग्लो, जानें इस्तेमाल का तरीका

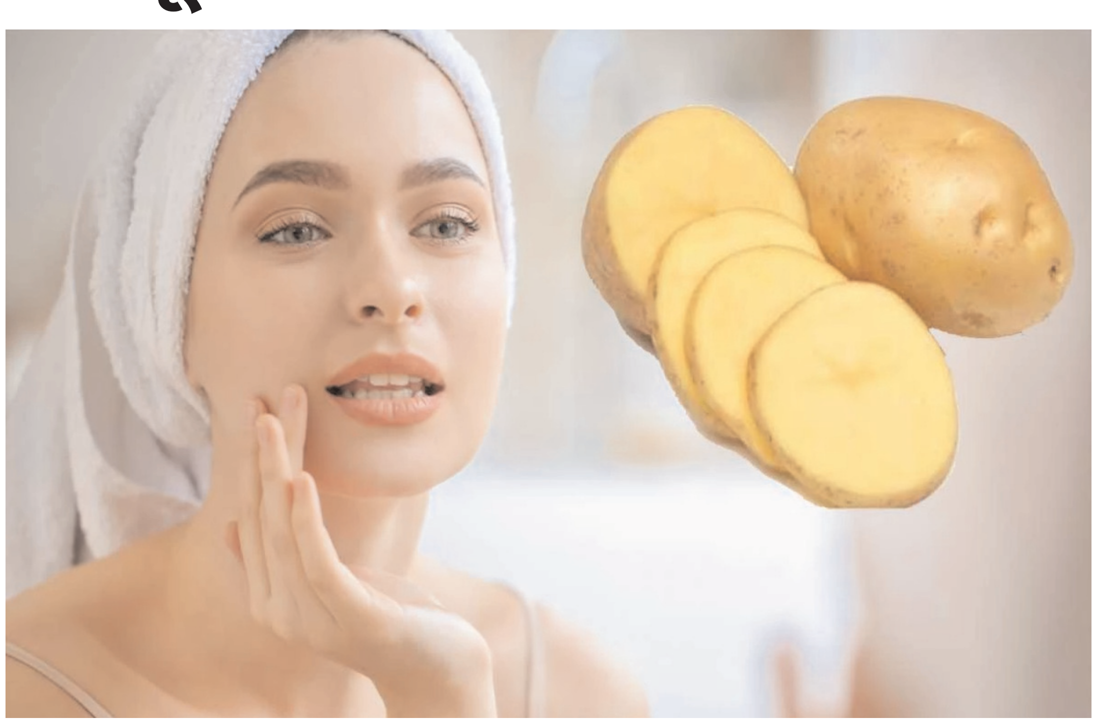

आलू फेस मास्क में मौजूद विटामिन सी आपकी त्वचा को ब्राइटन करने में मदद करेंगे। इसके लिए आधा आलू को कद्दूकस करके उसमें 1 टेबल स्पून बेसन और 1 टीस्पून नींबू का रस मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में, पानी की मदद से चेहरे को धो दें।

स्किन में निखार पाने के लिए जरूरी नहीं है कि आप मार्केट में मिलने वाले महंगे प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल करें। घर पर मौजूद नेचुरल इंग्रीडिएंट्स की मदद से स्किन की समस्याओं को दूर किया जा सकता है। मसलन, अगर आप अपनी स्किन की डार्कनेस को दूर करके पार्लर जैसा ग्लो पाना चाहती हैं तो ऐसे में आलू का इस्तेमाल किया जा सकता है। आलू को स्किन लाइटनिंग एजेंट के रूप में देखा जाता है, जिसके कारण यह आपकी स्किन को ब्राइटन करने में मददगार है। आप इसे एक नहीं, बल्कि कई अलग–अलग तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस बारे में बता रहे हैं–

आलू फेस मास्क में मौजूद विटामिन सी आपकी त्वचा को ब्राइटन करने में मदद करेंगे। इसके लिए आधा आलू को कद्दूकस करके उसमें 1 टेबल स्पून बेसन और 1 टीस्पून नींबू का रस मिलाएं। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में, पानी की मदद से चेहरे को धो दें। डेड स्किन सेल्स को हटाकर इवन स्किन टोन और ब्राइटन स्किन बनाने के लिए आप आलू का स्क्रब भी बना सकती हैं। इसके लिए आधा छोटा चम्मच ओटमील और आधा चम्मच दूध में आधा कद्दूकस किया हुआ आलू मिलाएं। इस मिश्रण से अपने चेहरे को 8 से 10 मिनट तक धीरे से स्क्रब करें। दूध में लैक्टिक एसिड होता है जो इस फेस स्क्रब के एक्सफोलिएटिंग प्रभाव को भी मजबूत करेगा जबकि इसमें मौजूद फैटी एसिड आपकी त्वचा में नमी को बनाए रखने में मदद करेगा। डार्क सर्कल आपकी नेचुरल ब्यूटी को छीन लेते हैं और आपको थका हुआ दिखा सकते हैं। ऐसे में आलू की मदद से अपनी इस समस्या को अलविदा कहें। आलू के दो स्लाइस पर एलोवेरा लगाएं। अब इन्हें अपनी आंख पर रखकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। अंत में, इन्हें हटाएं और चेहरे को धो लें। एक तरफ आलू आपके काले घेरों को हल्का करेगा और दूसरी तरफ एलोवेरा सूजन को शांत करेगा। फ्रेश लुक के लिए हर दूसरे दिन इस उपाय को आजमाएं।

मिताली जैन

समाचार पचीसा
रायपुर, शुक्रवार 08 मार्च 2024

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सीएए चुनाव से पहले होगा लागू कोई नहीं रोक सकता: गृहमंत्री

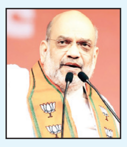

नईदिल्ली। देश में सीएए को लेकर जारी राजनीतिक तकरार के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर से कहा है कि सीएए इस देश का कानून है और यह चुनाव से पहले लागू होकर रहेगा। एक टीवी चैनल से बातचीत में शाह ने कहा कि सीएए देश का कानून है, पत्थर पर खींची लकीर है। ये वास्तविकता है कि ये लागू होगा और इस चुनाव से पहले लागू होगा। इसे कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि सीएए कानून कोई नई बात नहीं है। कांग्रेस वोटबैंक के लालच में कई चीजें भूल गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 1947 में बांग्लादेश से आये लोगों को नागरिकता देने का वादा किया था। फिर भी, वे लोग शरणार्थी के रूप में रह रहे हैं। शाह ने साफ तौर पर कहा कि ये लोग अपनी पहचान के लिए संघर्ष कर रहे हैं, महिलाएं बिना सुरक्षा के रह रही हैं और उन्हें जबरन धर्म परिवर्तन का सामना करना पड़ रहा है। अगर भारत उन्हें नागरिकता नहीं देगा, तो और कौन देगा? भारत उन लोगों का स्वागत करता है। हम उन्हें उनका हक दिलाएंगे।

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणापत्र तैयार

नईदिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में गिग श्रमिकों के लिए एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा कवर, केंद्र सरकार के कम से कम 30 लाख रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती और सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का वादा किया है, जिसका एक मसौदा पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे को कांग्रेस मेनिफेस्टो कमेटी के सदस्यों द्वारा सौंपा गया था। सूत्रों के मुताबिक, घोषणापत्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने, सच्चर समिति की सिफारिशों को लागू करने, अखिल भारतीय जाति जनगणना और ओबीसी समुदाय के लिए आरक्षण बढ़ाने का भी प्रस्ताव है। एक रिपोर्ट के अनुसार, गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवर, जिसे अधिकार-आधारित कानून के रूप में पेश किया जा सकता है, में संभवत: पेंशन, विकलांगता और जीवन बीमा शामिल होगा। यह योजना उस कानून पर आधारित है जिसे अशोक गहलोत ने पिछले साल राज्य में लागू किया था।

अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट ने भेजा समन

नईदिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। जानकारी के अनुसार, ईडी के कई समन का कथित रूप से पालन नहीं करने पर एजेंसी द्वारा दर्ज कराई गई नई शिकायत के बाद कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को 16 मार्च को तलब किया। इस बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कैबिनेट की इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। आपको बता दें कि जांच एजेंसी ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच में समन का पालन नहीं करने के लिए अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने का अनुरोध करते हुए कोर्ट में नयी शिकायत दर्ज कराई थी जिसके बाद उनको तलब किया गया है। नई शिकायत आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा समन संख्या 4 से 8 का पालन नहीं करने से संबंधित बताया जा रहा है।

पुलिस ने भाजपा नेत्रियों को संदेशखाली जाने से रोका

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में हुए कथित महिला उत्पीड़न के मामले पर पूरे बंगाल में हंगामा मचा हुआ है। पीड़ित महिलाओं से मिलने के लिए भाजपा की महिला नेता संदेशखाली जा रही थीं, लेकिन कोलकाता के न्यू टाउन में सुरक्षाबलों ने उन लोगों को रोक दिया। बाद में पुलिस ने सांसद लॉकेट चटर्जी और अग्निमित्रा पॉल सहित कई महिला नेताओं को हिरासत में ले लिया। पश्चिम बंगाल की भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी ने कहा, पूरा देश संदेशखाली की स्थिति देख रहा है, लेकिन सीएम ममता बनर्जी संदेशखाली जाने के बजाय टीएमसी की रैली में भाग ले रही हैं। ममता बनर्जी डरी हुई हैं। बंगाल में कई संदेशखाली हैं। एक दिन, पश्चिम बंगाल के लोग यह सुनिश्चित करेंगे कि ममता बनर्जी सड़क पर आ जाएं। पुलिस हमें गिरफ्तार क्यों कर रही है, हमने क्या किया है? बंगाल की भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा, रोहिंग्या ममता बनर्जी का वोट बैंक हैं। राष्ट्रवादी मुस्लिम और राज्य के हिंदू उन्हें वोट नहीं देंगे।

कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व जज गंगोपाध्याय भाजपा में शामिल

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने गुरुवार को राज्य भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी और अन्य की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा में शामिल होने के बाद इस बात पर भी नजर रहेगी कि क्या अभिजीत को लोकसभा चुनाव में टिकट मिलने का कोई संकेत मिलता है या नहीं? इससे पहले पांच मार्च को जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में इस्तीफा दे दिया था। तभी तय हो गया था कि गंगोपाध्याय अब सियासी पारी की शुरू करने जा रहे हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद पूर्व जज ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। अभिजीत ने कहा कि हर कोई जानता है कि भ्रष्टाचार से लड़ना है। वह भी भ्रष्ट राज्य सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे।

श्रीनगर में प्रधानमंत्री बोले - जम्मू-कश्मीर एक क्षेत्र नहीं, देश का मस्तक है

विकसित जम्मू-कश्मीर हमारी प्राथमिकता : मोदी

श्रीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई विकास परियोजनाओं का अनावरण किया और अनुच्छेद 370 के प्रावधानों के हटने के बाद कश्मीर की अपनी पहली यात्रा के दौरान श्रीनगर में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरूआत में मोदी ने कहा कि धरती के स्वर्ग पर आने का ये अहसास ये अनुभूति शब्दों से परे है। उन्होंने कहा कि प्रकृति का ये अनुपम स्वरूप, ये हवा, ये वादियां, ये वातावरण और उसके साथ आप कश्मीरी भाई-बहनों के इतने प्यार के लिए मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूं।

मोदी ने कहा कि मुझे बताया गया है कि 285 ब्लॉकों से 1 लाख लोग वर्चुअली हमसे जुड़े हैं। मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। यह वह नया जम्मू-कश्मीर है जिसका हम दशकों से इंतजार कर रहे थे। यह वह नया जम्मू-कश्मीर है जिसके लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना जीवन बलिदान कर दिया। इस नए जम्मू कश्मीर की आंखों में भविष्य की चमक है, इस नए जम्मू कश्मीर के इरादों में चुनौतियों को पार करने का हौंसला है। उन्होंने कहा कि आपके प्रसन्न चेहरों को देखकर देश भर के 140 करोड़ लोगों को संतुष्टि महसूस हो रही है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2014 के बाद जब भी मैं यहां आया हूं, मैंने हमेशा कहा है कि मैं आपका दिल जीतने के लिए ये सब प्रयास कर रहा हूं और मैं देख रहा हूं कि मैं आपका दिल जीतने में कामयाब रहा हूं। मैं कड़ी मेहनत करता रहूंगा। ये मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि आपके इस प्यार से मैं जितना खुश हूं, उतना ही कृतज्ञ भी हूं। मोदी प्यार के इस कर्ज को चुकाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। 2014 के बाद मैं जब भी आया, मैंने यही कहा कि मैं ये मेहनत आपका दिल जीतने के लिए कर रहा हूं। और मैं दिनों-दिन देख रहा हूं कि आपका दिल जीतने की सही दिशा में मैं जा रहा हूं।

उन्होंने कहा कि विकास की शक्ति, पर्यटन की संभावनाएं, किसानों का सामर्थ्य और जम्मू-कश्मीर के युवाओं का नेतृत्व, विकसित जम्मू-कश्मीर के निर्माण का रास्ता यहीं से निकेलगा। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर केवल एक क्षेत्र नहीं है। जम्मू कश्मीर भारत का मस्तक है। और ऊंचा उठा मस्तक ही विकास और सम्मान का प्रतीक होता है। इसलिए विकसित जम्मू कश्मीर, विकसित भारत

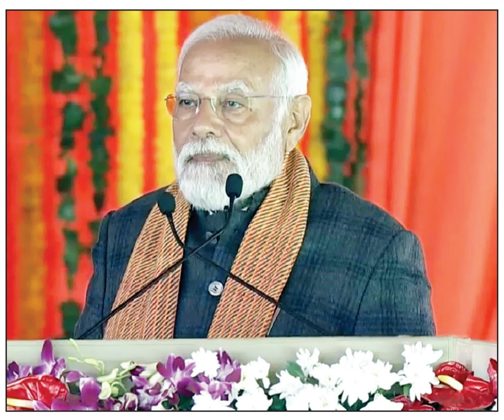

की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आज यहां से स्वदेश दर्शन योजना के तहत 6 परियोजनाएं देश को समर्पित की गई हैं। इसके अलावा स्वदेश दर्शन स्कीम के अगले चरण का भी शुभारंभ हुआ है। इसके तहत भी जम्मू कश्मीर समेत देश के अन्य स्थानों के लिए करीब 30 परियोजनाओं की शुरुआत की गई है।

कुछ परिवारों के फायदे के लिए जम्मू-कश्मीर को जंजीरों में जकड़ा गया था

अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद कश्मीर की अपनी पहली यात्रा में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में विकसित भारत विकसित जम्मू कश्मीर कार्यक्रम के दौरान 6,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का अनावरण किया। इस दौरान पीएम ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर आज खुलकर सांस ले रहा है। बन्दिशों से ये आजादी आर्टिकल 370 हटने के बाद आई है। उन्होंने कहा कि दशकों तक सियासी फायदे के लिए कांग्रेस और उसके साथियों ने 370 के नाम पर जम्मू कश्मीर के लोगों को गुमराह किया, देश को गुमराह किया।

मोदी ने कहा कि 370 से फायदा जम्मू कश्मीर को था या कुछ राजनीतिक परिवार ही इसका लाभ उठा रहे थे। जम्मू कश्मीर की आवाम ये सच्चाई जान चुकी है कि उनको गुमराह किया गया था। कुछ परिवारों के फायदे के लिए जम्मू कश्मीर को जंजीरों में जकड़ दिया गया था। उन्होंने कहा कि आज 370 नहीं है, इसलिए जम्मू कश्मीर के युवाओं की प्रतिभा का पूरा सम्मान हो रहा है, उन्हें नए अवसर मिल रहे हैं। आज यहां सबके लिए समान अधिकार भी हैं, समान अवसर भी हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि 'चलो इंडिया' कार्यक्रम के तहत, प्रवासी भारतीयों को परिवार के कम से कम पांच सदस्यों को घूमने के लिए भारत भेजने के लिए कहा गया है। अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि यहां की झीलों में जगह-जगह कमल देखने को मिलते हैं। 50 साल पहले बने जम्मू कश्मीर क्रिकेट एशोसिएशन के लोगो में भी कमल है। ये सुखद संयोग है या कुदरत का कोई इशारा कि भाजपा का चिन्ह भी कमल है और कमल के साथ तो जम्मू कश्मीर का गहरा नाता है। उन्होंने कहा कि जब इरादे नेक हों, संकल्प को सिद्ध करने का जज्बा हो तो फिर नतीजे भी मिलते हैं। पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे यहां जम्मू कश्मीर में जी20 का शानदार आयोजन हुआ। आज यहां जम्मू कश्मीर में पर्यटन के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं। अकेले 2023 में ही 2 करोड़ से ज्यादा पर्यटक यहां आए हैं।

पीएम मोदी के समर्थन में लगे नारे

पीएम मोदी की रैली में शमिल होने के लिए गुरुवार को पूरे जम्मू-कश्मीर से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे जो मोदी मुखौटा पहने नजर आए। यही नहीं, उनके समर्थन में नारेबाजी करते हुए लोग श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम पहुंचे। बीजेपी के सैंकड़ों समर्थक राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों वाली पगड़ी पहनकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और मोदी-मोदी के नारे लगाते हुए नजर आए। वहीं, इस स्थिति में सुरक्षाकर्मियों को भीड़ को संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई समर्थक हर हर मोदी, घर घर मोदी के नारे लगाते दिखे। कुछ समर्थक राम मंदिर को लेकर भी नारे लगा रहे थे। पूरी राजधानी भगवामय नजर आई। पीएम मोदी जब श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम पहुंचे तो लोगों का उत्साह चरम पर था। लोग यहां भारत माता की जय के नारे लगाते दिखे।

राजस्थान में राहुल गांधी का ऐलान

केंद्र में हमारी सरकार आई तो युवाओं को देंगे 30 लाख सरकारी नौकरियां

जयपुर। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा राजस्थान में प्रवेश कर चुकी है। बांसवाड़ा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि हमारे घोषणापत्र में, हमने एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी प्रदान की है। उन्होंने ऐलान किया कि केंद्र में सरकार आई तो हम 30 लाख सरकारी नौकरियां देंगे। उन्होंने कहा कि दलित, आदिवासी, ओबीसी और अल्पसंख्यक भारत की आबादी का लगभग 90% हिस्सा हैं। लेकिन, अगर संस्थाओं और बजट को देखें तो इन लोगों की कोई भागीदारी नहीं है। राष्ट्रपति एक आदिवासी हैं, और जब राम मंदिर का उद्घाटन हुआ, तो क्या आपने उनका चेहरा टेलीविजन पर देखा था? नहीं, क्योंकि वह एक आदिवासी है।

राहुल गांधी ने दावा किया कि उन्हें संदेश दिया गया कि आप राष्ट्रपति हो सकते हैं लेकिन आपको राम मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उद्घाटन समारोह में कोई गरीब, बेरोजगार, किसान या मजदूर नहीं था। भारत दो हैं, एक 5% का और एक शेष का। इस दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा गरीबों का ख्याल रखा, उनके लिए काम किया। बाबा साहेब आंबेडकर के नेतृत्व में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने देश को संविधान दिया। आज इसी संविधान की ताकत से जनता को सहूलियत मिल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने देश के लिए क्या-क्या काम किए हैं, हम गर्व से बताते हैं। लेकिन..मोदी सरकार ने देश के लिए क्या किया है, भाजपा के लोग इस बारे में कभी बात नहीं करते। भाजपा के लोग सिर्फ आदिवासियों और दलितों पर अत्याचार करते हैं। क्या इसी दिन के लिए मोदी जी को सत्ता पर बैठाया गया था? इससे पहले कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा था कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो सबसे पहले जाति आधारित जनगणना कराई जाएगी और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य

(एमएसपी) की कानूनी गारंटी दी जाएगी। मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल धार जिले में भारत जोड़ो न्याय यात्रा में हिस्सा लेते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि वह नहीं चाहती कि चुनावी बॉण्ड खरीदने वालों के नाम उजागर हों।

चुनावी बॉन्ड मुद्दे पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अतिरिक्त समय मांगने पर कांग्रेस ने गुरुवार को केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि भाजपा लोगों के सामने अपने कॉर्पोरेट देनदारों का खुलासा करने से डर रही है। एसबीआई ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और राजनीतिक पार्टियों के चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक की मोहलत मांगी। पिछले महीने शीर्ष अदालत ने बैंक को छह मार्च तक चुनाव आयोग को विवरण देने का निर्देश दिया था। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा नए भारत में लुका-छिपी। देश जानना चाहती है, मोदी छिपा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, एसबीआई द्वारा बनाई गई प्रधानमंत्री चंदा छिपाओ योजना झूठ पर बनी है।

खेल
प्रमुख समाचार

पहले दिन का खेल खत्म भारत पहली पारी में 135/1

धर्मशाला। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला खेला जा रहा है। पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। भारत ने अपनी पहली पारी में एक विकेट गंवाकर 135 रन बना लिए हैं। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 218 रन बनाए थे। इस हिसाब से भारत अभी भी इंग्लैंड से 83 रन पीछे है। कप्तान रोहित शर्मा 52 रन और शुभमन गिल 26 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच 31 रन की साझेदारी हो चुकी है। भारतीय टीम को एकमात्र झटका यशस्वी जायसवाल के रूप में लगा। वह 58 गेंद में 57 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें शोएब बशीर ने विकेटकीपर बेन फोक्स के हाथों स्टंप कराया।

इससे पहले इंग्लैंड की पहली पारी 218 रन पर सिमट गई थी। कुलदीप यादव ने पांच विकेट झटके। वहीं, 100वां टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन ने चार विकेट लिए। इंग्लैंड की ओर से जैक क्राउली ने सबसे ज्यादा 79 रन बनाए। इसके अलावा रवींद्र जडेजा को एक विकेट मिला। यानी इंग्लैंड के सभी 10 विकेट भारतीय स्पिनर्स ने लिए।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। बेन डकेट और जैक क्राउली ने पहले विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को कुलदीप ने तोड़ा। उन्होंने डकेट को शुभमन गिल के हाथों कैच कराया। डकेट 27 रन बना सके। इसके बाद क्राउली ने टेस्ट करियर का 14वां और भारत के खिलाफ पांचवां अर्धशतक पूरा किया। लंच से ठीक पहले कुलदीप ने ओली पोप को विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों स्टंप कराया और इंग्लिश टीम को दूसरा झटका दिया। पोप 11 रन बना सके। पहले सत्र में 25.3 ओवर गेंदबाजी हुई और इंग्लैंड ने 100 रन बनाकर दो विकेट गंवाए। इसके बाद दूसरे सत्र में इंग्लैंड ने 29.3 ओवर बल्लेबाजी की और 94 रन बनाने में छह विकेट गंवा दिए।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 74 हजार के पार निफ्टी ने भी तोड़ा रिकॉर्ड

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे दिन रिकॉर्ड कायम करते हुए अपने ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गया। इंट्रा डे ट्रेड के दौरान लगातार दूसरे दिन बीएसई सेंसेक्स 74 हजार अंक के लेवल को पार करते हुए 74,245.17 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी रिकॉर्ड तोड़ते हुए इंट्रा डे ट्रेड में 22,525.65 के ऑल टाइम हाई लेवल तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों के उछाल में थोड़ी गिरावट आई लेकिन इनके शेयर आज भी ऑल टाइम हाई पर बंद हुए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 74,242.74 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान 73,921.48 अंक के निचले लेवल तक गया। अंत में सेंसेक्स 0.05 फीसदी या 33.40 अंक की बढ़त बनाते हुए 74,119.39 पर बंद हुआ। 6 मार्च को सेंसेक्स ऑल टाइम हाई लेवल दर्ज करते हुए 74,085.99 पर बंद हुआ था।

आरबीआई और बैंक इंडोनेशिया के बीच एमओयू साइन

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 7 मार्च को कहा कि उसने सीमा पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए बैंक इंडोनेशिया के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। आरबीआई द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति में कहा गया है कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और इंडोनेशिया के गवर्नर पेरी वारजियो के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) साइन हुआ है। आरबीआई ने बयान में कहा कि सीमापार लेनदेन के लिए भारतीय रुपये और इंडोनेशियाई रुपैया (आईडीआर) के उपयोग को बढ़ावा देने को लेकर व्यवस्था बनाने के लिए यहां समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। यह व्यवस्था निर्यातकों और आयातकों को संबंधित घरेलू मुद्राओं में बिल और भुगतान करने की सुविधा देगी।

एफएमसीजी सेक्टर की ग्रोथ इस साल सुस्त रहने के आसार

नईदिल्ली। रोजमर्रा के उपभोग वाले उत्पाद (एफएमसीजी) क्षेत्र में अनिश्चित कारोबारी परिदृश्य की वजह से इस साल सितंबर तिमाही तक 'धीमी' रफ्तार से वृद्धि होने का अनुमान है। डेटा एवं सलाहकार फर्म कांतार वर्ल्डपैनल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कृषि क्षेत्र में अनिश्चितता बनी रहने से मांग पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा आगामी आम चुनावों से भी एफएमसीजी उत्पादों की खपत बढ़ने की संभावना नहीं दिख रही है। हालांकि, कांतार ने उम्मीद जताई है कि सितंबर तिमाही के बाद एफएमसीजी क्षेत्र की वृद्धि 'उत्तरोत्तर' बेहतर होगी। दूसरी छमाही में रबी की अच्छी फसल होने पर यह साल भी अच्छा साबित हो सकता है। रिपोर्ट कहती है कि गर्मियों से संबंधित कुछ श्रेणियों और कपड़े धोने के उत्पाद भी उद्योग को कुछ हद तक समर्थन देंगे। हालांकि, इन श्रेणियों में संयुक्त वृद्धि का समग्र एफएमसीजी पर प्रभाव नगण्य ही रहेगा।

स्पाइसजेट ने एशलॉन के साथ 413 करोड़ का विवाद निपटाया

नईदिल्ली। मुश्किलों से उबरने की कोशिश में लगी स्पाइसजेट ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी एशलॉन आयरलैंड मैडिसन वन लिमिटेड के साथ 413 करोड़ रुपये का विवाद सुलझा लिया है। यह पिछले दो हफ्ते में इस तरह का तीसरा विवाद है जिसका स्पाइसजेट ने निपटारा किया है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि एशलॉन के साथ कानूनी विवाद का निपटान होने से 4.8 करोड़ डॉलर (करीब 398 करोड़ रुपये) की बचत होगी। इस विवाद निपटान के तहत स्पाइसजेट दो एयरफ्रेम का अधिग्रहण करेगी। आम तौर पर एयरफ्रेम बिना इंजन वाला विमान होता है। कई बाधाओं का सामना कर रही और धन जुटाने की प्रक्रिया में लगी एयरलाइन तीन विवादों का निपटान कर कुल तीन एयरफ्रेम हासिल कर रही है।

पारदर्शी और न्यायसंगत बने विश्व व्यापार संगठन

केसी त्यागी/ बिशन नेहवाल

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को राष्ट्रों के बीच निष्पक्ष और खुले व्यापार को बढ़ावा देने के लिए गठित किया गया है। डब्ल्यूटीओ टैरिफ और व्यापार पर सामान्य समझौते (जीएटीटी) से उभरा, जिसे 1948 में एक बहुपक्षीय समझौते के जरिये स्थापित किया गया था, जिसमें अमेरिका समेत 23 देश शामिल थे। इसका उद्देश्य टैरिफ और अन्य व्यापार बाधाओं को धीरे-धीरे कम कर व्यापार को उदार बनाना था। पर तटस्थता के मुखौटे के नीचे शक्ति की गतिशीलता का एक जटिल जाल छिपा हुआ है, जहां दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका समेत विकसित देशों के हित अक्सर सर्वोच्च होते हैं। समानता और सहयोग के अपने कथित लोकाचार के विपरीत डब्ल्यूटीओ एक उपकरण बन गया है, जिसके माध्यम से पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका, के आधिपत्य को कायम रखा जाता है। दुनिया के अधिकांश हिस्सों में डब्ल्यूटीओ को अमेरिका की रचना माना जाता है, जिसे भारत जैसे विकासशील देशों पर थोपा गया है। उसके नियम मुख्य रूप से विकसित देशों के नियम हैं, भले ही बहुपक्षीय व्यापार वार्ता के क्रमिक दौर में सभी सदस्यों द्वारा उन पर सहमति व्यक्त की गयी हो। यह धारणा निराधार नहीं है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करने वाले नियम और विनियम अक्सर पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका, की प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धताओं को दर्शाते हैं। बौद्धिक संपदा अधिकारों से लेकर कृषि सब्सिडी तक वैश्विक व्यापार का ढांचा विकसित देशों के मानदंडों और मानकों से काफी प्रभावित है।

इसका प्रमाण ढूंढने के लिए दूर तक देखने की जरूरत नहीं है। मसलन,

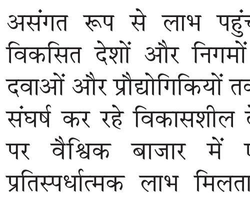

डब्ल्यूटीओ समझौतों की आधारशिला बौद्धिक संपदा अधिकार (ट्रिप्स) के व्यापार-संबंधी पहलुओं पर समझौते को लें। हालांकि जाहिर तौर पर इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा की रक्षा करना है, लेकिन ट्रिप्स विकसित देशों, विशेषकर अमेरिका, को उनकी तकनीकी प्रगति और नवाचारों की सुरक्षा कर असंगत रूप से लाभ पहुंचाता है। इससे विकसित देशों और निगमों को आवश्यक दवाओं और प्रौद्योगिकियों तक पहुंच के लिए संघर्ष कर रहे विकासशील देशों की कीमत पर वैश्विक बाजार में एक महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलता है। विकसित देश अक्सर अपने कृषि क्षेत्रों को सब्सिडी देते हैं, लेकिन भारत जैसे कृषि प्रधान विकासशील देश में किसानों को मिलने वाली सब्सिडी पर ऐतराज जताते हैं, जबकि यह सब्सिडी पश्चिमी देशों की तुलना में काफी कम है। डब्ल्यूटीए के नियमों के मुताबिक 10 प्रतिशत से ज्यादा सब्सिडी नहीं दी जा सकती है। भारत का कहना है वह इस सीमा को पार नहीं करता है। भारत में अभी हर किसान को प्रति साल सिर्फ 227 डॉलर (18,160 रुपये) की सब्सिडी मिलती है। यह बिजली, पानी, खाद, बीज, न्यूनतम समर्थन मूल्य आदि के तौर पर दी जाती है। प्रति किसान सालाना सब्सिडी ब्राजील में 25,900, चीन में 59,605, यूरोपीय संघ 4.67 लाख, जापान सात लाख, कनाडा 11.44 लाख और अमेरिका 48.46 लाख रुपये है। सब्सिडी देने के मामले में अमेरिका सबसे आगे है। यह भारत में किसानों को मिलने वाली सब्सिडी का 267 गुना है।

डब्ल्यूटीओ समझौते अक्सर विकासशील देशों को टैरिफ कम करने पर जोर देते हैं, जिससे सस्ता आयात होने से बाजार में विदेशी उत्पादों की बाढ़ सी आ जाती है। इससे स्थानीय व्यवसाय बंद हो सकते हैं, नौकरियां खत्म हो सकती हैं और घरेलू औद्योगिक विकास में बाधा आ सकती है। इसके कारण भारत समेत अन्य विकासशील देशों के किसानों को अस्थिर बाजारों का सामना करना पड़ता है। इस अस्थिरता को संबोधित करने के लिए ही भारतीय किसान पूर्व-निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) निर्धारित करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे है। आयात पर शुल्क (टैरिफ) विकासशील देशों के लिए आय का साधन होते हैं और उनकी कमी होने से सरकारी राजस्व की हानि होती है, जिससे कल्याणकारी योजनाओं के लिए बजट कम हो सकता है।

छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही भाजपा नेताओं की हत्या, मंत्री केदार कश्यप बोले-

इस तरह की घटना न हो ये कोशिश रहेगी

रायपुर। मंत्री केदार कश्यप ने नक्सली घटनाओं में लगातार भाजपा नेताओं की हो रही हत्या को लेकर बयान दिया है. उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना न हो ये कोशिश रहेगी. टारगेट किलिंग कोई छोटा-बड़ा नहीं होता, सभी एक बराबर होते हैं. हमारे बड़े नेताओं ने अपनी कुर्बानी दी है. वहीं उन्होंने अपनी सरकार की योजना और आगे की रणनीति को लेकर कहा कि हमने जनता से जो वादा किया था उसको पूरा कर रहे हैं. इसके साथ ही मंत्री कश्यप ने पीसीसी चीफ दीपक बैज के बयान पर पलटवार करते हुए अन्य मुद्दों पर बयान दिया है.

महतारी वंदन और कई योजना जारी करने सहित अग्रिम रणनीति को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि ये चुनावी रणनीति नहीं है. लोगों को जो वादा किया था, गारंटी दी थी उस संकल्प को पूरा करने तय किया है. चाहे महतारी वंदन हो या किसान भाइयों को 29 सौ का भुगतान हो. ये संकल्प हम 100 दिनों के अंदर पूरा कर रहे हैं, कांग्रेस तो चुनावी रण से बाहर है.

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के बयान पर केदार कश्यप ने कहा कि नाराजगी किसके साथ में है, क्या है ? यह दीपक बैज बता पाएंगे. वो अपना कुनबा नहीं संभाल पा रहे हैं. कवासी लकमा, मोहन मरकाम को नहीं संभाल पा रहे हैं. वो तय नहीं कर पा रहे हैं कि बलि का बकरा किसको बनाया जाए.

नक्सली घटना को लेकर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि अभी जो घटना घटी है, वह दुखद है. इस तरह की घटना न हो ये कोशिश रहेगी. इन सब की चिंता की जा रही है. जहां लगता है कोई टारगेट किलिंग स्थिति है. जैसे पखांजूर में घटना घटी और दोषी सामने आया है. उसकी जांच कार्रवाई की जाएगी. टारगेट कोई छोटा बड़ा नहीं होता सभी एक बराबर होते हैं. हमारे बड़े नेताओं ने अपनी कुर्बानी दी है. कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर मंत्री कश्यप ने कहा कि कांग्रेस ने जिस तरीके से 5 वर्ष में लुटने का काम किया और प्रदेश को चलाया है. भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी है, कार्यकर्ता की पार्टी है और कार्यकर्ता ही पार्टी चलाते हैं. मंत्री केदार कश्यप ने न्योता भोज को लेकर कहा कि बहुत अच्छा नवाचार है. हम अपने नौनिहाल और संस्थाओं के कार्यक्रम को न्योता के माध्यम से चला रहे हैं. जवाबदारी बनती है जैसा पूर्व में चलता था, उसके हिसाब से यह कार्यक्रम चल रहा है.

टाटा के साथ एमओयू रद्द

रायपुर। मंत्रिपरिषद की बैठक में एक रोज पूर्व लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय में छत्तीसगढ़ सरकार और टाटा टेक्नोलाजीस के बीच हुए एक एमओयू को लेकर भी था। मंत्रिपरिषद की बैठक में निर्णय लेते हुए सरकार ने पूर्ववर्ती भूपेश सरकार की तरफ से किये गए इस समझौते को ख़त्म करने का निर्णय लिया हैं। सरकार की तरफ से कहा गया हैं कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था उन्नयन योजना के संबंध में टाटा टेक्नालॉजी के साथ हुए अनुबंध को राज्य के हित में नहीं पाए जाने की स्थिति में अनुबंध को समाप्त करने का फैसला लिया हैं। इसके साथ ही एस्क्रो अकाउंट में जमा राशि 185.80 करोड़ को राज्य की कोष में जमा कराने का फैसला सरकार ने लिया हैं। पूर्ववर्ती सरकार में तकनीकी शिक्षा व कौशल विकास विभाग और टाटा टेक्नोलाजीस के बीच एक अनुबंध किया गया था। इसके अनुसार सरकारी आइटीआइ संस्थानों के आधुनिकीकरण के लिए लगभग 1188.36 करोड़ रुपये खर्च किए जाने थे।

मुख्यमंत्री योगी को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला रायपुर से गिरफ्तार

रायपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपित कमलेंद्र सिंह (35) को गिरफ्तार कर लिया गया है। धमकी देने वाला युवक टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर का रहने वाला है। वह आइटी मार्केटिंग में काम करता है। आरोपित थ्रो-बाल का खिलाड़ी है। लखनऊ और रायपुर पुलिस टीम की मदद से उसे गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि शनिवार रात को उत्तरप्रदेश सुरक्षा मुख्यालय के सीयूजी नंबर पर एक अज्ञात शख्स ने फोन किया और सीएम योगी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। जिसके बाद इस मामले में महानगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर किया गया है। जानकारी के मुताबिक शनिवार की रात करीब दस बजे सुरक्षा मुख्यालय पर एक अज्ञात शख्स ने फोन किया, इस फोन काल को ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल ने उठाया,

जिसके बाद आरोपित ने सीएम योगी को बम से उड़ाने की धमकी दी। कांस्टेबल ने जब फोन करने वाले युवक से उसका नाम पूछा तो उसने आरोपित ने फोन काट दिया। सीएम योगी को धमकी भरे फोन के बाद पुलिस प्रशान में हड़कंप मच गया था। इस मामले में कोतवाली थाने में दर्ज रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस नंबर के आधार पर आरोपित की तलाश में जुट गई। जिस नंबर से ये फोन काल आया था उसको सर्विलांस के आधार पर उसकी लोकेशन की जांच की गई और आरोपित को गिरफ्तार किया गया।

टिकट कटने पर भाजपा सांसद मंडावी नाराज, कहा-

मेरे खिलाफ निचले स्तर के नेताओं ने किया षड्यंत्र, टिकट वितरण की हो उच्चस्तरीय जांच

रायपुर. भाजपा ने कांकेर लोकसभा के सिटिंग सांसद मोहन मंडावी का टिकट काटकर भोजराज नाग को मैदान में उतारा है. टिकट कटने से मंडावी नाराज हैं. मोहन मंडावी ने कहा, कुछ लोगों ने मेरे खिलाफ षड्यंत्र किया है. क्क्क्क टिकट वितरण की उच्चस्तरीय जांच हो. पार्टी कहे तो आज मैं त्यागपत्र भी दे दूंगा. पार्टी की छवि खराब हो रही है तो मुझे हटाएं. मेरे काम की तारीफ भाजपा मोदी और नड्डा भी किए हैं. मैंने कांकेर में धर्मांतरण के खिलाफ लड़ाई लड़ी. संसद में मेरी सबसे ज्यादा उपस्थिति रही और प्रश्न भी पूछा है.

सांसद मंडावी ने कहा, मैंने 53 हजार रामायण बंटवाए. क्षेत्र में मेरी पहचान रामायणी की है. अब मेरा समाज कह रहा है- और करो रामायणी. मैं बहुत दुखी महसूस कर रहा हूं. पार्टी के लिए हमेशा समर्पित भाव से करूंगा काम. उन्होंने टिकिट कटने पर बीजेपी के बड़े नेताओं से जांच की मांग की है. मोहन मंडावी ने बातचीत करते हुए कहा, हमने इस क्षेत्र में इतना काम किया है. खेल के क्षेत्र में हो, मेडिकल कॉलेज में हो, एकलव्य स्कूल हो, पुल पुलिया हो हर क्षेत्र में काम किया है. इसके बाद भी टिकट काटना मेरे लिए दुख की बात है. मैं एक ट्रैवल क्षेत्र से आता हूं, मैंने बचपन से कितना त्याग किया है. मैं बीड़ी, तंबाकू गांजा, नहीं पिया. मैं राम के प्रति समर्पित था. राम का उपासक था और जगह-जगह धर्मांतरण के खिलाफ जब बाइबल बटती थी तो मैं रामायण बांटता था. 2002 से लगातार हम 48,000 रामायण बांटे थे और 17 तारीख को हमारे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने डॉ. रमन सिंह के आशीर्वाद से गुंडरदेही में 17 जनवरी को 31 हजार रामायण बटवाए, जिसमें 30,000 से ज्यादा लोग थे और सब लोग कहते थे कि इनका टिकट नहीं कटेगा.

मंडावी ने कहा राम मंदिर बनने से पहले हमने रामायण बांटा था. मेरे घर में को लेकर कहते थे कि मुझे टिकट मिलेगा. मैं रात दिन दौड़ा करता था. लोगों से मिलता था. मेरे कार्यों से प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री कायल थे. प्रधानमंत्री जब भी मिलते थे मुझे बोलते थे कि मुझे तुम्हारी रामायण सुनना है. नड्डा जी बोलते थे मोहन तुम्हारा जो काम है मुझे बहुत अच्छा लगा. मुझे लगता था कि राम मंदिर बना है तो मुझे पुरस्कृत करेंगे, लेकिन यहां टिकट काट दिया गया. यह बड़े कष्ट की बात है. उन्होंने कहा, मेरे जैसा आदिवासी भारत में भी नहीं होगा.

केबिनेट फैसले के अनुसार अनुकम्पा नियुक्ति हेतु नए निर्देश जारी

रायपुर। बुधवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनुकम्पा नियुक्ति के संबंध में राज्य शासन द्वारा जारी एकजाई पुनरीक्षित निर्देश 2013 में संशोधन करने के लिए गए निर्णय पर त्वरित अमल करते हुए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा कैबिनेट के निर्णय अनुसार संशोधन के संबंध में समस्त विभागों, छत्तीसगढ़ राजस्व मण्डल, समस्त विभागाध्यक्षों, सभी कमिश्नर्स और सभी कलेक्टर्स को निर्देश जारी कर दिया गया है। सेवाकाल के दौरान दिवंगत शासकीय सेवक के आश्रित परिवार के सदस्य को अनुकम्पा नियुक्ति देने के संबंध में राज्य शासन द्वारा संदर्भित परिपत्र द्वारा एकजाई पुनरीक्षित निर्देश, 2013 जारी किए गए हैं एवं उसमें समय-समय पर आंशिक संशोधन किए गए हैं। संशोधन के संबंध में सामान्य प्रशासन द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं कि कलेक्टर कार्यालय में आवेदन-पत्र अग्रेषित होकर प्राप्त होने पर, जिला कलेक्टर द्वारा उसके जिले में, उसके अधीनस्थ कार्यालय में अनुकम्पा नियुक्ति हेतु रिक्त उपलब्ध पद पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान करने की कार्रवाई की जायेगी। जिले में किसी भी कार्यालय में अनुकम्पा नियुक्ति हेतु रिक्त पद उपलब्ध न होने पर जिला कलेक्टर तदाशय के प्रमाण पत्र के साथ आवेदक का अनुकम्पा नियुक्ति का आवेदन-पत्र, अपने संभागीय आयुक्त कार्यालय को प्रेषित करेंगे एवं आवेदक को उसकी सूचना दी जाएगी।

कांग्रेस ने चुनावी बांड को लेकर प्रदेश भर में एसबीआई के सामने प्रदर्शन किया

रायपुर। चुनावी बांड में भाजपा के घोटाले तथा इस घोटाले की पर्दादारी के लिये भारतीय स्टेट बैंक के मिलीभगत के खिलाफ कांग्रेस ने आज प्रदेश के सभी जिलों में स्टेट बैंकों के सामने विरोध प्रदर्शन किया। स्टेट बैंक भाजपा के घोटाले पर पर्दा डालने में लगी है।

भारत की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी की इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को असंवैधानिक करार देते हुये इसे रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना के तहत राजनीतिक दलों को प्राप्त चंदे का खुलासा करने के निर्देश दिये थे। सुप्रीम कोर्ट ने स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया (एसबीआई) को निर्देश दिये थे की वो चुनावी चंदे से संबंधित संपूर्ण जानकारी 6 मार्च 2024 (लोकसभा चुनाव के पूर्व) के पहले सार्वजनिक करते हुए चुनाव आयोग को सौंपे। बीजेपी और मोदी सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक पर जानकारी साझा नहीं करने का दबाव बनाया और स्टेट बैंक ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष आवेदन देकर जानकारी साझा करने के लिए 30 जून तक का समय मांग लिया। विरोध प्रदर्शन रायपुर शहर, रायपुर ग्रामीण, बलौदाबाजार, गरियाबंद, महासमुंद, धमतरी, बालोद, दुर्ग शहर, दुर्ग ग्रामीण, भिलाई शहर, बेमेतरा, राजनांदगांव शहर, राजनांदगांव ग्रामीण, कवर्धा, जगदलपुर शहर बस्तर ग्रामीण, सुकमा, नारायणपुर, कोण्डागांव, बीजापुर, कांकेर, दंतेवाड़ा, बिलासपुर शहर, बिलासपुर ग्रामीण, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, मुंगेली, कोरबा शहर, कोरबा ग्रामीण, जांजगीर-चांपा, रायगढ़ शहर, रायगढ़ ग्रामीण, जशपुर, सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर, कोरिया सहित कांग्रेस के सभी जिला एवं ब्लाकों में किया गया।

माओवाद पर नियंत्रण के लिए एसआईए बनेगी एनआईए की नोडल एजेंसी

रायपुर। नक्सलवाद और वामपंथी उग्रवाद की समस्या से जूझ रहे छत्तीसगढ़ की सरकार ने बड़ा फैसला किया हैं। सरकार ने अपने इस फैसले से जाता दिया हैं कि वह अब इस लड़ाई को निर्णायक मोड़ देना चाहती हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में एक रोज पूर्व नया रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित हुई। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिनमें एक अहम फैसला राज्य स्तर पर जाँच एजेंसी के गठनका भी था। सरकार अब राष्ट्रीय जाँच एजेंसी यानी एनआईए की तर्ज पर एसआईए यानी राज्य जाँच एजेंसी का गठन करने जा रही हैं। अपने फैसले में सरकार ने कहा हैं कि छत्तीसगढ़ राज्य में आतंकवाद, नक्सलवाद, वामपंथी उग्रवादी जैसे विशेष मामलों, प्रकरणों में त्वरित एवं प्रभावी अनुसंधान एवं अभियोजन के लिए राज्य इनवेस्टिगेशन एजेंसी (एस.आई.ए.) के गठन का निर्णय लिया गया। यह एजेंसी राष्ट्रीय इनवेस्टिगेशन एजेंसी (एन.आई.ए.) के साथ समन्वय के लिए राज्य के नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगी। इसके लिए एक पुलिस अधीक्षक सहित कुल 74 नवीन पदों का निर्माण किया गया है।

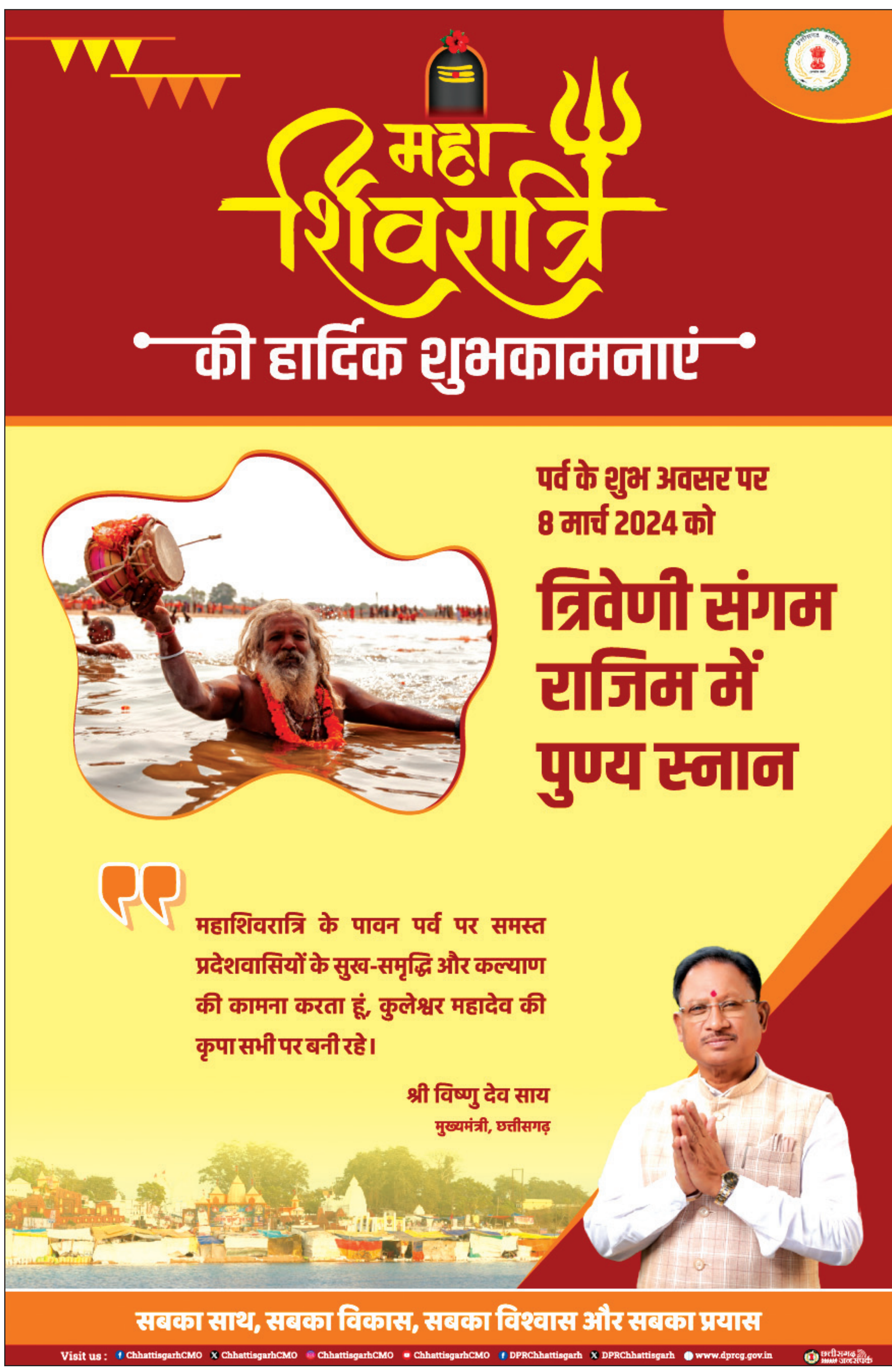

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.